



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY  
भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 220]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 16, 2005/श्रावण 25, 1927

No. 220]

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 16, 2005/SRAVANA 25, 1927

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 अगस्त, 2005

अंतिम जांच परिणाम

विषय : यूरोपीय संघ, संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन जन.गण. तथा चीनी ताइपेई के मूल के अथवा वहां से निर्यातित कतिपय खड़ रसायनों (एमओआर, पीएक्स-13 तथा टीडीक्यू) के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच।

## क. पृष्ठभूमि तथा जांच प्रारंभ

सं. 14/13/2004-डीजीएडी.—जबकि नैशनल आर्गेनिक केमिकल्स इंडस्ट्रीज लि० (जिसे इसके बाद एनओसीआईएल अथवा याचिकाकर्ता कहा गया है) द्वारा दायर आवेदन-पत्र जिसमें यूरोपीय संघ, सं.रा. अमरीका, चीनी ताइपेई तथा चीन जन.गण. (जिन्हें इसके बाद संबद्ध देश/क्षेत्र कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित कतिपय खड़ रसायनों नामतः एमओआर, पीएक्स-13 तथा टीडीक्यू (जिन्हें इसके बाद संबद्ध माल कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया है, के आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) ने तथाकथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा तथा इसके प्रभाव के निर्धारण करने और पाटनरोधी शुल्क की राशि, यदि उगाही जाए तो क्या वह घरेलू उद्योग को हो रही क्षति को समाप्त करने हेतु पर्याप्त रहेगी, की सिफारिश करने के उद्देश्य से पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(5) के अनुसार दिनांक 17 अगस्त, 2004 की अधिसूचना द्वारा एक जांच प्रारंभ की।

(1)

2. और जबकि प्राधिकारी ने संबद्ध देशों/क्षेत्रों से आयातित संबद्ध माल पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हुए भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित दिनांक 8 अप्रैल, 2005 की अधिसूचना द्वारा अपने प्रारंभिक जांच परिणामों को अधिसूचित किया। केन्द्रीय सरकार ने दिनांक 7 जुलाई, 2005 की अधिसूचना द्वारा उक्त संबद्ध माल पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया।

ख. अगली प्रक्रिया

3. उपरोक्त जांच के संबंध में प्राधिकारी के प्रारंभिक जांच-परिणामों संबंधी अधिसूचना के पश्चात् इस जांच के संबंध में नीचे वर्णित प्रक्रिया अपनाई गई है:-

- i) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध देशों/क्षेत्रों के दूतावासों/प्रतिनिधियों सहित सभी इच्छुक पक्षकारों, संबद्ध देशों के सहयोगकारी निर्यातकों, घरेलू उद्योग और इस जांच में सहभागिता करने वाले आयातकों को दिनांक 8 अप्रैल, 2005 के प्रारंभिक जांच परिणामों की प्रतिलिपियां भेजीं और उनसे अनुरोध किया कि वे प्रारंभिक जांच-परिणामों संबंधी अधिसूचना के 40 दिनों के भीतर अपने-अपने विचार लिखित रूप में प्रस्तुत कर दें।

- ii) संबद्ध देशों/क्षेत्रों के निम्नलिखित निर्यातकों ने जांच आरंभ होने के संबंध में अपने-अपने प्रश्नावली प्रत्युत्तर दर्ज कराए और प्रारंभिक जांच परिणामों के बाद पर्याप्त निवेदन किए हैं -

- 1) मै0 फ्लेक्सीस एनवी, बेल्जियम
- 2) मै0 लांक्सेस एनवी, बेल्जियम
- 3) मै0 लांक्सेस एजी, जर्मनी
- 4) मै0 जनरल क्यूमिका एसए, स्पेन

- iii) जहां मै0 जे.के. इंडस्ट्रीज लि0 ने अपने आयातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दर्ज कराया वहां निम्नलिखित आयातकों तथा अन्य इच्छुक पक्षकारों ने इस जांच के भिन्न-भिन्न चरणों में अपने-अपने प्रत्युत्तर/टिप्पणियां दर्ज कराई हैं-

- क) मै0 लांक्सीस इंडिया प्रा0 लि0
- ख) ऑटोमोटिव टॉयर मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन (एटीएमए)

यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल ने भी प्रारंभिक जांच-परिणामों के बाद एक संक्षिप्त निवेदन किया है जिसे प्राधिकारी द्वारा रिकॉर्ड में ले लिया गया है।

- iv) जांच आरंभ करने और प्रारंभिक जांच-परिणामों के प्रत्युत्तर में इच्छुक पक्षकारों की टिप्पणियों को रिकॉर्ड में शामिल किया गया है और प्राधिकारी ने उठाए गए मुद्दों के संबंध में इस जांच परिणाम में जांच की है ।
- v) प्राधिकारी ने विभिन्न इच्छुक पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय अंश को इच्छुक पक्षकारों के निरीक्षण के लिए खुली रखी गई सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया ।
- vi) संक्षिप्तता के प्रयोजनार्थ विभिन्न इच्छुक पक्षकारों की टिप्पणियों और प्रारंभिक जांच-परिणामों से पहले उठाए गए मुद्दों जिनकी चर्चा उसमें की गई थी, को इस जांच परिणाम में दोहराया नहीं गया है ।
- vii) प्राधिकारी ने दिनांक 27 अप्रैल, 2005 को एक सार्वजनिक सुनवाई की जिससे सभी इच्छुक पक्षकारों को अपने-अपने विचार सामने रखने का अवसर दिया गया । सार्वजनिक सुनवाई के दौरान पक्षकारों द्वारा किए गए मौखिक निवेदनों को लिखित रूप में ज्यू का त्यू उद्धृत किया गया है और इस जांच के प्रयोजनार्थ उन्हें रिकॉर्ड में शामिल किया गया है ।
- viii) प्राधिकारी ने दिनांक 22 जुलाई, 2005 को सभी इच्छुक पक्षकारों को प्रकटन विवरण-पत्र जारी किए जिसमें प्राधिकारी द्वारा विचाराधीन आवश्यक तथ्यों को सूचित किया गया और प्राधिकारी द्वारा अपनाए जाने वाले प्रस्तावित निर्धारण पद्धति की सूचना दी गई और उक्त प्रकटन विवरण-पत्र पर इच्छुक पक्षकारों की टिप्पणियाँ मांगी गई । इस प्रकटन विवरण-पत्र पर केवल घरेलू उद्योग और यूरोपीय संघ के निर्यातकों ने ही अपनी-अपनी टिप्पणियाँ दर्ज कराई हैं । इच्छुक पक्षकारों की टिप्पणियों, जहां तक वे संगत रही, पर प्राधिकारी द्वारा इन जांच-परिणामों में विचार किया गया है ।
- ix) प्राधिकारी ने प्रस्तुत आंकड़ों के संबंध में विभिन्न इच्छुक पक्षकारों के गोपनीयता दावों की जांच की है । ऐसी जानकारी जो अपनी किस्म से गोपनीय होती है अथवा जिसे इच्छुक पक्षकारों द्वारा अगोपनीय सारांश के साथ-साथ गोपनीय आधार पर प्रस्तुत किया गया है, उसे गोपनीय माना गया है । इस अधिसूचना में \*\*\*\* पर व्यक्त जानकारी याचिकाकर्ता द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत जानकारी है और प्राधिकारी ने इसी पर उक्त नियमावली के तहत विचार किया है ।

- x) पाटन निर्धारण के संबंध में यह जांच दिनांक 1.1.2003 से प्रारंभ दिनांक 31.12.2003 तक की अवधि (जांच अवधि) के लिए की गई और क्षति संबंधी जांच वर्ष 2000-01 से वर्ष 2002-03 तक और जांच अवधि के संबंध में की गई ।

#### ग. विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु

4. जैसा कि प्रारंभिक जांच परिणामों में रिकॉर्ड किया गया है, इस जांच में रबड़ उत्पादों के विनिर्माण में प्रयुक्त तीन विशेष रबड़ रसायन, नामतः i) एंटी-डिग्रेडेंट्स: पीएक्स 13 ii) एक्सेलेटर्स:एमओआर iii) ऑक्सीडेंट: टीडीक्यू हैं । चूंकि इन उत्पादों के ब्यौरे प्रारंभिक जांच-परिणामों में वर्णित किए गए हैं अतः संक्षिप्तता के प्रयोजनार्थ इन्हें इस जांच-परिणाम में दोहराया नहीं गया है ।

#### ग.1 वर्गीकरण

5. एटीएमए ने तर्क दिया है कि 'रबड़ रसायनों' जैसा कोई वर्गीकरण नहीं दिया गया है। इन रसायनों का वर्गीकरण रबड़ एक्सीलेटर्स, कंपाउंड प्लास्टीसाइजर्स और एंटीऑक्सीडाइजिंग संपाकों के रूप में किया गया है । रबड़ रसायनों में संबद्ध रसायनों का वर्गीकरण शायद उन रसायनों के प्रयोग के आधार पर किया गया है जबकि सीमाशुल्क टैरिफ में ऐसा कोई वर्गीकरण नहीं दिया गया है ।
6. प्राधिकारी नोट करता है कि विचाराधीन उत्पाद रबड़ उद्योग में प्रयुक्त रसायन हैं और इसीलिए जातीय शब्दावली में उन्हें रबड़ रसायनों के नाम से जाना जाता है । आगे यह भी नोट किया जाता है कि संबद्ध माल के संबंध में कोई भी समर्पित आईटीसी एचएस वर्गीकरण नहीं होता है और विचाराधीन उत्पादों को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के विभिन्न उप शीर्षकों के तहत वर्गीकृत किया गया है जो सीमाशुल्क वर्गीकरण शीर्ष 38.12.10, 38.12.20 और 38.12.30 तथा 29.34.20 और 29.25.20 (6-अंकीय स्तर पर) जो सीमाशुल्क टैरिफ वर्गीकरण और आईटीसी एचएस वर्गीकरण के तहत दिए गए हैं । अतः विभिन्न उप शीर्षों के तहत कवर किए गए इन उत्पादों को इस जांच में कवर किया गया है । किंतु, सीमाशुल्क तथा आईटीसी एचएस वर्गीकरण केवल संकेतात्मक हैं और उनकी मौजूदा जांच के दायरे पर किसी प्रकार कोई बाध्यता नहीं है ।

#### ग.2 इच्छुक पक्षकारों के विचार

7. इच्छुक पक्षकारों ने अपने विभिन्न निवेदनों में तर्क दिया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी को एक एकल जांच में तीन अलग-अलग रबड़ रसायनों अर्थात् पीएक्स-13, एमओआर

तथा टीडीक्यू को कवर करते हुए एक संयुक्त जांच आरंभ नहीं करनी चाहिए थी। उन्होंने तर्क दिया है कि प्राधिकारी को चाहिए था कि वह चार खड़ रसायनों को अलग-अलग मान लेते क्योंकि इनमें से प्रत्येक उत्पाद के लिए बाजार, निर्यातक, आयातक, उत्पादक तथा प्रयोक्ता अलग-अलग हो सकते हैं, अतः उनको एक साथ मिला देने से भारत के अनेक पक्षकारों से सार्थक सहयोग नहीं मिलेगा क्योंकि वे तथ्यों को तोड़-मरोड़ सकेंगे। उन्होंने तर्क दिया है कि संबंधित टैरिफ शीर्षक द्वारा कवर किए गए प्रत्येक रसायन के संबंध में आयात आंकड़े अलग-अलग किए बिना क्षति अथवा मूल्य/कीमत प्रभावों पर कोई निर्धारण करना संभव नहीं है। उन्होंने आगे यह भी तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग ने यह बात स्वयं स्वीकार की है कि शामिल खड़ रसायन तीन अलग-अलग उत्पाद हैं जोकि परस्पर प्रतिस्थापनीय नहीं हैं। अतः यह प्राधिकारी के ऊपर निर्भर है कि वह इस संबंध में तीन अलग-अलग जांच आरंभ करें ताकि पाटन, क्षति तथा कारणात्मक संबंध का विश्लेषण एक सार्थक तरीके से किया जा सके।

8. घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि संबद्ध माल का खड़ तथा खड़ मिश्रणों के परिष्करण में व्यापक प्रयोग होता है और इसके उत्पादकों तथा उपभोक्ताओं के संबंध में काफी समानता है। अतः जहां तक विचाराधीन उत्पादों के लिए अलग-अलग विश्लेषण का संबंध है, अलग-अलग उत्पादों की अलग-अलग जांच करने की बजाए एक सामान्य जांच करना अपेक्षतया अधिक यथोचित रहा। उन्होंने आगे यह भी तर्क दिया है कि पिछले ऐसे भी उदाहरण हैं जहां प्राधिकारी ने अनेक उत्पादों की एक ही जांच की है।

### ग.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

9. प्राधिकारी नोट करता है कि न तो उक्त करार में और न ही पाटनरोधी नियमावली में एक जांच के तहत बहु-उत्पादों की किसी तरह से जांच में कोई मनाही है। चूंकि अलग-अलग घरेलू उत्पाद तथा अलग-अलग निर्यात उत्पाद समान उत्पाद हैं और क्षति का निर्धारण अलग-अलग उत्पादों के संबंध में किया जा सकता है अतः जैसाकि इच्छुक पक्षकारों द्वारा तर्क दिया गया है, उक्त करार में इस जांच को एकल उत्पाद तक सीमित रखे जाने का कोई सुस्पष्ट प्रतिबंध नहीं है।
10. प्राधिकारी आगे यह भी नोट करता है कि मौजूदा जांच में विचाराधीन उत्पाद हालांकि तीन अलग अलग हैं लेकिन वह खड़ उद्योग में प्रयुक्त खड़ रसायनों की सामान्य श्रेणी समान है। इन खड़ रसायनों के संबंध में घरेलू उद्योग वही है जो एक जैसी विनिर्माण सुविधाओं में खड़ रसायनों का विनिर्माण करता है। अतः ऐसी जांच के संबंध में संसाधनों के अनुकूल प्रयोग हेतु ऐसी स्थिति में एक संयुक्त जांच करना

सर्वाधिक आदर्श रहता । प्राधिकारी यह भी नोट करता है कि जांच प्रारंभ अधिसूचना में पर्याप्त रूप से यह स्पष्ट किया गया है कि पाटन तथा क्षति-जांच दोनों ही संपूर्ण घरेलू उद्योग पर समग्र प्रभाव जांच के अतिरिक्त अलग-अलग उत्पादों के संबंध में की जाती है । प्राधिकारी यह भी नोट करता है कि घरेलू उद्योग की पूर्ववत् आवश्यकता की जांच अलग-अलग उत्पादों के संबंध में कर दी गई है । अतः इस संबंध में इच्छुक पक्षकारों के तर्क वैध प्रतीत नहीं होते हैं।

#### घ. समान उत्पाद

11. आवेदक ने दावा किया है कि आवेदन-पत्र में शामिल प्रत्येक अलग-अलग उत्पाद अलग-अलग हैं और उसकी अन्य रबड़ रसायनों से परस्पर प्रतिस्थापनीयता नहीं है । ये विशिष्ट रसायन हैं जिनका प्रयोग रबड़ उत्पादों की विभिन्न किस्मों के विनिर्माण हेतु प्रयुक्त विशिष्ट नुस्खे में किया जाता है और उन्हें दूसरे रसायनों के बदले प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता है हालांकि वे सामान्यतया एक्सीलेरेटर्स, एंटी-आक्सीडेंट्स और एंटी-डिग्रेडेंट के रूप में जाने जाते हैं । इसके अलावा, मौजूदा आवेदन-पत्र में शामिल रबड़ रसायन परस्पर प्रतिस्थापनीय नहीं होते हैं अथवा वे परस्पर समान उत्पाद नहीं हैं क्योंकि इन सामग्रियों का प्रयोग विशेष अंतिम अनुप्रयोगों के लिए किया जाता है । अतः पाटन मार्जिन तथा सभी अन्य विश्लेषण जिसमें घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति शामिल है, को अलग-अलग उत्पादों के रूप में किए जाने का प्रस्ताव है ।
12. ये अलग-अलग उत्पाद उनके रसायन और साथ ही व्यापार नामों से पूरे विश्व में जाने जाते हैं और उनसे विनिर्मित उत्पाद तथा आयातित उत्पादों के बीच कोई अंतर नहीं होता है । घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पादों और संबद्ध देश से आयातित उत्पादों में कोई अंतर नहीं है । इन उत्पादों को टायर उद्योग तथा अन्य उद्योगों को सप्लाई करने हेतु व्यापारियों द्वारा प्रत्यक्ष रूप से आयात किया जा रहा है । उत्पादक घरेलू तथा तदनुरूपी आयातित उत्पादों का परस्पर प्रयोग कर रहे हैं ।
13. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित अलग-अलग उत्पाद और संबद्ध देशों/क्षेत्रों के आयातित उत्पाद सभी आवश्यक विशेषताओं की दृष्टि से एकसमान हैं और इसीलिए वे उपरोक्त नियमावली के अनुसार इसके आशय के भीतर समान उत्पाद हैं ।

#### ड. घरेलू उद्योग:

##### ड.1 इच्छुक पक्षकारों के विचार

14. इच्छुक पक्षकारों ने घरेलू उद्योग की स्थिति के संबंध में अपने-अपने विचारों को दोहराया है और तर्क दिया है कि इस स्थिति की जांच अन्य भारतीय उत्पादकों के उत्पादन के संदर्भ में की गई है । उन्होंने तर्क दिया है कि प्राधिकारी घरेलू उद्योग के दायरे से अपने नाम में अथवा आयातकों के लिए आयात करने वाले उत्पादकों को शामिल नहीं कर सकेगा और नहीं करेगा । अतः प्राधिकारी को चाहिए कि वह सबसे पहले

इस बात का निर्णय करे क्या वह घरेलू उद्योग के दायरे में ऐसे उत्पादकों को शामिल करेगा अथवा शामिल नहीं करेगा जो आयातक भी हो सकते हैं। ऐसा तभी किया जा सकता है जब एनओसीआईएल की घरेलू उद्योग की स्थिति निर्धारित हो जाए और इस आशय का जांच परिणाम प्राधिकारी द्वारा दे दिया जाए। उन्होंने घरेलू उद्योग के उस वक्तव्य पर भी प्रश्नचिह्न लगाया है कि संबद्ध माल के अन्य उत्पादकों ने या तो उत्पादन बंद कर दिया है अथवा वे व्यापारी बन गए हैं। घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि ये उत्पादक संबद्ध माल के उत्पादन से अलग हो गए हैं और उन्होंने आयातों का सहारा ले लिया है।

## ड.2 प्राधिकारी द्वारा जांच

15. इस जांच के लिए आवेदन-पत्र मै0 एनओसीआईएल, मुंबई द्वारा दायर किया गया था। विचाराधीन उत्पाद के संबंध में अन्य विनिर्माता मै0 बॉयर इंडिया लि0, मै0 आईसीआई लि0 और मै0 मर्सकेम लि0 हैं। किंतु, घरेलू उद्योग द्वारा तर्क दिया गया है कि या तो उन सभी ने पाटित आयातों के कारण संबद्ध माल का उत्पादन करना काफी कम कर दिया है अथवा वे संबद्ध माल के आयातक के रूप में बदल गए हैं। प्राधिकारी द्वारा इन तीनों कंपनियों से पूछा गया कि वे अपनी अपनी क्षमता, उत्पादन, बिक्रियों तथा संबद्ध माल के आयातों के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रस्तुत कर दें और उक्त आवेदन पत्र का समर्थन करें अथवा उसके विरोध की पुष्टि करें। किंतु, इस जांच का विरोध करने वाले मै0 आईसीआई लि0 को छोड़कर इन उत्पादकों से कोई प्रत्युत्तर प्राप्त नहीं हुआ।
16. डीजीसीआईएंडएस तथा अन्य स्रोतों द्वारा प्रस्तुत सौदेवार आयात आंकड़े यह दर्शाते हैं कि इन कंपनियों ने जांच अवधि के दौरान इन उत्पादों का काफी आयात किया है। जहां तक बॉयर इंडिया का संबंध है, यह कंपनी मै0 बॉयर जीएमबीएच से संबंधित है जोकि विभिन्न स्थानों पर स्थित अपनी विनिर्माण सुविधाओं से भारत को संबद्ध माल का प्रमुख उत्पादक तथा निर्यातक है। किंतु, इन घरेलू विनिर्माताओं से जानकारी मांगते हुए और उक्त आवेदन-पत्र के समर्थन अथवा विरोध के संबंध में इस जांच के प्रारंभ होने से पहले प्राधिकारी की ओर से एक विशेष अनुरोध का इन उत्पादकों ने कोई प्रत्युत्तर नहीं दिया। अतः प्राधिकारी ने निष्कर्ष दिया कि किसी भी अन्य घरेलू उत्पादक की ओर से इस जांच का कोई अर्थक्षम विरोध नहीं हुआ है और उनके आयातक दर्जे को देखते हुए ये घरेलू विनिर्माता उक्त करार के अनुच्छेद 4.1 (i) के अनुसार घरेलू उद्योग के दायरे में शामिल किए जाने हेतु अर्हता प्राप्त नहीं करते हैं।
17. यह आवेदक एक आर्गेनिक रसायनों का एक बहु-उत्पाद विनिर्माता है। प्राधिकारी नोट करता है कि विचाराधीन अलग-अलग उत्पादों के संबंध में याचिकाकर्ता की

संयंत्र क्षमता समर्पित है। याचिकाकर्ता कंपनी के अलग-अलग रसायनों के उत्पादन पर विचार करते हुए और उन उत्पादकों के उत्पादन की अनुमति दिए बिना जिन्होंने संबंधित उत्पादों का काफी आयात किया है, यह आवेदक कंपनी विचाराधीन उत्पादों, नामतः पीएक्स-13, एमओआर तथा टीडीक्यू के कुल घरेलू उत्पादन का एक प्रमुख अनुपात में उत्पादन करती है। उपरोक्त को देखते हुए प्राधिकारी निर्णय देता है कि आवेदक घरेलू उद्योग की स्थिति रखता है और पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(क) तथा (ख) और नियम 2(ख) के तहत यथा अपेक्षित घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करने हेतु आवश्यक मानदंड पूरा करता है।

#### च. न्यूनाधिक सीमा

18. ऑटोमोटिव टायर मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन ने तर्क दिया है कि यूरोपीय संघ को पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ एक एकल क्षेत्र के रूप में नहीं माना जा सकता है और यूरोपीय संघ के कई सदस्य देशों से आयात या शून्य रहा अथवा वह न्यूनाधिक सीमा पर रहा। इस संबंध में प्राधिकारी नोट करता है कि नियम 2 (घ) तथा नियम 10 के साथ पठित धारा 9क(1) में यह प्रावधान है कि जब किसी वस्तु का निर्यात किसी 'देश' अथवा 'क्षेत्र' (जैसाकि नियम 2(घ) के तहत परिभाषित किया गया है) से भारत को उसके सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर होता है तो प्राधिकारी उक्त नियमावली के उपबंधों के अध्याधीन पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की जांच अथवा सिफारिश कर सकेगा। इस जांच के प्रयोजनार्थ यूरोपीय संघ को एक एकल सीमाशुल्क क्षेत्र के रूप में माना गया है और तदनुसार प्रारंभिक जांच-परिणामों को जारी किया गया। अतः आयातक के तर्कों को स्वीकार नहीं किया गया है।
19. प्राधिकारी द्वारा वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) और अन्य गौण स्रोतों से प्राप्त आयात आंकड़ों के अनुसार संबद्ध देशों/क्षेत्रों से अलग-अलग उत्पादों का आयात न्यूनतम सीमा से अधिक रहा है।

#### छ. अन्य निवेदन तथा उठाए गए मुद्दे:

20. इच्छुक पक्षकारों ने अपने-अपने प्रारंभिक जांच-परिणाम पश्चात तथा प्रकटन-पश्चात निवेदनों में इस जांच के विभिन्न पहलुओं के संबंध में विभिन्न मुद्दों पर अपने-अपने तर्कों की पुनरावृत्ति किए बिना अपने-अपने विचारों को दोहराया है और जहां तक संगत हो सका इन तर्कों को सारांश में नीचे दिया जाता है:

##### छ.1 निर्यातक तथा अन्य इच्छुक पक्षकार

21. निर्यातकों तथा अन्य इच्छुक पक्षकारों ने यह तर्क दिया है

- कि आवेदक उद्योग अर्थात् एनओसीआईएल ने अपूर्ण तथा अशुद्ध जानकारी दर्ज कराई है अथवा सामान्य मूल्य तथा पाटन मार्जिन के आंकड़ों की जानकारी के



- संबंध में अत्यधिक गोपनीयता बरती है जिससे कानून के अनुसार प्रकटन अपेक्षाओं का उल्लंघन हुआ है;
- कि प्राधिकारी को ऐसा अवश्य करना चाहिए कि वह क्षति के निर्धारण के प्रयोजनार्थ विस्तृत आयात आंकड़ों और अपनाई गई पद्धति का खुलासा करें जिसमें इस प्रयोजनार्थ स्वीकार किए गए क्षति मार्जिन तथा अक्षतिकारी कीमत शामिल हो;
  - कि वर्ष 2004 तक कई वर्षों के संबंध में विश्व बाजार में अत्यधिक क्षमता के परिणामस्वरूप खड़ रसायनों की कीमतों में गंभीर गिरावट रही है और इस मामले में घरेलू उद्योग सहित सभी विनिर्माताओं को सतत आधार पर हानि उठानी पड़ी किंतु, इस जांच से तुरंत पहले इस प्रवृत्ति में एक नाटकीय बदलाव आरंभ हुआ है और विश्व-व्यापी क्षमताओं के यौक्तिकीकरण तथा प्रमुख विश्व-व्यापी उत्पादकों के उत्पादन में गिरावट के परिणामस्वरूप कीमतों में तेजी से वृद्धि हुई है। इससे खड़ रसायनों के सभी विनिर्माताओं को लाभ हुआ है और इसलिए इस परिदृश्य में घरेलू उद्योग को किसी संरक्षण की आवश्यकता नहीं है;
  - कि जहां जांच अवधि को एक कैलेंडर वर्ष के रूप में माना गया है वहां क्षति जांच अवधि में तीन विगत वित्तीय वर्ष तथा एक कैलेंडर वर्ष को कवर किया गया है जिससे एक तिमाही को शामिल नहीं किया गया है। यह तर्क दिया गया है कि ऐसी तुलना करने से किसी भी उद्योग को अंतरनिहित खपत के चक्रीय पैटर्न को शामिल नहीं किया जा सकता;
  - कि आवेदक द्वारा अन्य घरेलू उत्पादकों की क्षमता तथा उत्पादन के संबंध में प्रस्तुत आंकड़ों की शुद्धता एवं पर्याप्तता संदिग्ध है और इस संबंध में पूर्ण प्रकटन उपलब्ध नहीं कराया गया है। अतः पूर्ववत् निर्धारण को बिगाड़ा जा सका है;

## छ.2 घरेलू उद्योग के विचार

22. घरेलू उद्योग ने अपने प्रारंभिक जांच-परिणाम पश्चात निवेदनों में तर्क दिया है
- कि अन्य घरेलू उत्पादकों ने उत्पादन बंद नहीं किया है बल्कि अपना उत्पादन आस्थगित कर दिया है और उन्होंने व्यापार करने का सहारा ले लिया है और इच्छुक पक्षकारों ने यह स्वीकार किया है कि यह उद्योग पर्याप्त रूप से पुनर्जांच में चल रहा है;
  - कि जहां तक जांच अवधि को शामिल नहीं करने और क्षति अवधि का संबंध है, यह यथोचित है कि जांच अवधि (कैलेंडर वर्ष) के निष्पादन की तुलना पिछले वर्षों (लेखा वर्षों) से कर दी जाए और इस दृष्टिकोण को प्राधिकारियों द्वारा अनेक क्षेत्राधिकार में अपनाया जाए;
  - कि निर्यातकों द्वारा यह मान लिया गया है कि विश्व-भर के उत्पादकों के पास

अत्यधिक क्षमता उपलब्ध है जिसके परिणामस्वरूप विश्व-व्यापी उत्पादकों को क्षमताओं की अधिप्राप्ति के लिए हानि उठानी पड़ रही है;

- कि सहयोगकारी निर्यातकों के प्रत्युत्तर कई मायनों में अपूर्ण हैं और निर्यातकों ने अत्यधिक गोपनीयता का सहारा लिया है और अगोपनीय आधार पर निर्यातकों द्वारा किए गए निवेदनों से प्राधिकारी द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई जानकारी के अंश को यथोचित समझने की अनुमति नहीं मिलती है;
- कि चीन को अनेक मामलों में यूरोपीय आयोग तथा संयुक्त राज्य अमरीका और साथ ही भारतीय प्राधिकारी द्वारा गैर-बाजार अर्थव्यवस्था माना गया है और इसीलिए अनुबंध<sup>1</sup> के पैरा 8 (यथासंशोधित के अनुसार) मौजूदा मामले में ऐसा ही मान लिया जाए और सामान्य मूल्य का निर्धारण उक्त नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के अनुसार तदनुसार कर दिया जाए;

### छ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

23. प्राधिकारी ने इच्छुक पक्षकारों के विभिन्न तर्कों को नोट कर लिया है और इन मुद्दों की जांच समुचित तरीके से कर दी गई है।
24. जहां तक अन्य उत्पादकों से संबंधित जानकारी और स्थिति निर्धारण का संबंध है, प्राधिकारी नोट करता है कि संबद्ध माल के अन्य ज्ञात उत्पादकों से प्राधिकारी द्वारा जांच आरंभ किए जाने से पहले विशेष रूप से कहा गया था कि वे इन मुद्दों के संबंध में जानकारी प्रदान करें। किंतु, इन उत्पादकों से कोई प्रत्युत्तर प्राप्त नहीं हुआ। अतः इस आवेदक द्वारा दी गई जानकारी को सर्वोत्तम जानकारी के रूप में स्वीकार कर लिया गया है जोकि प्राधिकारी के पास यथोचित रूप से उपलब्ध थी।
25. सामान्य मूल्य के आंकड़ों और उस संबंध में गोपनीयता दावों के बारे में प्राधिकारी नोट करता है कि घरेलू उद्योग ने कतिपय उत्पादकों के कतिपय आंकड़ों पर आधारित निर्यातक देशों में संबंधित उत्पादन लागत के आधार पर सामान्य मूल्य का आकलन प्रस्तुत किया है और ऐसी जानकारी अपने स्वभाव से गोपनीय है। अतः जहां सामान्य मूल्य का खुलासा कर दिया गया है वहां आंकड़ों तथा लागत तत्वों जोकि कतिपय गोपनीय आंकड़ों पर आधारित है, को प्रकट नहीं किया जा सका। किंतु, प्राधिकारी नोट करता है कि निर्यातक देशों में सामान्य मूल्य का निर्धारण सहयोगकारी निर्यातकों के आंकड़ों, जहां तक ये आंकड़े उसके पास उपलब्ध थे, के आधार पर किया गया है। अतः निर्यातकों की हितों पर किसी भी तरीके से सामान्य मूल्य के आंकड़ों का प्रकटन नहीं होने से प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है। प्राधिकारी यह भी नोट करता है कि आवेदक सहित किसी भी इच्छुक पक्षकार द्वारा प्रस्तुत गोपनीय जानकारी पर पर्याप्त अगोपनीय सारांश के बिना प्राधिकारी द्वारा ध्यान नहीं

दिया जा सकेगा और प्राधिकारी को इस बात की स्वतंत्रता है कि वह अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर आगे कार्यवाही करे। प्राधिकारी आगे यह भी नोट करता है कि प्राधिकारी द्वारा घरेलू उद्योग के गोपनीयता दावों पर सावधानीपूर्वक विचार किया गया है। आवेदक चूंकि एक बड़े-उत्पादक कंपनी है, अतः उसके उत्पादन तथा बिक्रियों संबंधी जानकारी को गोपनीय होने का दावा किया गया है और प्राधिकारी द्वारा इसे ऐसा ही माना गया है और संपूर्ण जानकारी के संबंध में सूचीकृत आंकड़ों को उसकी सार्थक समझ हेतु प्रकटनों में समुचित रूप से उपलब्ध किया गया है। अतः इस संबंध में इस निर्यातक का तर्क वैध नहीं पाया गया है।

26. जहां तक जांच अवधि के मुद्दे और क्षति अवधि का संबंध है, प्राधिकारी नोट करता है कि जांच अवधि हमेशा वित्तीय/लेखा वर्ष अथवा कैलेंडर वर्ष के रूप में एकजैसी रहे, यह आवश्यक नहीं है। जांच आरंभ होने के समय के अनुसार अलग-अलग हो सकती है। अतः एकसमान जांच अवधि तथा क्षति जांच-अवधि अपनाना व्यवहार्य नहीं होगा। चूंकि बारह महीनों के आंकड़ों की जांच की जा रही है, अतः यह तुलना यथासंभव यथोचित समझी जाती है।

27. प्रारंभिक जांच-परिणामों की तुलना में उक्त प्रकटनों में कतिपय आंकड़ों में परिवर्तन के संबंध में इच्छुक पक्षकारों की टिप्पणियों के बारे में प्राधिकारी नोट करता है कि प्रारंभिक जांच-परिणाम उन कतिपय सत्यापित आंकड़ों और कतिपय आंकड़ों/जानकारी के डैस्क विश्लेषण के आधार पर जारी किए गए थे जो संग्रहण/सत्यापन अथवा विश्लेषण की प्रक्रिया में रहे जबकि अंतिम जांच-परिणाम जांच के समापन के पश्चात सत्यापित आंकड़ों पर आधारित होते हैं। अतः इच्छुक पक्षकारों के तर्कों को स्वीकार्य नहीं पाया गया है।

#### ज. पाटन मार्जिन का निर्धारण

##### ज.1 उत्पाद: पीएक्स-13

28. प्राधिकारी नोट करता है कि यूरोपीय संघ के केवल दो निर्यातकों अर्थात् मै0 फ्लेक्सीस एनवी, बेल्जियम और मै0 लांक्सीस जीएमबीएच, जर्मनी ने ही इस उत्पाद के संबंध में अपने-अपने प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किए हैं। हालांकि इस उत्पाद का कथित पाटन चीनी ताईपेई से भी हो रहा है लेकिन इस उत्पाद के संबंध में चीनी ताईपेई के किसी भी निर्यातक से कोई प्रत्युत्तर प्राप्त नहीं हुआ है।

##### ज.1.1 मै0 फ्लेक्सीस एनवी, बेल्जियम

29. मै0 फ्लेक्सीस एनवी, बेल्जियम ने इस जांच के संबंध में एक विस्तृत प्रश्नावली प्रत्युत्तर दर्ज कराया है जो केवल 6पीपीडी अथवा पीएक्स 13 के संबंध में है और यह

उनके प्रत्युत्तर पर आधारित है । उसमें पाई गई त्रुटियों के संबंध में कतिपय अतिरिक्त जानकारी भी मांगी गई । प्राधिकारी ने मौके पर जांच की और इस निर्यातक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों का सत्यापन किया और किए गए सत्यापन के आधार पर विस्तृत सत्यापन रिपोर्टें उनकी टिप्पणियों के लिए, उन्हें भेजी गई ।

30. प्राधिकारी नोट करता है कि यह निर्यातक उत्पाद 6 पीपीडी का उत्पादन करता है और उसे घरेलू बाजार तथा भारतीय बाजार में बेचता है । यह उत्पाद विनिर्मित पीएक्स 13 के बराबर है और इसे घरेलू उत्पादक द्वारा भारत में बेचा जाता है । अतः 6 पीपीडी इस निर्यातक के लिए समान उत्पाद बनता है और 6 पीपीडी के घरेलू बिक्री आंकड़े इस निर्यातक के संबंध में सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ स्वीकार कर लिए गए हैं ।

#### क) सामान्य मूल्य

31. इस जांच के प्रयोजनार्थ यूरोपीय संघ में बिक्रियों को गृह बाजार बिक्रियों के रूप में माना गया है जिससे इस उत्पाद के सामान्य मूल्य का निर्धारण किया जा सके । जांच अवधि के दौरान इस कंपनी ने विचाराधीन उत्पाद के \*\*\*\* सौदे किए और यूरोपीय संघ में बेची गई कुल मात्रा के आंकड़े नीचे दिए जा रहे हैं-

	मात्रा किग्रा.	निवल मूल्य (डीपीपी)	इकाई कीमत (डीपीपी)	मुद्रा	इकाई कीमत औसत	
					अम.डा. (डीपीपी)	दिनिमय दर
यूके से इतर ईयू	***	***	***	यूरो	***	1.154
यूके	***	***	***	जीबीपी	***	1.63
योग	***	***	***			

32. घरेलू बिक्रियां काफी मात्रा में हुई हैं और यह सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्रतिनिधि का काम करती है । सौदे भी कम हुए हैं ।
33. यूरोपीय संघ के भीतर हुए घरेलू सौदे तदर्थ सुपुर्द शुल्क आधार पर रहे हैं । अतः निर्यातक ने डीडीपी कीमत से अधिक समायोजन का दावा अंतर्देशीय परिवहन के संबंध में किया है ताकि कारखानागत कीमत का निर्धारण किया जा सके । उपरोक्त समायोजनों की पड़ताल कर ली गई है और स्थानीय परिवहन के संबंध में भारित औसत समायोजन की गणना \*\*\* अम.डा. किग्रा. बैठती है । यह सौदे यथाऊपर निर्धारित प्राधिकारी द्वारा सत्यापित उत्पादन लागत पर सामान्य व्यापार प्रक्रिया

परीक्षण के अध्यक्षीन रहे । चूंकि 80% से भी अधिक मात्रा उत्पादन लागत से ऊपर की कीमत पर बेची गई अतः संपूर्ण घरेलू बिक्री को सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ शामिल किया गया है । तदनुसार, विचाराधीन उत्पाद का सामान्य मूल्य घरेलू बिक्रियों के आधार पर निम्नानुसार परिकलित किया गया है:

	इकाई कीमत अम.डा./किग्रा.	मात्रा किग्रा.	समायोजन अम.डा./किग्रा.	निवल इकाई कीमत अम.डा./किग्रा.
यूके से इतर ईयू	***	***	***	***
यूके	***	***	***	***
भा.औ.सा.मूल्य				***

#### ख) निर्यात कीमत

34. जांच अवधि के दौरान इस निर्यातक ने भारत को संबद्ध माल का \*\*\*\*\* मी.टन का निर्यात किया । भारत को निर्यात सीआईएफ कीमतों पर किया गया और निर्यात कीमतों को उनके रिकॉर्ड के अनुसार अन्तरदेशीय भाड़ा, कमीशन, सुपुर्दगी प्रभार, समुद्री भाड़ा के संबंध में समायोजित किया गया है । तदनुसार निवल निर्यात कीमत की गणना निम्नानुसार की गई है:-

मात्रा (किग्रा.)	*****
सकल मूल्य अम.डा.	*****
कमीशन अम.डा.	*****
निवल कमीशन अम.डा.	*****
अंतर्राज्यीय भाड़ा अम.डा.	*****
हैंडलिंग अम.डा.	*****
समुद्री भाड़ा अम.डा.	*****
शुद्ध भाड़ा अम.डा.	*****
इकाई कीमत अम.डा./किग्रा.	*****

#### ग) पाटन मार्जिन

35. पाटन मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ, इस प्रकार निर्धारित कारखानागत सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमतों की तुलना व्यापार के उसी स्तर पर की गई है ।

तदनुसार, इस निर्यातक के संबंध में पाटन मार्जिन का निर्धारण इस प्रकार किया गया है:-

निर्यातक	सामान्य मूल्य अम.डा./किग्रा.	निर्यात कीमत अम.डा./किग्रा.	पाटन. मार्जिन अम.डा./किग्रा.	पाटन मार्जिन %
मै0 फ्लेक्सीस एनवी	****	****	****	26.82%

36. इस निर्यातक ने अपने प्रकटन-पश्चात निवेदन में पाटन निर्धारण के संबंध में कोई भी टिप्पणी नहीं दी है। अतः उपरोक्त पाटन निर्धारण की पुष्टि की जाती है।

#### छ.1.2 मै0 लांक्सेस जीएमबीएच, जर्मनी

37. मै0 लांक्सेस जीएमबीएच ने केवल एक ही उत्पाद अर्थात् पीएक्स 13 (बॉलकेनॉक्स 4020) के बारे में ही अपना प्रत्युत्तर दर्ज कराया है। किंतु, इस निर्यातक ने उपरोक्त नियमावली के अनुसार अपने सामान्य मूल्य के निर्धारण के संबंध में प्राधिकारी के साथ पूर्णतया सहयोग नहीं किया। इस निर्यातक ने आगे यह भी तर्क दिया है कि यह आवश्यक नहीं है कि व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में बिक्री बढ़ाने के लिए उसके संबंध में लाभ पर बिक्रियां की जाएं और प्राधिकारी के लिए यह आवश्यक है कि वह विचाराधीन उत्पादों के संबंध में संगत समय पर विद्यमान बाजार शक्तियों तथा दशाओं पर विचार करे ताकि इस बात का निर्धारण हो जाए कि क्या हानि पर की गई बिक्रियों का स्वतः ही यह अर्थ होगा कि ऐसा व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में नहीं किया गया। इस संबंध में प्राधिकारी उक्त करार के अनुच्छेद 2.2.1 का हवाला देता है जिसमें यह प्रावधान है कि "निर्यातक देश के घरेलू बाजार में समान उत्पाद की बिक्रियां अथवा प्रति इकाई उत्पादन लागत (निर्धारित एवं परिवर्तनीय) जमा प्रशासनिक, बिक्री एवं सामान्य लागतों से कम कीमतों पर तीसरे देशों को बिक्रियों को कीमतों के कारण व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में शामिल नहीं माना जाए और उसे सामान्य मूल्य के निर्धारण में शामिल नहीं किया जाए.....।" चूंकि इस संबंध में उक्त करार में स्पष्ट उपबंध है, अतः इस निर्यातक के तर्क, युक्तिसंगत नहीं हैं। तथापि, इस निर्यातक ने भारत को हुए उसके निर्यातों के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराई। तदनुसार, इस निर्यातक को आंशिक सहयोगकारी माना गया है।

#### क) सामान्य मूल्य: लांक्सेस जीएमबीएच

38. चूंकि प्रत्युत्तरदाता निर्यातक ने निर्यातक देश/क्षेत्र के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण में पूर्णतया सहयोग नहीं किया, अतः सामान्य मूल्य का निर्धारण उक्त करार के

अनुच्छेद 6.8 के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है। इस निर्धारण के प्रयोजनार्थ सहयोगकारी निर्यातक की वाणिज्यिक मात्राओं के उच्चतम सौदा के मूल्य को इस निर्यातक के संबंध में सामान्य मूल्य के रूप में स्वीकार कर लिया गया है। इस निर्यातक ने इस कीमत पर किसी समायोजन का दावा नहीं किया है और इसीलिए ऐसा मान लिया जाता है कि यह कीमत कारखानागत स्तर पर रही है। तदनुसार, पीएक्स-13 के सामान्य मूल्य का निर्धारण \*\*\*\* अम.डा. प्रति किग्रा. के हिसाब से किए जाने का प्रस्ताव है।

**ख) निर्यात कीमत: लांक्सेस जीएमबीएच**

39. लांक्सेस जीएमबीच ने जांच अवधि के दौरान भारत को \*\*\*\* अ.डा./किग्रा. की औसत सीआईएफ कीमत पर \*\*\*\* मी.टन का निर्यात किया। चूंकि भारत को निर्यात सीआईएफ कीमतों पर किया गया है अतः अंतर्देशीय तथा समुद्री भाड़े, बीमा, सुपुर्दगी प्रभारों तथा कमीशन के संबंध में समायोजनों को निवल कारखानागत निर्यात कीमत के निर्धारण के लिए इस कीमत में से घटाए जाना है।
40. प्रति मी.टन कुल भाड़ा लागत \*\*\*\* यूरो प्रति किग्रा. बैठती है। जांच अवधि के दौरान 1 यूरो = 1.154 अम.डा. के औसत विनिमय दर के हिसाब से भाड़ा लागत \*\*\*\* अम.डा. प्रति मी.टन( \*\*\*\* अम.डा./किग्रा.) बैठती है।
41. इस निर्यातक द्वारा भुगतान किए गए बीमा प्रीमियम भारत को होने वाली निर्यात बिक्रियों पर बीमांकित मूल्य के \*\*\*\*% (सीएफआर मूल्य + 10%) रहा। अतः प्रति किग्रा. बीमा लागत \*\*\*\* अम.डा./किग्रा. बैठती है।
42. सामूहिक पॉलिसी के रूप में यह निर्यातक भारत को होने वाली सभी निर्यात बिक्रियों पर बॉयर (लांसेस)इंडिया को \*\*\*\*% के कमीशन का भुगतान करता है। इस कंपनी ने सत्यापन के लिए भारत को किए गए अलग-अलग सौदों पर बॉयर को दिए गए वास्तविक कमीशन के संबंध में अपने सिस्टम से आंकड़े उठाए हैं। अतः भारत को निर्यातित संबद्ध माल का प्रति किग्रा. कमीशन \*\*\*\* अम.डा./किग्रा. बैठता है।
43. किसी भी समायोजन को लेने के प्रयोजनार्थ घरेलू तथा निर्यात पैकिंग में कोई अंतर नहीं पाया गया। उपरोक्त के आधार पर एमओरआर के संबंध में उपरोक्त निर्यातक के लिए निवल निर्यात कीमत निम्नानुसार बैठती है:-

औसत सीआईएफ कीमत	कमीशन	भाड़ा	बीमा	निवल कारखानागत
प्रति किग्रा.	प्रति किग्रा.	प्रति किग्रा.	प्रति किग्रा.	प्रति किग्रा.
****	****	****	****	****

ग) पाटन मार्जिन (लैंक्सीस जीएमबीएच) पीएक्स-13

44. पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए निर्यात कीमत की तुलना जांच अवधि के दौरान व्यापार के उसी स्तर अर्थात् कारखानागत स्तर पर सामान्य मूल्य से की गई है। इस निर्यातक से कीमत तुलनीयता पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले अंतरों के बारे में किसी भी समायोजन का दावा नहीं किया है जिसमें बिक्री, कराधान, व्यापार-स्तर, मात्रा, वास्तविक विशेषताओं की शर्तों में अंतर और वह अंतर शामिल हैं जो कीमत तुलनीयता पर प्रतिकूल प्रभाव डालने के लिए प्रदर्शित किए जाते हैं। तदनुसार, संबद्ध देशों के संबद्ध माल के उत्पादकों/निर्यातकों के बारे में पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है:-

(पीएक्स-13)	सामान्य मूल्य अम.डा./किग्रा.	निर्यात कीमत अम.डा./किग्रा.	पाटन मार्जिन अम.डा./किग्रा.	पाटन मार्जिन %
लांक्सेस जीएमबीएच	****	****	****	40.48%

छ.1.3 यूरोपीय संघ के सभी अन्य निर्यातक: पीएक्स-13

45. यूरोपीय संघ के असहयोगकारी निर्यातकों के संबंध में प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन का निर्धारण उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया है। असहयोगकारी निर्यातकों के संबंध में सामान्य मूल्य उपलब्ध तथ्यों के आधार पर \*\*\*\* अम.डा./कि.ग्रा. पर किया गया है। इसी प्रकार, निर्यात कीमत का निर्धारण लागू कमीशन, अंतर्राज्यीय परिवहन, समुद्री भाड़ा तथा बीमा के संबंध में समायोजन की अनुमति दिए जाने के बाद औसत सीआईएफ निर्यात कीमत के आधार पर \*\*\*\* अम.डा./कि.ग्रा. पर किया गया है। तदनुसार यूरोपीय संघ के अन्य सभी निर्यातकों के संबंध में पाटन मार्जिन का अंतिम निर्धारण \*\*\*\* अम.डा./कि.ग्रा. (44.54%) पर किया गया।

छ.1.4 चीनी ताइपेई के सभी निर्यातक

46. प्राधिकारी नोट करता है कि चीनी ताइपेई के किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने निर्धारित प्रश्नावली के अनुसार सामान्य मूल्य के बारे में कोई भी प्रत्युत्तर अथवा जानकारी प्रदान नहीं की है। चीनी ताइपेई के संबंध में पाटन के अंतिम निर्धारण के प्रयोजनार्थ किसी भी इच्छुक पक्षकार ने कोई तर्क नहीं दिया है। अतः प्राधिकारी का प्रस्ताव है कि इस देश के संबंध में उसके जांच-परिणामों की पुष्टि कर दी जाए।



47. उपरोक्त नियमावली के अनुसार उपलब्ध सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार चीनी ताइपेइ में संबद्ध माल के यथोचित लाभ के साथ आकलित उत्पादन लागत के आधार पर निर्धारित सामान्य मूल्य का निर्धारण \*\*\*\* अम.डा./कि.ग्रा. पर किया गया है ।
48. प्राधिकारी ने चीनी ताइपेइ से किए गए आयातों के संबंध में सभी तुलनीय सौदों की भारत औसत निर्यात कीमत की गणना की है जिससे भारत के लिए सीआईएफ निर्यात कीमत का निर्धारण किया जा सके जो \*\*\*\* अम.डा./मी.टन बैठती है । इस प्रकार, आकलित निर्यात कीमत जो सीआईएफ कीमत भी है, में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर कुल \*\*\*\* अम.डा./कि.ग्रा. पर अंतर्राज्यीय परिवहन, समुद्री भाड़ा, बीमा तथा कमीशन का समायोजन किया गया है और इसे ही संबंधित निर्यातकों के संपूर्ण असहयोग को देखते हुए विचार में लाया गया है । तदनुसार, कारखानागत स्तर पर निवल निर्यात कीमत का निर्धारण \*\*\*\* अम.डा./कि.ग्रा. पर किया गया है ।
49. कारखानागत सामान्य मूल्य की तुलना व्यापार के उसी स्तर पर इस प्रकार निर्धारित कारखानागत निर्यात कीमत से की गई है जिससे कि पाटन मार्जिन का निर्धारण किया जा सके जो चीनी ताइपेइ के सभी निर्यातकों के संबंध में \*\*\*\* अम.डा./कि.ग्रा.(36.86%) बैठता है ।

## छ.2 उत्पाद: एमओआर

50. प्राधिकारी नोट करता है कि हालांकि संबद्ध माल का तथाकथित पाटन यूरोपीय संघ, संयुक्त राज्य अमरीका और चीन जन.गण. से हो रहा है लेकिन यूरोपीय संघ केवल एक निर्यातक अर्थात् मै0 लांक्सेस एनवी, बेल्जियम ने इस उत्पाद के संबंध में प्रश्नावली का प्रत्युत्तर प्रस्तुत किया है । इस उत्पाद के संबंध में अन्य देशों अर्थात् संयुक्त राज्य अमरीका तथा चीन जन.गण. के किसी भी निर्यातक से कोई भी प्रत्युत्तर प्राप्त नहीं हुआ है ।

### छ.2.1 मै0 लांक्सेस एनवी, बेल्जियम

51. जैसाकि प्राधिकारी के प्रारंभिक जांच परिणामों में नोट किया गया है, मै0 लांक्सेस एनवी, बेल्जियम ने केवल एकमात्र उत्पाद अर्थात् एमओआर के संबंध में अपना प्रश्नावली प्रत्युत्तर दर्ज कराया है । लांक्सेस एनवी वल्केसिट एमओजेड के नाम से वल्केनाइजिंग एक्सीलेरेटर एमओआर का उत्पादन तथा बिक्री करता है जो विचाराधीन उत्पाद के बराबर है और इसीलिए समान उत्पाद के संबंध में कोई मुद्दा

नहीं बनता है। किंतु, यह निर्यातक इस उत्पाद के सामान्य मूल्य के निर्धारण में प्राधिकारी के साथ पूर्णतया सहयोग करने में असफल रहा। उन्होंने आगे यह भी तर्क दिया है कि यह आवश्यक नहीं है कि व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में बिक्री बढ़ाने के लिए उसके संबंध में लाभ पर बिक्रियां की जाए और प्राधिकारी के लिए यह आवश्यक है कि वह विचाराधीन उत्पादों के संबंध में संगत समय पर विद्यमान बाजार शक्तियों तथा दशाओं पर विचार करे ताकि इस बात का निर्धारण हो जाए कि क्या हानि पर की गई बिक्रियों का स्वतः ही यह अर्थ होगा कि ऐसा व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में नहीं किया गया। इस संबंध में प्राधिकारी उक्त करार के अनुच्छेद 2.2.1 का हवाला देता है जिसमें यह प्रावधान है कि "निर्यातक देश के घरेलू बाजार में समान उत्पाद की बिक्रियों अथवा प्रति इकाई उत्पादन लागत (निर्धारित एवं परिवर्तनीय) जमा प्रशासनिक, बिक्री एवं सामान्य लागतों से कम कीमतों पर तीसरे देशों को बिक्रियों को कीमतों के कारण व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में शामिल नहीं माना जाए और उसे सामान्य मूल्य के निर्धारण में शामिल नहीं किया जाए.....।" चूंकि इस संबंध में उक्त करार में स्पष्ट उपबंध है, अतः इस निर्यातक के तर्क, युक्तिसंगत नहीं हैं। तथापि, इस निर्यातक ने भारत को हुए उसके निर्यातों के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराई। तदनुसार, इस निर्यातक को आंशिक सहयोगकारी माना गया है।

52. तथापि इस निर्यातक ने भारत को किए गए अपने निर्यातों के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान की। सामान्य मूल्य के निर्धारण में उसके असहयोग को देखते हुए इस निर्यातक को आंशिक सहयोगकारी माना गया है।

**क) सामान्य मूल्य: लांक्सेस एनवी**

53. चूंकि इस निर्यातक ने उक्त नियमावली के अनुसार उपरोक्त उत्पाद के सामान्य मूल्य के निर्धारण में प्राधिकारी के साथ पूर्णतया सहयोग नहीं किया अतः प्राधिकारी ने इस निर्यातक के उच्चतम वाणिज्यिक सौदे के आधार पर उपलब्ध तथ्यों पर आधारित सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है। तदनुसार, सामान्य मूल्य का निर्धारण \*\*\*\* यूरो (\*\*\*\* अम.डा.) प्रति किग्रा. पर किया है।

**ख) निर्यात कीमत: लांक्सेस एनवी**

54. लांक्सेस एनवी ने जांच अवधि के दौरान भारत को \*\*\*\* मी.टन एमओआर का निर्यात किया जिसमें से \*\*\*\* मी.टन का निर्यात उसकी अनुषंगी कंपनी बॉयर (लांक्सेस) इंडिया को किया गया और शेष निर्यात अन्य असंबद्ध ग्राहकों को किया गया। किंतु, असंबद्ध ग्राहकों और संबद्ध ग्राहकों को ऑफर की गई कीमतों में कोई ज्यादा कीमत अंतर नहीं पाया गया। चूंकि असंबद्ध तथा संबद्ध बिक्रियों के बीच कोई प्रमुख अंतर नहीं पाया गया अतः भारत को निर्यातित संपूर्ण मात्रा की जांच इस

- निर्यातक के संबंध में एमओआर की भारित औसत निवल कारखानागत निर्यात कीमत के निर्धारण के उद्देश्य से की गई थी। जांच अवधि के दौरान भारत को किए गए निर्यातों की भारित औसत सीआईएफ कीमत \*\*\*\* अम.डा./किग्रा. रही।
55. चूंकि भारत को निर्यात सीआईएफ कीमतों पर किए जाते हैं अतः अंतर्देशीय तथा समुद्री भाड़े, बीमा तथा सुपुर्दगी प्रमारों तथा कमीशन के संबंध में समायोजनों को इस कीमत से घटा दिया जाता है जिससे निवल कारखानागत निर्यात कीमत का निर्धारण किया जा सके।
56. प्रति मी.टन कुल भाड़ा लागत \*\*\*\* यूरो प्रति किग्रा. बैठती है। जांच अवधि के दौरान 1 यूरो = 1.154 अम.डा. के औसत विनिमय दर के हिसाब से भाड़ा लागत \*\*\*\* अम.डा. प्रति मी.टन( \*\*\*\* अम.डा./किग्रा.) बैठती है।
57. इस निर्यातक द्वारा भुगतान किए गए बीमा प्रीमियम भारत को होने वाली निर्यात बिक्रियों पर बीमांकित मूल्य के \*\*\*\*% (सीएफआर मूल्य + 10%) रहा। अतः प्रति किग्रा. बीमा लागत \*\*\*\* अम.डा./किग्रा. बैठती है।
58. भारत को निर्यातित संबद्ध माल की प्रति किग्रा. सीआईएफ कीमत के \*\*\*\*% की दर से कमीशन \*\*\* अम.डा./किग्रा. बैठती है।
59. कोई भी समायोजन करने के वास्ते घरेलू तथा निर्यात पैकिंग में कोई अंतर नहीं पाया गया।
- 60.. उपरोक्त के आधार पर एमओआर के संबंध में उपरोक्त निर्यातक के लिए निवल निर्यात कीमत निम्नानुसार बैठती है:-

औसत सीआईएफ कीमत	कमीशन	भाड़ा	बीमा	निवल कारखानागत
प्रति किग्रा.	प्रति किग्रा.	प्रति किग्रा.	प्रति किग्रा.	प्रति किग्रा.
****	****	****	****	****

ग) पाटन मार्जिन: लांक्सेस एनवी (उत्पाद एमओआर)

61. चूंकि इस निर्यातक द्वारा किसी अन्य समायोजन का दावा नहीं किया है अथवा उसकी पुष्टि नहीं की है अतः उपलब्ध तथ्यों के आधार पर इस प्रकार निर्धारित कारखानागत सामान्य मूल्य की तुलना व्यापार के उसी स्तर पर भारत के लिए कारखानागत निर्यात कीमत से की गई है और पाटन मार्जिन की गणना निर्यात कीमत के \*\*\*\* अम.डा./कि.ग्रा. पर अर्थात् 24.4% बैठती है।

### छ.2.2 यूरोपीय संघ के अन्य सभी निर्यातक

62. यूरोपीय संघ के अन्य सभी निर्यातकों के संबंध में अनंतिम तौर पर निर्धारित सामान्य मूल्य की पुष्टि की जाती है क्योंकि उसमें संशोधन करने के संबंध में प्राधिकारी के समक्ष कोई वास्तविक तथ्य प्रस्तुत नहीं किए गए हैं। तदनुसार, ईयू के सभी अन्य निर्यातकों के संबंध में सामान्य मूल्य उपलब्ध तथ्यों के आधार पर \*\*\*\* अम.डा./कि.ग्रा. पर निर्धारित किया गया है।
63. कारखानागत निर्यात कीमत का अनंतिम निर्धारण कमीशन, अंतर्राज्यीय भाड़ा, समुद्री भाड़ा तथा बीमा संबंधी समायोजनों की अनुमति दिए जाने के बाद यूरोपीय संघ की औसत निर्यात कीमत के आधार पर किया गया है। यूरोपीय संघ से संबद्ध माल की औसत सीआईएफ कीमत का निर्धारण \*\*\*\* अम.डा./कि.ग्रा. पर किया गया है। समुद्री भाड़ा, अंतर्राज्यीय भाड़ा, बीमा, कमीशन आदि के समायोजनों की अनुमति दिए जाने के पश्चात् निवल कारखानागत निर्यात कीमत \*\*\*\* अम.डा./कि.ग्रा. बैठती है।
64. तदनुसार यूरोपीय संघ के सभी असहयोगकारी निर्यातकों के संबंध में पाटन मार्जिन \*\*\*\* अम.डा./कि.ग्रा. (29.06%) बैठता है।

### छ.2.3 संयुक्त राज्य अमरीका के सभी निर्यातक

65. जैसाकि प्रारंभिक जांच-परिणामों में नोट किया गया है, संयुक्त राज्य अमरीका के किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने निर्धारित प्रश्नावली के अनुसार सामान्य मूल्य के संबंध में कोई प्रत्युत्तर अथवा जानकारी प्रस्तुत नहीं की है। इच्छुक पक्षकारों ने संयुक्त राज्य अमरीका के संबंध में अनुमानित सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन की समीक्षा हेतु अपेक्षित प्राधिकारी के समक्ष कोई भी अतिरिक्त वास्तविक तथ्य प्रस्तुत नहीं किए हैं। अतः प्राधिकारी उपरोक्त नियामावली के नियम 6(8) के अनुसार सर्वोत्तम उपलब्ध जानकारी के आधार पर इस देश के संबंध में जांच-परिणामों की पुष्टि करता है।
66. संयुक्त राज्य अमरीका के सभी निर्यातकों के संबंध में एमओआर के सामान्य मूल्य की पुष्टि \*\*\*\* अम.डा./कि.ग्रा. पर किए जाने का प्रस्ताव है।
67. प्राधिकारी ने संयुक्त राज्य अमरीका से होने वाले आयातों के संबंध में सभी तुलनीय सौदों की भारित औसत निर्यात कीमत की गणना की है ताकि भारत के लिए सीआईएफ निर्यात कीमत का निर्णय किया जा सके जो \*\*\*\* अम.डा./कि.ग्रा. बैठती है। इस प्रकार आकलित निर्यात कीमत, जो सीआईएफ निर्यात कीमत भी है, में उस देश के संबंधित निर्यातकों के संपूर्ण असहयोग को देखते हुए, उपलब्ध तथ्यों के आधार पर लागू कुल \*\*\*\* अम.डा./कि.ग्रा. के हिसाब से अंतर्राज्यीय परिवहन, समुद्री भाड़ा, बीमा तथा कमीशन का समायोजन किया गया है।

तदनुसार, कारखानागत स्तर पर निवल निर्यात कीमत का निर्धारण \*\*\*\* अम.डा./कि.ग्रा. पर किया गया है ।

68. कारखानागत सामान्य मूल्य की तुलना इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य से समान व्यापार स्तर पर की गई है और संयुक्त राज्य अमरीका के सभी निर्यातकों के संबंध में पाटन मार्जिन का निर्धारण \*\*\*\* अम.डा./कि.ग्रा. पर निर्धारित किए जाने का प्रस्ताव है ।

#### छ.2.4 चीन के सभी निर्यातक

69. प्राधिकारी नोट करता है कि चीन के किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने निर्धारित प्रश्नावली के अनुसार सामान्य मूल्य के संबंध में कोई भी प्रत्युत्तर अथवा जानकारी प्रदान नहीं की है अथवा चीन के निर्यातकों के विरुद्ध गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की धारणा का खंडन नहीं किया है । अतः प्राधिकारी निर्णय देता है कि चीन जन.गण. के किसी भी निर्यातक ने प्राधिकारी को सहयोग नहीं दिया है जैसाकि उक्त नियमावली के तहत यथा विहित है । उपरोक्त नियमावली के अनुबंध-II के पैरा 8 में यह उपबंध है कि गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों के निर्यातकों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण उत्पादन लागत तथा भारत सहित किसी समुचित तीसरे देश में विचाराधीन उत्पाद के संबंध में यथोचित लाभ के आधार पर किया जा सकता है । इच्छुक पक्षकारों ने तर्क दिया है कि प्राधिकारी को चाहिए था कि वह उपर्युक्त नियमावली के अनुबंध-II के पैरा 7 के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए भारत का समुचित तीसरे देश के रूप में चयन करने से पहले समुचित तीसरे देश को अधिसूचित कर देते । किंतु प्राधिकारी नोट करता है कि चीन के किसी भी निर्यातक की ओर से कोई सहयोग नहीं मिला है और किसी समुचित तीसरे देश के चयन के लिए किसी भी इच्छुक पक्षकार द्वारा कोई वास्तविक तथ्य सामने नहीं रखे गए हैं । अतः प्राधिकारी ने चीन के सामान्य मूल्य की गणना यथोचित लाभ के साथ चीन की अनुमानित उत्पादन लागत के आधार पर की है । उत्पादन लागत का अनुमान लगाने के लिए सर्वोत्तम उपलब्ध जानकारी के आधार पर कच्चे माल की अंतर्राष्ट्रीय कीमत तथा परिवर्तन लागत पर विश्वास किया गया है । तदनुसार, चीन के सभी निर्यातकों के संबंध में एमओआर के परिकलित सामान्य मूल्य का अनंतिम निर्धारण \*\*\*\* अम.डा./कि.ग्रा. पर किया है ।

70. प्राधिकारी ने चीन जन.गण. से होने वाले आयातों के संबंध में सभी तुलनीय सौदों की भारत औसत निर्यात कीमत की गणना की है ताकि भारत के लिए सीआईएफ निर्यात कीमत का निर्धारण किया जा सके जोकि \*\*\*\* अम.डा./कि.ग्रा. बैठती है । इस प्रकार आकलित निर्यात कीमत जोकि सीआईएफ निर्यात कीमत भी है, में कुल

\*\*\*\* अम.डा./कि.ग्रा. के अंतर्राज्यीय परिवहन, समुद्री भाड़ा, बीमा तथा कमीशन संबंधी समायोजन शामिल हैं और संबंधित निर्यातकों के संपूर्ण असहयोग को देखते हुए उपलब्ध तथ्यों के आधार पर उसी पर विचार किया गया है। तदनुसार, कारखानागत स्तर पर निवल निर्यात कीमत का अनंतिम निर्धारण \*\*\*\* अम.डा./कि.ग्रा. पर किया गया है।

71. कारखानागत सामान्य मूल्य की तुलना इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य से की गई है ताकि पाटन मार्जिन का निर्धारण किया जा सके जो चीन जन.गण. के सभी निर्यातकों के संबंध में \*\*\*\* अम.डा./कि.ग्रा. (37.45%) बैठता है।

### छ.3. उत्पाद टीडीक्यू

72. प्राधिकारी नोट करता है कि टीडीक्यू का तथाकथित पाटन यूरोपीय संघ तथा चीनी ताईपेई से होता है। किंतु, यूरोपीय संघ के केवल एक निर्यातक अर्थात् मै0 जनरल क्यूमिका एसए ने ही इस उत्पाद के संबंध में अपना प्रश्नावली प्रत्युत्तर दर्ज कराया है। मै0 लांगसेस जीएमबीएच, जर्मनी ने यूरोपीय संघ के बाजार में इस उत्पाद की घरेलू बिक्री कीमत के संबंध में अपने आंकड़े प्रस्तुत किए हैं और निवेदन किया है कि वे इस उत्पाद का भारत को निर्यात नहीं करते हैं लेकिन उनकी घरेलू बिक्री कीमतें प्राधिकारी की सहायता के लिए उपलब्ध कराई गई हैं ताकि इस उत्पाद के संबंध में उद्देश्यपूर्ण निर्धारण किया जा सके। चीनी ताईपेई के किसी अन्य निर्यातक ने इस उत्पाद के संबंध में जांच के लिए कोई प्रत्युत्तर दायर नहीं किया है।

#### छ.3.1 मै0 जनरल क्यूमिका एसए

73. मै0 जनरल क्यूमिका एसए, स्पेन ने अपने रूब्रटन 184 नामक उत्पाद के संबंध में प्रश्नावली प्रत्युत्तर दर्ज कराया है और यह उत्पाद टीडीक्यू नामक उत्पाद के बराबर है। इस निर्यातक ने इस उत्पाद की घरेलू ईयू बाजार में काफी बिक्री की है और भारत को उसकी कुछ मात्रा का निर्यात किया है। इस निर्यातक के प्रश्नावली प्रत्युत्तर का सत्यापन प्राधिकारी द्वारा मौके पर जांच के दौरान किया गया और सत्यापन रिपोर्ट निर्यातक को उसकी टिप्पणियों के लिए भेजी गई। उनके आंकड़ों के आधार पर इस निर्यातक के संबंध में पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है:

**क) सामान्य मूल्य**

74. इस निर्यातक के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में घरेलू बिक्री सौदों के भारित औसत के रूप में किया गया है। बिक्रियां कम हुई हैं और सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए काफी मात्रा अपनाई जानी होती है। तदनुसार, सामान्य मूल्य 1 यूरो = 1.154 अम.डा. के औसत विनिमय दर के हिसाब से भाड़ा लागत \*\*\*\* अम.डा. प्रति मी.टन( \*\*\*\* अम.डा./कि.ग्रा.) बैठती है। घरेलू बिक्रियां(यूरोपीय संघ के भीतर) सुपुर्दगी आधार पर होती हैं और तदनुसार इस निर्यातक ने परिवहन लागत के संबंध में समायोजन का दावा किया है जो औसत आधार पर \*\*\*\* यूरो प्रति मी.टन बैठता है जैसाकि उनके रिकॉर्ड से पड़ताल की गई है और इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य को कारखानागत स्तर पर निर्धारित करने के लिए समायोजित किया गया है। निवल कारखानागत सामान्य मूल्य \*\*\*\* यूरो प्रति मी.टन (\*\*\*\* अम.डा./कि.ग्रा.) बैठती है।

**ख) निर्यात कीमत**

75. इस निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान भारत को \*\*\*\* अम.डा./मी.टन. की सीआईएफ कीमत पर \*\*\*\* मी.टन टीडीक्यू का निर्यात किया। इस सीआईएफ कीमत को अंतर्राज्यीय भाड़ा, बीमा तथा सुपुर्दगी प्रभार, समुद्री भाड़ा तथा \*\*\*\* यूरो/मी.टन = \*\*\*\* अम.डा./मी.टन पर समायोजित किया गया है। पैकिंग के संबंध में किसी समायोजन का दावा नहीं किया गया है अथवा वह अनुमेय नहीं है क्योंकि घरेलू तथा निर्यात बिक्रियों सहित सभी खेपों को 3 प्लाई पेपर बैग तथा वुडन पैलेटों में भेजा जाता है। अतः भारत को निर्यातों की कारखानागत निर्यात कीमत का निर्धारण निर्यातक के अपने ही आंकड़ों के आधार पर किया गया है जो \*\*\*\* अम.डा./मी.टन. (\*\*\*\* अम.डा./कि.ग्रा.) बैठता है।

**ग) पाटन मार्जिन**

76. कारखानागत स्तर पर निर्धारित भारित औसत सामान्य मूल्य की तुलना ऊपर निर्धारित भारित औसत निवल निर्यात कीमत से की गई है और इस निर्यातक के संबंध में पाटन मार्जिन का निर्धारण \*\*\*\* अम.डा./मी.टन. (\*\*\*\* अम.डा./कि.ग्रा.) अर्थात् 29.46% पर किया गया है।

### छ.3.2 यूरोपीय संघ के सभी अन्य निर्यातक

77. प्राधिकारी नोट करता है कि मै0 जनरल क्यूमिका एसए के अलावा मै0 लांक्सेस जीएमबीएच ने यूरोपीय संघ में सामान्य मूल्य के सबूत के रूप में अपने घरेलू बाजार में टीडीक्यू की अपनी बिक्री के संबंध में कतिपय जानकारी प्रदान की है किंतु, इस जानकारी को पुष्ट नहीं किया गया है और इन सौदों के संबंध में व्यापार स्तर मालूम नहीं है। इस निर्यातक ने इन सौदों के संबंध में सामान्य व्यापार प्रक्रिया परीक्षण करने हेतु कोई जानकारी प्रदान नहीं की है अतः, इन आंकड़ों पर विश्वास नहीं किया जा सका। उपरोक्त को देखते हुए प्राधिकारी यूरोपीय संघ के सभी अन्य निर्यातकों के संबंध में पाटन मार्जिन के अपने निर्धारण की पुष्टि करता है जैसाकि अनंतिम जांच परिणामों में अधिसूचित किया गया है।
78. यूरोपीय संघ के सभी असहयोगकारी निर्यातकों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण सर्वोत्तम उपलब्ध जानकारी के रूप में सहयोगकारी निर्यातक के उच्चतम घरेलू सौदा मूल्य के आधार पर किया गया है। तदनुसार, यूरोपीय संघ के असहयोगकारी निर्यातकों के संबंध में कारखानागत सामान्य मूल्य के निर्धारण का \*\*\*\* अम.डा./मी.टन. (\*\*\*\* अम.डा./कि.ग्रा.) किए जाने का प्रस्ताव है।
79. असहयोगकारी निर्यातकों के संबंध में संबद्ध माल की कारखानागत निर्यात कीमत का आकलन \*\*\*\*% की दर से समुद्री भाड़ा, अंतर्राज्यीय भाड़ा, बीमा, सुपुर्दुगी प्रभार तथा कमीशन के समायोजन के बाद सहयोगकारी निर्यातकों के न्यूनतम सौदों के आधार पर किया गया है। तदनुसार, असहयोगकारी निर्यातकों के संबंध में निवल निर्यात कीमत का अनंतिम आकलन \*\*\*\* अम.डा./मी.टन (\*\*\*\* अम.डा./कि.ग्रा.) पर किये जाने का प्रस्ताव है। तदनुसार, यूरोपीय संघ के सभी असहयोगकारी निर्यातकों के संबंध में पाटन मार्जिन की गणना \*\*\*\* अम.डा./मी.टन (\*\*\*\* अम.डा./कि.ग्रा.) अर्थात् 34.8% पर पुष्ट की जानी प्रस्तावित है।

### छ.3.3 चीनी ताइपेई के सभी निर्यातक

80. प्राधिकारी नोट करता है कि चीनी ताइपेई के किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने निर्धारित प्रश्नावली के अनुसार सामान्य मूल्य के संबंध में कोई भी प्रत्युत्तर अथवा जानकारी प्रदान नहीं की है। प्रारंभिक जांच-परिणामों की अधिसूचना के बाद प्राधिकारी के समक्ष कोई वास्तविक तथ्य भी नहीं रखे गए हैं। अतः प्राधिकारी का प्रस्ताव है कि सर्वोत्तम उपलब्ध जानकारी के अनुसार चीनी ताइपेई में संबद्ध माल के यथोचित लाभ के साथ अनुमानित उत्पादन लागत के आधार पर परिकलित सामान्य



मूल्य के निर्धारण के लिए उसके जांच-परिणामों की पुष्टि कर दी जाए। तदनुसार चीनी ताइपेई के सभी निर्यातकों के संबंध में टीडीक्यू के सामान्य मूल्य की पुष्टि \*\*\*\* अम.डा./कि.ग्रा. पर किए जाने का प्रस्ताव है।

81. प्राधिकारी ने भारत के लिए सीआईएफ निर्यात कीमत के निर्धारण के लिए चीनी ताइपेई से हुए आयातों के संबंध में सभी तुलनीय सौदों की भारित औसत निर्यात कीमत का हिसाब लगाया है जो \*\*\*\* अम.डा./कि.ग्रा. बैठता है। इस प्रकार आकलित निर्यात कीमत जो सीआईएफ निर्यात कीमत भी है, में अंतर्देशीय परिवहन, समुद्री भाड़ा, बीमा तथा कमीशन के संबंध में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर समायोजन किए गए हैं और इसी पर संबंधित निर्यातकों के संपूर्ण असहयोग को देखते हुए विचार किया गया है। तदनुसार, कारखानागत स्तर पर निवल निर्यात कीमत का अनंतिम निर्धारण \*\*\*\* अम.डा./कि.ग्रा. पर किया गया है।
82. कारखानागत सामान्य मूल्य की तुलना इस प्रकार निर्धारित कारखानागत निर्यात कीमत से व्यापार के समान स्तर पर की गई है जिससे पाटन मार्जिन का निर्धारण किया जा सके और जो चीनी ताइपेई के सभी निर्यातकों के संबंध में \*\*\*\* अम.डा./कि.ग्रा. (32.4 %) बैठती है।

#### छ.4 पाटन मार्जिन: सारांश

उत्पाद	देश/क्षेत्र	निर्यातक	सामान्य मूल्य अम.डा./कि.ग्रा.	निर्यात कीमत अम.डा./कि.ग्रा.	पाटन मार्जिन अम.डा./कि.ग्रा.	पाटन मार्जिन %
पीएक्स-13	ईयू	फ्लेक्सीस एनवी	****	****	****	26.82%
	ईयू	लांक्सेस जीएमबीएच	****	****	****	40.48%
	ईयू	अन्य सभी	****	****	****	44.54%
	ताइवान	सभी निर्यातक	****	****	****	36.86%
एमओआर	ईयू	लांसेक्स इनवी	****	****	****	24.44%
	ईयू	अन्य सभी	****	****	****	29.06%
	यूएसए	सभी निर्यातक	****	****	****	40.00%

	चीन	सभी निर्यातक	****	****	****	37.45%
टीडीक्यू	ईयू	जनरल क्यूमिका एसए	****	****	****	29.46%
	ईयू	अन्य सभी निर्यातक	****	****	****	34.86%
	चीनी ताइपेई	सभी निर्यातक	****	****	****	32.14%

## ज. क्षति एवं कारणात्मक संबंध का निर्धारण

### ज.1 निर्यातकों एवं अन्य इच्छुक पक्षकारों के विचार

83. प्राधिकारी द्वारा प्रारंभिक जांच-परिणामों में इच्छुक पक्षकारों के विचारों को नोट किया गया है। अपने अपने प्रारंभिक जांच-परिणाम पश्चात निवेदनों में इच्छुक पक्षकारों ने जिनमें संबद्ध देशों के निर्यातक तथा एटीएमए शामिल हैं, घरेलू उद्योग के क्षति संबंधी दावों के संबंध में अपने-अपने तर्कों को दोहराया है। इन इच्छुक पक्षकारों के आधारिक तर्कों को सारांश रूप में नीचे दिया गया है:

- कि नियमावली के तहत निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए यह आवश्यक है कि वह इस बात का स्पष्ट एवं उपलक्षित जांच परिणाम दे दे कि क्या घरेलू उद्योग को हुई क्षति वास्तविक है अथवा अवास्तविक है और /अथवा यह क्षति नगण्य है ;
- कि घरेलू उद्योग द्वारा दावा की गई पूंजी-निवेश पर आय जिसके आधार पर क्षति का दावा किया गया है, अनावश्यक है;
- कि घरेलू उद्योग के संबंध में अधिक लाभों का बेंच-मार्क विदेशी उत्पादकों द्वारा अर्जित लाभों के आधार न्यायोचित नहीं है और घरेलू उद्योग द्वारा अर्जित लाभ पर घरेलू उद्योग के संबंध में एनआईपी के निर्धारण के लिए विचार करना अपेक्षित है;
- कि प्राधिकारी के प्रारंभिक जांच-परिणामों में किए गए प्रकटनों से यह स्पष्ट है कि क्षमता, उत्पादन, बिक्री तथा उत्पादन लागत जैसे संवेदनशील कारकों के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में कोई सुधार हुआ है और इसीलिए अन्य कारकों में हुई क्षति, यदि कोई हो को घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारक नहीं माना जा सकता है;
- कि उक्त करार के अनुच्छेद 3.4 में प्राधिकारी के ऊपर यह दायित्व है कि वह इन तीन अलग-अलग उत्पादों के संबंध में सूचीबद्ध कारकों की जांच कर ले और प्राधिकारी को इस बारे में पूर्ण जांच परिणाम दे देने चाहिए;

- कि आवेदक को ऐसा अधिकार नहीं है कि वह अन्य घरेलू उत्पादकों के संबंध में पाटन तथा क्षति से संबंधित किसी भी मुद्दे पर टिप्पणी करे;
- कि आवेदक कंपनी को वर्ष 2004 में औद्योगिक एवं वित्तीय पुनर्संरचना बोर्ड (बीआईएफआर) के तहत एक सार्वजनिक औद्योगिक कंपनी के रूप में घोषित किया गया था और इसीलिए इस आवेदक के नए पूंजी निवेश करने की अयोग्यता का संबंध देशों/क्षेत्रों से संबंध माल के निर्यातों से कोई संबंध नहीं है;
- कि घरेलू उद्योग को तथाकथित क्षति अपने पेट्रोकेमिकल डिविजन से खड़ रसायन डिविजन में हस्तांतरित देयता के तथ्य से हुई है जो अब बंद हो गया है;
- कि घरेलू उद्योग की क्षमता की सीमित उपलब्धता अपने उत्पाद के रूप में भारतीय बाजार में उपस्थित होने के लिए निर्यातों पर निर्भर होना पड़ता है। अतः यह निष्कर्ष नहीं दिया जा सकता है कि तथाकथित पाटित आयातों में वृद्धि के कारण घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है;
- कि विश्वभर में पेट्रोलियम उत्पादों की अस्थिर कीमतों को देखते हुए यह अनुचित भार स्वरूप है कि निर्धारित शुल्क आधार पर शुल्क की सिफारिश कर दी जाए और प्राधिकारी को चाहिए कि वह संदर्भ कीमत-तंत्र, यदि कोई है, के संबंध में शुल्क पर विचार करे;
- कि लांक्सेस एनवी तथा लांक्सेस जीएमबीएच ने दावा किया है कि उनके पास आधारीक कच्चे माल और शामिल प्रक्रिया तथा निर्धारित 30% कीमतों के लाभ की उपलब्धता के संबंध में अनेक लागत लाभ मौजूद हैं और इस तथ्य को देखते हुए कि भारत तथा यूरोपीय संघ दोनों में वे संबंध माल का विनिर्माण तथा बिक्री करते हैं, इन पहलुओं पर टिप्पणी करने के लिए इस मांग में वे ही सक्षम पक्षकार हैं ;
- कि लांक्सेस इंडिया ने निवेदन किया है कि विश्वव्यापी क्षमता तथा मांग असंतुलन को देखते हुए लांक्सेस इंडिया ने अपना उत्पादन किसी कठिन बाजार स्थिति में अपनी प्रमुख व्यवसाय कार्य-नीति के एक भाग के रूप में अन्य उत्पादों में बदल दिया है (जिसे याचिकाकर्ता कंपनी दर्शाने में असफल रही) और न कि तथाकथित पाटन के फलस्वरूप;
- कि आवेदक ने प्राधिकारी को संयुक्त आंकड़े प्रस्तुत करने के लिए दो अलग-अलग स्रोतों से आंकड़ों का चुनिंदा प्रयोग किया है;
- कि आवेदक की अपनी वार्षिक रिपोर्टों में कहा गया कि कच्चे तथा पेट्रोलियम फीड स्टॉक की वजह से विश्वव्यापी अत्यधिक क्षमता तथा कच्चे माल की उच्च कीमतों के कारण कम बिक्री कीमतों के संयोजन से उन्हें कठित परिस्थिति का मुकाबला करना पड़ा। इससे साबित होता है कि आवेदक ने पाटन के लिए कठिनाइयों को जिम्मेवार नहीं ठहराया।

- एटीएमए ने निवेदन किया है कि आयतों की वजह से घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है और आयातों तथा घरेलू बिक्री मात्रा के बीच कोई नकारात्मक संबंध नहीं है। उन्होंने तर्क दिया है कि निर्यातों में वृद्धि केवल प्रत्येक संबद्ध खड़ रसायनों के संबंध में उत्पादन कम करने अथवा समान करने के लिए अन्य विनिर्माताओं नामतः मै0 बॉयर इंडिया, मै0 मर्सकेम तथा मै0 आईसीआई लि0 के कार्य-नीति निर्णय की वजह से और मांग में सतत वृद्धि होने की वजह से ही हुई है।

84. घरेलू उद्योग ने इच्छुक पक्षकारों के उन तर्कों का विरोध किया है कि घरेलू उद्योग को चीन से हुए पाटित आयातों के कारण कोई वास्तविक क्षति नहीं हुई है और क्षति यदि कोई है, पाटित आयातों से इतर अन्य कारकों की वजह से हुई है। अपने प्रारंभिक जांच परिणाम पश्चात् निवेदनों में उन्होंने क्षति तथा कारणात्मक संबंधों के बारे में अपने दावे को दोहराया है और तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन से संबंधित अनेक कारकों से गिरती अथवा बिगड़ती हुई प्रवृत्तियों को दर्शाया गया है और कुछ कारकों के संबंध में सुधार अथवा सकारात्मक प्रवृत्तियाँ कम अनुकूल दिखाई देती हैं। उन्होंने तर्क दिया है कि क्षमता, उत्पादन, बिक्री मात्रा में वृद्धि के सामान्य प्रभाव के परिणामस्वरूप लाभ, नकद प्रवाह तथा नियोजित पूंजी पर आय में सुधार होना चाहिए जबकि मात्रा की दृष्टि से सकारात्मक प्रवृत्ति के बावजूद इस कंपनी के कार्य-निष्पादन में वित्तीय दृष्टि से स्थिति बिगड़ गई है। अतः उन्होंने तर्क दिया है कि प्राधिकारी को चाहिए कि वह घरेलू उद्योग को होने वाली वास्तविक क्षति के संबंध में अपने जांच-परिणामों की पुष्टि करें।
85. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के क्षति दावों के संबंध में इच्छुक पक्षकारों द्वारा व्यक्त विचारों को नोट किया है। प्राधिकारी द्वारा क्षति के आवश्यक कारकों की जांच, जहां तक वह संगत तथा वैध हैं, इन जांच परिणामों में निर्धारण एवं कारणात्मक संबंध विश्लेषण में की गई है।

## ज.2. क्षति का संचयी आकलन

86. प्राधिकारी नोट करता है कि भारतीय बाजार में पाटित आयातों का प्रवेश संबद्ध देशों/क्षेत्रों से साथ-साथ हो रहा है। इन स्रोतों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संचयी आकलन के मुद्दे पर जांच उक्त करार के अनुच्छेद 3.4 के अनुसार की गई है और यह पाया जाता है कि:
- i) प्रत्येक संबद्ध देश/क्षेत्र से अलग-अलग उत्पादों का पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक है।

- ii) प्रत्येक संबद्ध/क्षेत्र से अलग-अलग उत्पादों की आयात मात्रा निर्धारित सीमा से अधिक है।
- iii) घरेलू उत्पाद तथा विभिन्न देशों द्वारा सप्लाई किए गए उत्पाद समान उत्पाद हैं।
- iv) आयातित उत्पाद तथा घरेलू उत्पादित संबद्ध माल परस्पर परिवर्तनीय हैं और इनका परस्पर परिवर्तनीय रूप से प्रयोग हो रहा है। विभिन्न देशों से किए गए आयातों संबंधी सौदेवार जानकारी यह दर्शाती है कि ये आयात रबड़ उद्योग के वास्तविक प्रयोक्ताओं तथा उन व्यापारियों द्वारा किए जा रहे हैं जिन्होंने इस माल की खरीद पुनःबिक्री के लिए की है। शामिल देशों द्वारा सप्लाई किए गए माल भारतीय बाजार में उन्हीं वितरण चैनलों के ज़रिए प्रवेश हो रहा है जो भारतीय बाजार के साथ प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।
- v) संबद्ध देशों से सप्लाई किए गए उत्पादों का भारत में विपणन उसी अवधि के दौरान तुलनीय बिक्री चैनलों के ज़रिए तथा समान वाणिज्यिक दशाओं में किया जा रहा है।
- vi) प्रत्येक संबद्ध देश से अलग-अलग उत्पाद का आयात बढ़ गया है।
- vii) घरेलू उत्पादक तथा संबद्ध देशों के निर्यातक इस उत्पाद की बिक्री समान उपभोक्ता श्रेणी को कर रहे हैं।
- viii) संबद्ध देशों से होने वाले आयातों के कारण बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में काफी कटौती हो रही है।

अतः प्राधिकारी ने इस मामले में घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बारे में संचयी आधार पर जांच की है जिसमें सभी पाटित स्रोतों से हुए आयातों को कवर किया गया है।

### ज.3 अपनाई गई तुलना पद्धति

87. विचाराधीन उत्पाद अर्थात् एमओआर, पीएक्स 13 और टीडीक्यू को तीन अलग-अलग तथा पृथक उत्पाद माना गया है जो नियम 2(घ) के आशय के भीतर परस्पर समान उत्पाद नहीं हैं। अतः प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को हुई क्षति का आकलन प्रत्येक संबद्ध रबड़ रसायन के लिए अलग-अलग किया है। यह क्षति जांच 2000-2001, 2001-2002, 2002-2003 और जनवरी-दिसंबर, 2003 (जांच अवधि) के वर्षों से संबंधित आंकड़ों पर विचार करते हुए की गई है।

88. प्राधिकारी नोट करता है कि घरेलू उद्योग में पर्याप्त निर्यात कार्यकलाप होने की जानकारी पाई गई है। किंतु, क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग के कार्यनिष्पादन का आकलन केवल घरेलू बाजार के संबंध में ही किया गया है। अतः, घरेलू उद्योग को निर्यात निष्पादन की वजह से होने वाली क्षति, यदि कोई हो, का कारण उसके घरेलू प्रचालनों के फलस्वरूप होने वाली क्षति नहीं है।

#### ज.4. आयात आंकड़े और अन्य मुद्दे

89. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी से यह अपेक्षा है कि वह इस बात पर विचार करें कि पाटित आयातों में समग्र रूप अथवा भारत में उत्पादन अथवा खपत की दृष्टि से काफी वृद्धि हुई है।
90. संबद्ध देशों तथा क्षेत्रों से प्रत्येक संबद्ध खड़ रसायन की आयात मात्रा का विश्लेषण डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त आंकड़ों और गौण स्रोत (आईबीआईएस) में उल्लिखित आंकड़ों के आधार पर किया गया है। सभी खड़ रसायनों के संबंध में आईबीआईएस द्वारा बताए गए सौदेवार आंकड़ों की तुलना डीजीसीआईएंड के आंकड़ों से की गई है जिससे अलग-अलग उत्पादों को अभिज्ञात किया जा सके और अलग-अलग उत्पादों के संबंध में आंकड़ों का संकलन किया जा सके। असंबंधित उत्पादों के आंकड़ों की छंटनी करने के बाद ऐसा प्रस्ताव है कि डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों का प्रयोग क्षति के निर्धारण के प्रयोजनार्थ किया जाए। इस संबंध में इच्छुक पक्षकारों के तर्क वैध प्रतीत नहीं होते हैं।

#### ज.5 क्षति कारकों की जांच

91. अनुबंध-II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 में यह उपबंध है कि क्षति निर्धारण में उन कारकों की जांच शामिल होगी जो घरेलू उद्योग को क्षति होने की इंगित करते हों और यह "पाटित आयातों की मात्रा सहित सभी संगत कारकों, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव को ध्यान में रखते हुए" किया जा सकेगा। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करने में यह आवश्यक समझा जाता है कि इस बात की जांच की जाए कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत से तुलना किए गए पाटित आयातों द्वारा कीमत में काफी कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव के कारण अन्यथा कीमतों में काफी सीमा तक मंदी आई है अथवा कीमत वृद्धि में बाधा आई है जोकि अन्यथा काफी मात्रा में हुई होती।

92. प्राधिकारी नोट करता है कि इस जांच में खड़ उद्योग में प्रयुक्त तीन अलग-अलग रसायनों को कवर किया गया है। अतः प्रारंभिक जांच परिणामों में क्षति निर्धारण के प्रयोजनार्थ भी इन उत्पादों को तीन विभिन्न तथा अलग-अलग उत्पाद माना गया है और अलग-अलग उत्पादों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच भी अलग-अलग की गई।
93. भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की स्थिति से संबंधित अनुसूचियों जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री वसूली, पाटन मार्जिन की मात्रा, आदि पर उपर्युक्त नियमावली के अनुबंध- II के अनुसार विचार किया गया है।
94. घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले यथाउपरोक्त सभी आर्थिक कारकों जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा तथा मात्रा एवं घरेलू उद्योग पर कीमत संबंधी प्रभावों की जांच निम्नानुसार की गई है:-

#### ज.4.1. पाटित आयातों का मात्रा संबंधी प्रभाव: आयात मात्रा तथा बाजार हिस्से

##### ज.4.1.1 एमओआर

##### क) आयात मात्रा

95. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी से यह अपेक्षा है कि वह इस बात पर विचार करे कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप अथवा भारत में उत्पादन अथवा खपत की दृष्टि से काफी वृद्धि हुई है।
96. इस जांच के आधार पर एमओर के आयात आंकड़े तथा आयात मात्रा निम्नानुसार बैठते हैं-

##### मात्रा मी.टन में

एमओआर	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
आयात मात्रा				
ईयू	922	905	1150	1640
स.रा.अम.	74	34	94	239
चीन	-	4	40	138
संबद्ध देश/क्षेत्र (ईयू+)	996	943	1284	2017

स.रा.अम.+ चीन)					
प्रवृत्ति		100	95	129	203
कुल आयात एमओआर		1106	1001	1354	2057
प्रवृत्ति		100	91	122	186
पाटित आयातों का हिस्सा		90%	94%	95%	98%

97. उपरोक्त आंकड़े यह इंगित करते हैं कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों में आधार वर्ष की तुलना में 100% से भी अधिक की वृद्धि हुई है और पाटित आयातों हिस्सा इस उत्पाद के कुल आयातों में 95% से भी अधिक है। संबद्ध माल के कुल आयातों में पाटित आयातों का हिस्सा आधार वर्ष के लगभग 90% से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 98% हो गया। अन्य स्रोतों से हुए आयात नगण्य रहे।

**ख) क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग पर वास्तविक एवं संभाव्य प्रभाव**

98. एमओआर के संबंध में क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग तथा बिक्रियों की दृष्टि से घरेलू उद्योग का कार्य-निष्पादन निम्नानुसार रहा है:-

एमओआर	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
क्षमता(मी.टन)	****	****	****	****
सूचीकृत	100	100	119	124
उत्पादन (मी.टन)	****	****	****	****
सूचीकृत	100	119	140	137
क्षमता उपयोग(%)	****	****	****	****
सूचीकृत	100	119	118	110
घरेलू बिक्रियां(मी.ट.)	****	****	****	****
सूचीकृत	100	116	139	134
निर्यात बिक्रियां(मी.ट.)	****	****	****	****
सूचीकृत	100	106	120	139



मांग(मी.ट.)	****	****	****	****
सूचीकृत	100	96	131	149
मांग में बाजार हिस्सा(%)	44.7	50.05	47.19	40.26
माल सूची (मी.टन)	****	****	****	****

99. घरेलू उद्योग ने क्षति जांच अवधि के दौरान विभिन्न प्रचालनों में अवरोधों को दूर कर अपनी क्षमता को बढ़ाया है और अपने उत्पादन तथा बिक्रियों में वृद्धि की है। किंतु जबकि आधार वर्ष की तुलना में मांग में लगभग 50% की वृद्धि हुई है लेकिन घरेलू उद्योग के उत्पादन तथा बिक्रियों में लगभग 35% की वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग तथा बाजार हिस्से वर्ष 2001-02 में काफी वृद्धि के बाद गिरावट का रुख दर्शाया गया है।

ग) बिक्रियों पर वास्तविक एवं संभावित प्रभाव:

100. घरेलू बिक्री मात्रा तथा घरेलू बिक्रियों पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच घरेलू उद्योग की समग्र बिक्री, मांग तथा बाजार हिस्से की दृष्टि से की गई है:

एमओआर	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
घरेलू बिक्रियां	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	116	139	134
अन्य बिक्रियां	570	570	748	64
प्रवृत्ति	100	100	131	112
कुल घरेलू बिक्रियां	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	111	136	128
आयात	1106	1001	1354	2057
प्रवृत्ति	100	91	122	186
मांग	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	104	131	149
पाटित आयात	996	943	1284	2017
प्रवृत्ति	100	95	129	203

कुल आयात में पाटित आयात का हिस्सा	90.04	94.21	94.83	98.09
मांग में बाजार हिस्सा				
घरेलू उद्योग	45%	50%	47%	40%
पाटित आयात	33%	30%	32%	45%
अन्य	22%	20%	21%	15%

101. जहां तक एमओआर का संबंध है घरेलू बाजार में इसकी मांग में काफी वृद्धि हुई है और घरेलू उद्योग की बिक्रियां संपूर्ण मात्रा की दृष्टि से काफी वृद्धि दर्शाती है। लेकिन घरेलू उद्योग ने पाटित आयातों के कारण काफी बड़ा बाजार हिस्सा खो दिया है जो आधार वर्ष की तुलना में दुगुने से भी ज्यादा हो गया है जबकि मांग में केवल 50% की वृद्धि हुई है। घरेलू मांग में पाटित आयातों का हिस्सा 33% से बढ़कर 45% हो गया है।

#### 4.1.2 पीएक्स-13

क) आयात मात्रा:

मात्रा: मी.टन

पीएक्स-13	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
ईयू	939	679	2555	2584
चीनी ताइपेई	131	283	495	568
संबद्ध देश/क्षेत्र (ईयू+ चीनी ताइपेई)	1070	962	3050	3152
प्रवृत्ति	100	90	285	295
पीएक्स-13 का कुल आयात	1418	1106	3456	3396
प्रवृत्ति	100	78	244	239
पाटित आयातों का हिस्सा	75%	87%	88%	93%

102. उपरोक्त आंकड़े यह इंगित करते हैं कि संबद्ध देशों से संबद्ध माल के पाटित आयात में आधार वर्ष की तुलना में लगभग 200% की वृद्धि हुई है और पाटित आयातों का

हिस्सा कुल आयातों के लगभग 93% रहा । कुल आयातों में पाटित आयातों का हिस्सा आधार वर्ष के 75% से बढ़कर जांच अवधि में 93% हो गया । अन्य स्रोतों से भी बहुत ही कम आयात हुए जिससे घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव अथवा घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है ।

ख) क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग पर वास्तविक एवं संभाव्य प्रभाव

पीएक्स-13	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
क्षमता(मी.टन)	****	****	****	****
सूचीकृत	100	108	177	177
उत्पादन (मी.टन)	****	****	****	****
सूचीकृत	100	112	125	155
क्षमता उपयोग(%)	****	****	****	****
सूचीकृत	100	103	70	87
घरेलू बिक्रियां(मी.ट.)	****	****	****	****
सूचीकृत	100	103	110	122
निर्यात बिक्रियां(मी.ट.)	****	****	****	****
सूचीकृत	100	123	132	198
मांग(मी.ट.)	****	****	****	****
सूचीकृत	100	91	139	138
मांग में बाजार हिस्सा(%)	39.09	44.26	30.87	34.77

103. उपरोक्त आंकड़े यह दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग ने इस अवधि के दौरान मांग में अच्छी वृद्धि के मद्देनजर क्षति जांच अवधि के दौरान काफी क्षमताओं का संयोजन किया है । घरेलू उद्योग के उत्पादन में भी लगभग 55% की वृद्धि हुई है । लेकिन घरेलू बिक्रियों में इसी प्रकार की वृद्धि का पैटर्न नहीं दर्शाया गया है और इसमें आधार वर्ष की तुलना में केवल 22% की ही वृद्धि हुई है । क्षमता उपयोग में वर्ष 2000-01 में मामूली वृद्धि के बाद काफी गिरावट दर्शाई गई है हालांकि बाजार में अच्छी मांग रही है ।

ग) बिक्रियों पर वास्तविक और संभाव्य प्रभाव

104. घरेलू बिक्रियों की मात्रा तथा घरेलू बिक्रियों पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच घरेलू उद्योग की समग्र बिक्री, मांग तथा बाजार हिस्से की दृष्टि से की गई है।

पीएक्स-13	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
घरेलू बिक्रियां	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	103	110	122
अन्य बिक्रियां	1608	1402	1330	1061
प्रवृत्ति	100	87	83	66
कुल घरेलू बिक्रियां	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	96	98	97
आयात	1418	1106	3456	3396
प्रवृत्ति	100	78	244	239
मांग	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	91	139	138
पाटित आयात	1070	962	3050	3152
प्रवृत्ति	100	90	285	295
मांग में बाजार हिस्से				
घरेलू उद्योग	39%		44%	31%
पाटित आयात	22%		21%	44%
अन्य	39%		34%	25%

105. पीएक्स-13 के संबंध में उपरोक्त आंकड़े यह दर्शाते हैं कि जबकि इस उत्पाद की मांग में केवल 38% की वृद्धि हुई है लेकिन पाटित आयातों में लगभग 200% की वृद्धि हुई है और घरेलू उद्योग की बिक्रियों में केवल 22% की वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में 8% की काफी गिरावट आई है जबकि पाटित आयातों का बाजार हिस्सा क्षति अवधि में 22% से बढ़कर 44% तक दुगुना हो गया।

4.1.3 टीडीक्यू

क) आयात मात्रा:

मात्रा मी.टन				
टीडीक्यू	2000-01	2001-02	2002-2003	जांच अवधि

ईयू	246	75	285	538
चीनी ताईपेई	0	0	0	117
संबद्ध देश/क्षेत्र (ईयू+ चीनी ताईपेई)	246	75	285	655
प्रवृत्ति	100	30	116	266
टीडीक्यू का कुल आयात	281	274	450	702
प्रवृत्ति	100	98	160	250
पाटित आयातों का हिस्सा	88%	27%	63%	93%

106. उपरोक्त आंकड़े यह इंगित करते हैं कि कुल आयातों और संबद्ध देशों से संबद्ध माल के पाटित आयातों में क्षति जांच अवधि के दौरान काफी वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों की आयात मात्रा में वृद्धि कुल आयातों में वृद्धि की तुलना में अधिक रही है। यह ऐसा भी दर्शाता है कि पिछले वर्ष की तुलना में पाटित आयातों में मात्रा संबंधी वृद्धि रही है।

ख) क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग पर वास्तविक एवं संभाव्य प्रभाव

टीडीक्यू				
क्षमता(मी.टन)	4200	4200	6200	7000
सूचीकृत	100	100	148	167
उत्पादन (मी.टन)	****	****	****	****
सूचीकृत	100	139	172	201
क्षमता उपयोग(%)	****	****	****	****
सूचीकृत	100	138	115	120
घरेलू बिक्रियां(मी.ट.)	****	****	****	****
सूचीकृत	100	117	139	146
निर्यात बिक्रियां(मी.ट.)	****	****	****	****

सूचीकृत	100	140	195	250
मांग(मी.ट.)	****	****	****	****
सूचीकृत	100	111	137	150
मांग में बाजार हिस्सा(%)	43.57	45.98	44.12	42.16
माल सूची(मी.टन)	****	****	****	****
सूचीकृत	100	321	340	279

107. इस उत्पाद के संबंध में भी घरेलू उद्योग ने मांग में अच्छी वृद्धि को देखते हुए क्षति जांच अवधि के दौरान काफी क्षमता (67%) की वृद्धि की है। उत्पादन भी दुगुना हो गया है लेकिन घरेलू बिक्रियों में वृद्धि इस उत्पाद के संबंध में घरेलू मांग की वृद्धि से कम रही है। क्षमता उपयोग में भी बाजार में अच्छी मांग के बावजूद वर्ष 2000-01 में काफी सुधार के बाद गिरावट का रुख दर्शाया गया है।

ग) बिक्रियों पर वास्तविक और संभाव्य प्रभाव:

टीडीक्यू	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
घरेलू बिक्रियां	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	117	139	146
अन्य बिक्रियां	1650	1780	2180	2276
प्रवृत्ति	100	108	132	138
कुल घरेलू बिक्रियां	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	112	135	142
आयात	281	274	450	702
प्रवृत्ति	100	98	160	250
मांग	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	111	138	150
पाटित आयात	246	75	285	655
प्रवृत्ति	100	30	116	266
मांग में बाजार हिस्से				

घरेलू उद्योग	44%	45%	44%	42%
पाटित आयात	7%	2%	6%	13%
अन्य	49%	52%	50%	45%

108. जहां तक टीडीक्यू का संबंध है, यह देखा जाता है कि इस अवधि के दौरान आयातों में संपूर्ण दृष्टि से 150% की वृद्धि हुई है जबकि पाटित आयातों में 166% की वृद्धि हुई है लेकिन घरेलू उद्योग की बिक्री में केवल 46% की ही वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में 2% की गिरावट आई है जबकि पाटित आयातों के हिस्से में 6% की वृद्धि रही है।
109. प्राधिकारी ने इच्छुक पक्षकारों के उन तर्कों की जांच की है कि भारतीय रबड़ बोर्ड के अनुसार भारत में रबड़ की खपत के आंकड़ों में यथापरिलक्षित बाजार मांग में वृद्धि से प्रकटन विवरण-पत्रों में परिलक्षित अलग-अलग उत्पादों की मांग की तुलना में मांग में अपेक्षतया कम वृद्धि दर्शाई गई है। प्राधिकारी नोट करता है कि जहां रबड़ बोर्ड के आंकड़े वार्षिक आधार पर रबड़ की मांग में वृद्धि दर्शाते हैं वहीं अलग-अलग रबड़ रसायनों के संबंध में घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में वृद्धि आधार वर्ष 2000-01 के संदर्भ में दर्शाई गई है।

#### ज.4.2 पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

110. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी से अपेक्षा है कि वह इस बात पर विचार करे कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में काफी कीमत कटौती आई है अथवा क्या इन आयातों के प्रभाव के कारण अन्यथा कीमतों में काफी मात्रा में मंदी आएगी अथवा कीमत वृद्धि में बाधा आएगी जोकि अन्यथा काफी सीमा तक हो गई होती।
111. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी से अपेक्षा है कि वह इस बात पर विचार करे कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में काफी कीमत कटौती आई है अथवा क्या इन आयातों के प्रभाव के कारण अन्यथा कीमतों में काफी मात्रा में मंदी आएगी अथवा कीमत वृद्धि में बाधा आएगी जोकि अन्यथा काफी सीमा तक हो गई होती। इस संबंध में प्राधिकारी ने बिक्री कीमत, कर तथा शुल्क छोड़कर, छूट, डिस्काउंट, कमीशन और भाड़ा तथा परिवहन पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली का निर्धारण किया है। आयातों की लैंडेड कीमत का निर्धारण 1% सुपुर्दगी प्रभार तथा लागू आधारिक सीमाशुल्क सहित भारत औसत सीआईएफ आयात कीमत पर विचार

करते हुए किया है। तदनुसार अलग-अलग उत्पादों के संबंध में पाटित आयातों के कीमत प्रभावों का निम्नानुसार विश्लेषण किया गया है:

#### ज.4.2.1 एमओआर

112. प्राधिकारी को लगता है कि संबद्ध देशों की सीआईएफ आयात कीमतें निम्नानुसार रही हैं-

#### क) आयात कीमतों में गिरावट

प्रति किग्रा. लैंडेड कीमत/रु.				
एमओआर	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
ईयू	215.5	193.82	160.89	152.61
यूएस	198.7	193.33	153.19	143.89
चीन	231.8	172.82	163.47	146.77
संबद्ध देश	214.25	193.72	160.41	151.18
संबद्ध देशों की सीआईएफ कीमत	157.14	142.07	122.17	119.74
लैंडेड कीमत में % गिरावट (आधार वर्ष के संदर्भ में)				
ईयू	-	10	25	29
यूएस	-	3	23	28
चीन	-	25	29	37
संबद्ध देश	-	10	25	29

113. ये आंकड़े क्षति जांच अवधि की तुलना में पाटित स्रोतों से संबद्ध माल के आयातों के सीआईएफ लैंडेड मूल्य में सतत गिरावट दर्शाते हैं और जांच अवधि के दौरान यह गिरावट काफी तथा वास्तविक रही।

#### ख) कीमत कटौती और कम दाम पर बिक्री के प्रभाव

रु./किग्रा.

एमओआर	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
डीआई की निवल बिक्री वसूल	*****	*****	*****	*****



एनआईपी				*****
ईयू की लैंडेड कीमत	215.5	193.82	160.89	152.61
ईयू की कीमत कटौती	****	****	****	10-20%
ईयू की कम दाम पर बिक्री				10-20%
यूएस की लैंडेड कीमत	198.7	193.33	153.19	143.89
कीमत कटौत - यूएस	****	****	****	15-25%
कम दाम पर बिक्री- यूएस				20-30%
लैंडेड कीमत-चीन	231.8	172.82	163.82	146.77
कीमत कटौती - चीन	****	****	****	15-25%
कम दाम पर बिक्री- चीन				15-25%
एमओआर-संबद्ध देश				
लैंडेड कीमत	214.25	193.72	160.41	151.18
कीमत कटौती	****	****	****	10-20%
कम दाम पर बिक्री				15-25%

114. उपरोक्त आंकड़े यह इंगित करते हैं कि संबद्ध देशों से एमओआर के अलग-अलग पाटित आयात का लैंडेड मूल्य भी घरेलू कीमतों में काफी सीमा तक संचयी आधार पर कटौती करते हैं। संबद्ध देशों का लैंडेड मूल्य घरेलू उद्योग की अक्षतिकारी कीमत से काफी कम है। यह भी संज्ञान में आया है कि लैंडेड मूल्यों में गिरावट के कारण कीमत कटौती जोकि पिछले वर्ष में नकारात्मक रही थी, अधिकांश देशों के संबंध में सकारात्मक हो गई है।

#### ग) पाटित आयातों के कीमत दबाव तथा मंदी प्रभाव

115. घरेलू कीमतों पर पाटित आयातों के कीमत दबाव संबंधी प्रभाव की जांच करने के लिए घरेलू उद्योग की निवल विक्री वसूली की प्रवृत्ति की तुलना उत्पादन लागत से की गई है। ये आंकड़े यह दर्शाते हैं कि हालांकि क्षति जांच अवधि के दौरान संबद्ध माल की उत्पादन लागत में मामूली गिरावट आई है लेकिन विक्री वसूली में गिरावट उत्पादन लागत में गिरावट की तुलना में काफी अधिक रही है। अतः ऐसा प्रतीत

होता है कि पाटित आयातों के कीमत प्रभाव के कारण घरेलू उद्योग को अपनी कीमतें अपेक्षित कम रखने को बाध्य होना पड़ा ताकि वह कीमत मंदी प्रभाव इंगित करते हुए अपने बाजार हिस्से को कायम रख सकें।

एमओआर	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
आधार वर्ष की तुलना में निवल बिक्री वसूली में गिरावट(%)		5.88	16.64	14.64
उत्पादन लागत में गिरावट %		3.43	6.55	5.46

#### ज.4.2.2 पीएक्स-13

##### क) आयात कीमतों में गिरावट

लैंडेड कीमत रु. प्रति किग्रा.				
पीएक्स-13	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
ईयू	204.8	199.51	152.86	134.72
ताइवान	213.3	190.2	155.5	135.09
संबद्ध देश	205.84	196.78	153.29	134.79
संबद्ध देशों की सीआईएफ कीमत	150.96	144.32	116.75	106.76
लैंडेड कीमत में % गिरावट (आधार वर्ष के संदर्भ में)				
ईयू	-	3	25	34
ताइवान	-	11	27	37
संबद्ध देश	-	4	26	35

116. उपरोक्त आंकड़े सीआईएफ और क्षति जांच-अवधि में पाटित स्रोतों से संबद्ध माल के आयातों के लैंडेड मूल्य में सतत गिरावट दर्शाते हैं और जांच अवधि के दौरान गिरावट काफी तथा वास्तविक है।

रु./किग्रा.

पीएक्स-13	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
डीआई की निवल बिक्री वसूली एनआईपी	*****	*****	*****	*****
				*****

ईयू की लैंडेड कीमत	204.8	199.51	152.86	134.72
ईयू की कीमत कटौती	****	****	****	0-10%
कम दाम पर बिक्री - ईयू				30-40%
चीनी ताइपेई की लैंडेड कीमत	213.3	190.2	155.5	135.09
चीनी ताइपेई की कीमत कटौती	****	****	****	0-10%
कम दाम पर बिक्री - चीनी ताइपेई				30-40%
संबद्ध देशों की लैंडेड कीमत	205.84	196.78	153.29	134.79
संबद्ध देशों की कीमत कटौती	****	****	****	0-10%
कम दाम पर बिक्री				30-40%

117. उपरोक्त आंकड़े यह इंगित करते हैं कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों की वजह से घरेलू कीमतों में कटौती होती रही है। लेकिन कीमत कटौती का स्तर कम रहा है। किंतु, इस कीमत कटौती की जांच पाटित आयातों के कीमत दबाव तथा मंदी के प्रभावों के साथ-साथ की जानी है। चूंकि घरेलू कीमतों में मंदी आई है, इसलिए कीमत कटौती विश्लेषण से घरेलू उद्योग की सही तरस्वीर परिलक्षित प्रतीत नहीं होती है।

ग) पाटित आयातों के कीमत दबाव तथा मंदी प्रभाव

	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
निवल बिक्री वसूली (रू./किग्रा.)				
पीएक्स-13	****	****	****	****
आधार वर्ष की तुलना में गिरावट		17.72	40.43	56.64
उत्पादन लागत में गिरावट(%)		9.40	4.24	8.21

118. घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत तथा बिक्री वसूली के प्रवृत्ति विश्लेषण यह दर्शाते हैं कि जहां उत्पादन लागत में केवल 8% की गिरावट आई है वहीं बिक्री वसूली में लगभग 56% की गिरावट आई है जिससे पाटित आयातों की कीमत मंदी प्रभाव इंगित होती है ।

#### ज.4.2.3 टीडीक्यू

#### क) आयात कीमतों में गिरावट

लैंडेड मूल्य रु. प्रतिकिग्रा.					
टीडीक्यू लैंडेड मूल्य		2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
ईयू		88.38	83.75	85.79	80
चीनी ताइपेई		-	-	-	75.52
संबद्ध देश		88.38	83.75	85.79	79.2
संबद्ध देशों की सीआईएफ कीमत		64.82	61.42	65.34	62.73
लैंडेड कीमत में % गिरावट (आधार वर्ष के संदर्भ में)					
ईयू		-	5	3	9
चीनी ताइपेई		-	-	-	-
संबद्ध देश		-	5	3	10

119. प्राधिकारी नोट करता है कि प्रत्येक संबद्ध रबड़ रसायन की सीआईएफ कीमत तथा लैंडेड कीमत में क्षति अवधि के दौरान गिरावट रही है ।

#### ख) कीमत कटौती तथा कम दाम पर बिक्री के प्रभाव

120. पीएक्स-13 संबंधी आंकड़े भी इसी प्रकार की प्रवृत्ति दर्शाते हैं जैसाकि नीचे दी गई तालिका से देखा जा सकता है । लैंडेड कीमतों की कीमत कटौती जांच अवधि के दौरान अथवा पिछले वर्ष में पाटित आयातों की सीआईएफ कीमतों तथा लैंडेड मूल्य सकारात्मक रहे हैं ।

रु./किग्रा.

टीडीक्यू	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
निवल बिक्री वसूली	*****	*****	*****	*****
एनआईपी		*****	*****	*****
ईयू की लैंडेड कीमत	88.38	83.75	85.79	80
ईयू की कीमत कटौती	****	****	****	0-10%
कम दाम पर बिक्री-ईयू				5-15%
चीनी ताइपेई की लैंडेड कीमत	-	-	-	75.52
चीनी ताइपेई की कीमत कटौती	-	-	-	0-10%
कम दाम पर बिक्री -चीनी ताइपेई	-	-	-	10-20%
संबद्ध देशों की लैंडेड कीमत	88.38	83.75	85.79	79.2
संबद्ध देशों की कीमत कटौती	****	****	****	0-10%
कम दाम पर बिक्री -संबद्ध देश				5-15%

121. उपरोक्त आंकड़ों से इंगित होता है कि संबद्ध देशों से हुए पाटित आयातों की वजह से घरेलू कीमतों में कटौती होती रही है। उपरोक्त आंकड़ों और कीमत मंदी प्रभावों के विश्लेषण से पाटित आयातों के कीमत कटौती तथा कम दाम पर बिक्री संबंधी प्रभाव काफी इंगित होते हैं।

ग) पाटित आयातों के कीमत दबाव तथा मंदी प्रभाव

	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
निवल बिक्री वसूली (रु.किग्रा.)				
टीडीक्यू	***	***	***	***

आधार वर्ष की तुलना में गिरावट(%)		3.64	8.7	7.94
उत्पादन लागत में गिरावट %				
		11.09	5.28	2.98

122. उपरोक्त आंकड़े यह दर्शाते हैं कि बिक्री वसूली में गिरावट उत्पादन लागत में गिरावट की तुलना में अधिक है जिससे घरेलू कीमतों पर पाटित आयातों का कीमत मंदी प्रभाव इंगित होता है क्योंकि घरेलू उद्योग आयात कीमतों की बराबरी करने के लिए अपनी कीमतें कम करके अपना बाजार हिस्सा कायम रखने का प्रयास कर रहा है ।

#### ज. 4.3 अन्य क्षति कारकों की जांच:

123. अन्य क्षति कारकों जैसे क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री तथा बाजार हिस्से में वास्तविक तथा संभाव्य गिरावट, आयात मात्रा में वास्तविक तथा संभाव्य वृद्धि आदि के संबंध में पिछले भाग में जांच किए जाने के पश्चात प्राधिकारी ने अन्य आवश्यक क्षति कारकों की निम्नानुसार जांच की है:-

#### क) क्षमता, उत्पादन तथा क्षमता उपयोग:

124. जैसाकि पिछले भाग में नोट किया गया है, घरेलू उद्योग ने मौजूदा क्षमता में अवरोध समाप्त करके और अतिरिक्त उपस्कर जोड़कर अलग-अलग उत्पादों के संबंध में अपनी क्षमता में वृद्धि की है । क्षमता में यह वृद्धि मांग में वृद्धि और साथ ही उत्पादन कुशलता एवं उत्पादन लागत के अनुरूप है । प्रत्येक रबड़ रसायन के मामले में घरेलू उद्योग का उत्पादन तथा बिक्री बढ़ी है । लेकिन, जैसाकि पहले उल्लेख किया गया है, बिक्रियों में वृद्धि उत्पादन की तुलना में काफी कम है और क्षमता उपयोग में मांग में अच्छी वृद्धि होने के बावजूद काफी गिरावट दर्शाई गई है ।

#### ख) लाभ तथा लाभप्रदता के वास्तविक एवं संभाव्य प्रभाव:

125. घरेलू बाजार में संबद्ध माल की बिक्रियों से घरेलू उद्योग द्वारा अर्जित लाभ निम्नानुसार रहे:-

रु./किग्रा.

	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
<b>एमओआर</b>				
बिक्री लागत	100	96.57	99.29	103.87
निवल बिक्री कीमत (एनएस आर)	100	94.12	83.36	85.36
लाभ/हानि	100	72.92	-54.70	-75.08
<b>पीएक्स-13</b>				
बिक्री लागत	100	90.60	101.29	99.44
निवल बिक्री कीमत (एनएस आर)	100	90.88	79.20	70.86
लाभ/हानि	100	94.44	-119.55	-186.32
<b>टीडीक्यू</b>				
बिक्री लागत	100	88.91	100.63	106.47
निवल बिक्री कीमत (एनएस आर)	100	95.96	90.34	91.19
लाभ/हानि	100	21266.67	-30800.00	-45800.00

126. उपरोक्त आंकड़े यह दर्शाते हैं कि इन तीनों उत्पादों के संबंध में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में कापुम् गिरावट आई है और घरेलू उद्योग इस अवधि के दौरान प्राप्त अपेक्षतया अधिक उत्पादन तथा बिक्री मात्रा के बावजूद लाभ की स्थिति से वित्तीय हानियों की स्थिति में पहुंच गया है।

#### ग) रोजगार

127. प्रत्येक संबद्ध रबड़ रसायन में कर्मचारियों की संख्या वही रही है जोकि जांच-अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की उत्पादकता के विश्लेषण संबंधी जांच में रही थी।

सूचीकृत

	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
<b>कर्मचारियों की संख्या</b>				
एमओआर	100	100	92.86	85.71
पीएक्स-13	100	93.33333	80.00	73.33

टीडीक्यू	100	100	154.55	163.64
प्रति कर्मचारी उत्पादकता				
एमओआर	100	118.6698	150.36	159.75
पीएक्स-13	100	120.4247	155.79	211.08
टीडीक्यू	100	139.3056	111.36	122.54

128. उपर्युक्त आंकड़े यह दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता में उसकी श्रमिक उत्पादकता की दृष्टि से सुधार हुआ है।

#### घ) मजदूरियां

129. इस कंपनी द्वारा दी गई मजदूरियां और प्रति इकाई उत्पादन मजदूरी निम्नानुसार रही है:-

	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
प्रति कि.ग्रा. मजदूरी(सूचीकृत)				
एमओआर	100	99.43	80.74	88.10
पीएक्स-13	100	95.90	86.15	71.79
टीडीक्यू	100	91.61	111.19	112.59

130. यह देखा जाता है कि प्रति किग्रा. मजदूरी में अपेक्षतया अधिक श्रमिक उत्पादकता तथा अधिक उत्पादन की वजह से गिरावट आई है।

#### ड.) पूंजी निवेश पर आय

131. पूंजी निवेश पर आय की गणना प्रत्येक खंड रसायन में लगाई गई पूंजी और ब्याज पूर्व लाभ को देखते हुए की गई है जोकि निम्नानुसार है:-

एमओआर(सूचीकृत)		2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
बिक्रियों पर लाभ	लाख रु.	100	84.72	-75.80	-100.78
घरेलू बिक्रियों पर नकद लाभ	लाख रु.	100	88.88	-46.70	-66.15
घरेलू बिक्री हेतु लगाई गई पूंजी	लाख रु.	100	106.61	106.42	101.51
लगाई गई पूंजी पर लाभ	%	100	79.50	-71.25	-99.31
लगाई गई पूंजी पर आय	%	100	82.00	-21.07	-39.20
पीएक्स-13					



बिक्रियों पर लाभ	लाख रु.	100	99.78	-113.50	-227.91
घरेलू बिक्रियों पर नकद लाभ	लाख रु.	100	97.26	-77.00	-152.48
घरेलू बिक्री हेतु लगाई गई पूंजी	लाख रु.	100	92.78	103.68	92.76
लगाई गई पूंजी पर लाभ	%	100	108.33	-133.33	-258.33
लगाई गई पूंजी पर आय	%	100	100.00	-66.67	-144.44
<b>टीडीक्यू</b>					
बिक्रियों पर लाभ	लाख रु.	100	24780.00	42628.89	66226.67
घरेलू बिक्रियों पर नकद लाभ	लाख रु.	100	381.62	-382.96	-650.28
घरेलू बिक्री हेतु लगाई गई पूंजी	लाख रु.	100	94.30	110.36	103.83
लगाई गई पूंजी पर लाभ	%	100	29300.00	43075.00	71125.00
लगाई गई पूंजी पर आय	%	100	30448.48	-189.33	-367.47

132. विचाराधीन उत्पादों की लाभप्रदता संबंधी जांच से इंगित होता है कि इन तीनों उत्पादों के संबंध में घरेलू प्रचालन की पूंजी निवेश पर आय आधार वर्ष की सकारात्मक आय की स्थिति से अब नकारात्मक हो गई है ।

#### च) माल सूची

सूचीकृत

माल सूची(मी.टन)	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
एमओआर	100	166.10	206.78	194.92
पीएक्स-13	100	42.25	59.15	84.51
टीडीक्यू	100	321.35	340.45	279.78

133. प्राधिकारी को लगता है कि एमओआर तथा टीडीक्यू के संबंध में घरेलू उद्योग की माल सूची में काफी वृद्धि रही है जबकि पीएक्स-13 के मामले में इसमें गिरावट रही है । किंतु प्राधिकारी नोट करता है कि विचाराधीन उत्पाद के मामले में घरेलू उद्योग ने काफी निर्यात किया है । विचाराधीन उत्पाद की माल सूची-स्तर में इस प्रकार कोई सतत पैटर्न परिलक्षित नहीं होता है और यह निर्यात पोत-लदानों तथा मात्राओं द्वारा प्रभावित रहा है ।

## छ) नकद प्रवाह

134. जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का नकद प्रवाह निम्नानुसार रहा है:-

सूचीकृत	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
घरेलू बिक्रियों से नकद लाभ (लाख रु.)				
एमओआर	100	88.68	-46.70	-66.15
पीएक्स-13	100	97.26	-77.00	-152.48
टीडीक्यू	100	381.62	-382.96	-650.28

135. यह देखा जाता है कि इस अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का नकद लाभ बिगड़ गया है। नकद लाभ में यह स्थिति आयातों की लैंडेड कीमत के प्रत्युत्तर में बिक्री कीमतों में गिरावट के प्रत्यक्ष कारण से आई है।

## ज) उत्पादकता

136. जैसाकि पहले नोट किया गया है, प्रत्येक संबद्ध खड़ रसायन की उत्पादकता में वृद्धि हुई है, जैसाकि नीचे दी गई सारणी में देखा जा सकता है:-

सूचीकृत	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
प्रति कर्मचारी उत्पादन (मी.टन)				
एमओआर	100	118.67	150.36	159.75
पीएक्स-13	100	120.42	155.79	211.08
टीडीक्यू	100	139.31	111.36	122.54

137. किंतु उत्पादकता में सुधार घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में परिवर्तित नहीं हुआ है। यह पाया जाता है कि हालांकि घरेलू उद्योग की उत्पादकता में काफी सुधार हुआ है जिससे घरेलू उद्योग की प्रति इकाई उत्पादन लागत, लाभ में काफी गिरावट आई है, इससे बिक्री कीमतों में गिरावट के कारण लाभ की स्थिति हानि में बदल गई।

## झ) वृद्धि

138. हालांकि क्षमता, उत्पादन, बिक्री जैसे कारकों की दृष्टि से घरेलू उद्योग में वृद्धि रही है और उत्पादकता भी सकारात्मक रही है लेकिन वह बाजार हिस्से, लाभ, नकद प्रवाह तथा पूंजी निवेश पर आय की दृष्टि से नकारात्मक रही।

## ट) नया पूंजी निवेश करने की सामर्थ्य

139. प्राधिकारी नोट करता है कि घरेलू उद्योग ने प्रत्येक संबद्ध माल में क्षति अवधि में पिछली लाभप्रदता और मांग तथा बाजार हिस्से में भावी संभावनाओं के संकेतक के रूप में अधिक, नया पूंजी निवेश किया है। किंतु, यह पाया जाता है कि घरेलू उद्योग के वित्तीय निष्पादन में काफी ह्रास हो रहा है जिसका नया पूंजी निवेश करने संबंधी उसके भावी सामर्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

### समग्र आकलन

140. ऐसे कारकों के उपर्युक्त विश्लेषण से यह विदित होता है कि क्षमता, उत्पादन, और संपूर्ण दृष्टि से बिक्री तथा उत्पादन लागत में गिरावट, उत्पादकता में सुधार के बावजूद शामिल प्रत्येक उत्पाद के संबंध में इस उद्योग को अधिक अपर्युक्त क्षमता के कारण क्षति होती है जबकि घरेलू बाजार में इस उत्पाद की अच्छी मांग है लेकिन उसमें कम निवल बिक्री वसूली, अपेक्षतया अधिक निर्मित माल सूची पूंजी निवेश पर नकारात्मक अथवा कम आय और कम लाभ हुआ है। यह क्षति अलग-अलग उत्पादों के संबंध में वास्तविक तथा महत्वपूर्ण है। अतः इच्छुक पक्षकारों के यह तथ्य कि घरेलू उद्योग को कोई वास्तविक हानि नहीं हुई है, वैध प्रतीत नहीं होता है।

## ज.5 कारणात्मक संबंध एवं अन्य कारकों का विश्लेषण

141. इच्छुक पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति उसके पेट्रोकेमिकल यूनिट के कारण हुई है और इसका पाटित आयातों से कोई संबंध नहीं है। इस संबंध में उन्होंने तर्क दिया है कि पेट्रोकेमिकल डिविजन एक रुग्ण एकक होने के नाते इस कंपनी की समग्र वित्तीय स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है किंतु प्राधिकारी नोट करता है कि यह पेट्रोकेमिकल यूनिट अलग होने की प्रक्रिया में पहले से ही है और उपरोक्त क्षति विश्लेषण केवल रबड़ रसायन डिविजन और इस जांच में उल्लिखित विशिष्ट रबड़ रसायनों के संबंध में किया गया है।
142. वास्तविक क्षति होने और कीमत कटौती, कम दाम पर बिक्री तथा कीमत दबाव तथा मंदी के प्रभावों के संबंध में पाटित आयातों की मात्रा तथा कीमत प्रभावों की जांच करने के बाद प्राधिकारी ने इस बात की भी जांच की है कि क्या उक्त कशर के अनुच्छेद 3.5 में सूचीबद्ध अन्य संकेतात्मक कारकों की वजह से घरेलू उद्योग को हुई क्षति में सहायता मिली है। अतः निम्नलिखित कारकों की जांच की गई है:-

**ज.5.1 एमओआर**

- क) **तीसरे देशों से आयात** - ऐसे देशों से एमओआर के आयात जो इस जांच में शामिल नहीं हैं या तो कम रहे हैं अथवा संबद्ध देशों की आयात कीमतों की तुलना में अधिक कीमतों पर हुए हैं। अतः उनका घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है;
- यह तर्क दिया गया है कि प्राधिकारी ने अन्य स्रोतों से हुए आयातों की समुचित जांच नहीं की है। इस संबंध में प्राधिकारी नोट करता है कि मात्रा संबंधी प्रभाव का विश्लेषण स्पष्ट रूप से यह दर्शाता है कि संबद्ध देशों से हुए आयातों का हिस्सा संबद्ध माल के संबंध में कुल आयातों के 98% है। अतः अन्य स्रोतों से हुए आयातों की मात्रा तथा कीमत का घरेलू उद्योग पर कोई ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ा है।
- ख) **मांग में कमी** - संबद्ध माल(एमओआर) की मांग में क्षति जांच अवधि के दौरान 49% की काफी वृद्धि हुई है। अतः मांग में संभावित कमी घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं बन सकती है;
- ग) **खपत का पैटर्न** - किसी भी इच्छुक पक्षकार द्वारा खपत के पैटर्न में किसी ज्यादा बदलाव का आरोप नहीं लगाया गया है;
- घ) **प्रतिस्पर्धा की शर्तें** - इस माल का मुक्त रूप से आयात किया जा सकता है। याचिकाकर्ता संबद्ध माल का प्रमुख उत्पादक है क्योंकि अन्य अर्थक्षम उत्पादकों ने या तो उत्पादन बंद कर दिया है अथवा वे संबद्ध माल के व्यापारी बन गए हैं। अतः घरेलू प्रतिस्पर्धा घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं बन सकती है। प्रतिस्पर्धा की शर्तों अथवा व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियों का कोई भी साक्ष्य प्राधिकारी के संज्ञान में नहीं लाया गया है।
- ड.) **प्रौद्योगिकी में विकास** - प्रौद्योगिकी में किसी खास बदलाव का आरोप नहीं लगाया गया है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति होती। इस निर्यातक ने कतिपय कच्चे माल की स्वस्थाने उपलब्धता अथवा भिन्न उत्पादन प्रक्रिया की वजह से काफी लाभ का दावा किया है जिसका उत्पादन लागत तथा सामान्य मूल्य से संबंध होता। किंतु, प्रौद्योगिकीय अंतर के कारण घरेलू उद्योग को किसी लागत हानि का दावा नहीं किया गया है।

## च) घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन

				सूचीकृत
निर्यात	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
एमओआर	100	105.67	120.57	139.01

घरेलू उद्योग की निर्यात बिक्री काफी है और यह काफी वृद्धि दर्शाती है लेकिन निर्यात से लाभप्रदता नकारात्मक रही है। तथापि, क्षति विश्लेषण के लिए घरेलू तथा निर्यात बाजार की कीमत तथा लाभप्रदता को अलग-अलग कर दिया गया। और, यदि कंपनी के निर्यात निष्पादन की वजह से कोई क्षति हुई है तो इसका कारण पाटित आयात नहीं बन सकते हैं।

- छ) **उत्पादकता** - घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में कुल उत्पादन और प्रति कर्मचारी उत्पादकता की दृष्टि से सुधार हुआ है। अतः यह घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं बन सकता है।

## ज.5.2 पीएक्स-13

- क) **तीसरे देशों से आयात** - ऐसे देशों से पीएक्स-13 के आयात जो इस जांच में शामिल नहीं हैं या तो कम रहे हैं अथवा संबद्ध देशों की आयात कीमतों की तुलना में अधिक कीमतों पर हुए हैं। अतः उनका घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है। ऐसा तर्क दिया गया है कि प्राधिकारी ने अन्य स्रोतों से हुए आयातों की समुचित जांच नहीं की है। इस संबंध में प्राधिकारी नोट करता है कि मात्रा संबंधी प्रभाव का विश्लेषण स्पष्ट रूप से यह दर्शाता है कि संबद्ध देशों से हुए आयातों का हिस्सा संबद्ध माल के संबंध में कुल आयातों के 93% है। अतः अन्य स्रोतों से हुए आयातों की मात्रा तथा कीमत का घरेलू उद्योग पर कोई ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ा है।
- ख) **मांग में कमी** - संबद्ध माल(पीएक्स-13) की मांग में क्षति जांच अवधि के दौरान 38% की काफी वृद्धि हुई है। अतः मांग में संभावित कमी घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं बन सकती है;
- ग) **खपत का पैटर्न** - किसी भी इच्छुक पक्षकार द्वारा खपत के पैटर्न में किसी ज्यादा बदलाव का आरोप नहीं लगाया गया है;

घ) **प्रतिस्पर्धा की शर्तें** - इस माल का मुक्त रूप से आयात किया जा सकता है। याचिकाकर्ता संबद्ध माल का प्रमुख उत्पादक है क्योंकि अन्य अर्थक्षम उत्पादकों ने या तो उत्पादन बंद कर दिया है अथवा वे संबद्ध माल के व्यापारी बन गए हैं। अतः घरेलू प्रतिस्पर्धा घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं बन सकती है। प्रतिस्पर्धा की शर्तों अथवा व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियों का कोई भी साक्ष्य प्राधिकारी के संज्ञान में नहीं लाया गया है।

ड.) **प्रौद्योगिकी में विकास** - प्रौद्योगिकी में किसी खास बदलाव का आरोप नहीं लगाया गया है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति होती। इस निर्यातक ने कतिपय कच्चे माल की स्वस्थाने उपलब्धता अथवा भिन्न उत्पादन प्रक्रिया की वजह से काफी लाभ का दावा किया है जिसका उत्पादन लागत तथा सामान्य मूल्य से संबंध होता। किंतु, प्रौद्योगिकीय अंतर के कारण घरेलू उद्योग को किसी लागत हानि का दावा नहीं किया गया है।

च) **घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन -**

सूचीकृत				
निर्यात	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
पीएक्स-13	100	123.35	131.89 .	198.06

घरेलू उद्योग की निर्यात बिक्री काफी है और यह काफी वृद्धि दर्शाती है लेकिन निर्यात से लाभप्रदता नकारात्मक रही है। तथापि, क्षति विश्लेषण के लिए घरेलू तथा निर्यात बाजार की कीमत तथा लाभप्रदता को अलग-अलग कर दिया गया। और, यदि कंपनी के निर्यात निष्पादन की वजह से कोई क्षति हुई है तो इसका कारण पाटित आयात नहीं बन सकते हैं।

छ) **उत्पादकता** - घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में कुल उत्पादन और प्रति कर्मचारी उत्पादकता की दृष्टि से सुधार हुआ है। अतः यह घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं बन सकता है।

### ज.5.3 टीडीक्यू

क) **तीसरे देशों से आयात** - ऐसे देशों से टीडीक्यू के आयात जो इस जांच में शामिल नहीं हैं या तो कम रहे हैं अथवा संबद्ध देशों की आयात कीमतों की तुलना में अधिक कीमतों पर हुए हैं। अतः उनका घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है। यह तर्क दिया गया है कि प्राधिकारी ने अन्य स्रोतों से हुए आयातों की समुचित जांच नहीं की

है। इस संबंध में प्राधिकारी नोट करता है कि मात्रा संबंधी प्रभाव का विश्लेषण स्पष्ट रूप से यह दर्शाता है कि संबद्ध देशों से हुए आयातों का हिस्सा संबद्ध माल के संबंध में कुल आयातों के 93% है। अतः अन्य स्रोतों से हुए आयातों की मात्रा तथा कीमत का घरेलू उद्योग पर कोई ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ा है।

- i. **मांग में कमी** - संबद्ध माल(टीडीक्यू) की मांग में क्षति जांच अवधि के दौरान 50% की काफी वृद्धि हुई है। अतः मांग में संभावित कमी घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं बन सकती है;
- ii. **खपत का पैटर्न** - किसी भी इच्छुक पक्षकार द्वारा खपत के पैटर्न में किसी ज्यादा बदलाव का आरोप नहीं लगाया गया है;
- iii. **प्रतिस्पर्धा की शर्तें** - इस माल का मुक्त रूप से आयात किया जा सकता है। याचिकाकर्ता संबद्ध माल का प्रमुख उत्पादक है क्योंकि अन्य अर्थक्षम उत्पादकों ने या तो उत्पादन बंद कर दिया है अथवा वे संबद्ध माल के व्यापारी बन गए हैं। अतः घरेलू प्रतिस्पर्धा घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं बन सकती है। प्रतिस्पर्धा की शर्तों अथवा व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियों का कोई भी साक्ष्य प्राधिकारी के संज्ञान में नहीं लाया गया है।
- iv. **प्रौद्योगिकी में विकास** - प्रौद्योगिकी में किसी खास बदलाव का आरोप नहीं लगाया गया है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति होती। इस निर्यातक ने कतिपय कच्चे माल की स्वस्थाने उपलब्धता अथवा भिन्न उत्पादन प्रक्रिया की वजह से काफी लाभ का दावा किया है जिसका उत्पादन लागत तथा सामान्य मूल्य से संबंध होता। किंतु, प्रौद्योगिकीय अंतर के कारण घरेलू उद्योग को किसी लागत हानि का दावा नहीं किया गया है।
- v. **घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन** -

				सूचीकृत
निर्यात	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
टीडीक्यू	100	139.59	195.27	250.52

घरेलू उद्योग की निर्यात बिक्री काफी है और यह काफी वृद्धि दर्शाती है लेकिन निर्यात से लाभप्रदता नकारात्मक रही है। तथापि, क्षति विश्लेषण के लिए घरेलू तथा निर्यात बाजार की कीमत तथा लाभप्रदता को अलग-अलग कर दिया गया। और, यदि कंपनी के निर्यात निष्पादन की वजह से कोई क्षति हुई है तो इसका कारण पाटित आयात नहीं बन सकते हैं।

छ) **उत्पादकता** - घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में कुल उत्पादन और प्रति कर्मचारी उत्पादकता की दृष्टि से सुधार हुआ है। अतः यह घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं बन सकता है।

143. इच्छुक पक्षकारों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि प्राधिकारी को अपने क्षति निर्धारण का एकमात्र आधार बाजार हिस्से में हानि, कम क्षमता उपयोग एवं लाभप्रदता के अनुसार नहीं बनाना चाहिए बेशक इसके लिए कतिपय सकारात्मक कारक और यह तथ्य क्यों नहीं हों कि याचिकाकर्ता को बीआईएफआर के तहत एक रुग्ण औद्योगिक कंपनी के रूप में पंजीकृत किया गया है और उसे हुई क्षति, यदि कोई हो, स्वनिर्मित है। जहां तक बीआईएफआर तथा स्व-निर्मित क्षति का संबंध है, प्राधिकारी नोट करता है कि इस कंपनी को बीआईएफआर द्वारा एक रुग्ण एकक के रूप में पंजीकृत किया गया क्योंकि उसके पेट्रो-केमिकल व्यवसाय में हानियों के कारण उसकी निवल आय में लगातार गिरावट आती रही और अंत में पेट्रो-केमिकल व्यवसाय समाप्त हो गया। संपूर्ण रबड़ रसायन यूनिट अब धीरे-धीरे रास्ते पर आ रहा है जैसाकि इच्छुक पक्षकारों द्वारा इस कंपनी की वार्षिक रिपोर्टों के हवाले से उल्लेख किया गया है। इस कंपनी के अच्छे कार्य-निष्पादन के बावजूद विचाराधीन उत्पाद में वास्तविक क्षति हुई है जैसाकि आवश्यक क्षति-कारकों की उपरोक्त जांच से इंगित होता है, क्योंकि संबद्ध देशों/क्षेत्रों से पाटित आयात हुए हैं। क्षति संबंधी विश्लेषण से अक्षतिकारी कीमत के निर्धारण में शामिल उत्पादों की वजह से हुई क्षति से विविलयित एकक के कारण हानियों एवं खर्चों, यदि कोई हो के आगे लाए गए प्रभावों को अलग किया गया है।

144. उपरोक्त असंबद्ध विश्लेषण से यह परिलक्षित होता है कि किसी अन्य कारक नहीं बल्कि पाटित आयातों की वजह से घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

#### ज.5.4. कारणात्मक संबंध साबित करने वाले कारक

145. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन के विश्लेषण से यह परिलक्षित होता है कि घरेलू उद्योग का निष्पादन संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण वास्तविक रूप से बिगड़ा है। अतः पाटित आयातों तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध निम्नलिखित आधारों पर साबित किया जाता है -

1. पाटित आयातों की कीमतें और संबद्ध देशों से हुए आयातों की लैंडेड कीमत में तीव्र गिरावट आई है जिसके परिणामस्वरूप काफी कीमत कटौती हुई है। प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में घरेलू उद्योग को कीमत कम करने के लिए बाध्य होना पड़ा।



2. घरेलू उद्योग द्वारा बिक्री कीमत में कटौती के परिणामस्वरूप इस कंपनी के लाभ, नकद प्रवाह तथा निवेश पर आय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है ।
  3. हालांकि आयात कीमतों में गिरावट का घरेलू उद्योग ने प्रतिक्रिया की है लेकिन सकारात्मक कीमत कटौती के परिणामस्वरूप संबद्ध देशों से हुए आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है । प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में घरेलू बाजार हिस्से में गिरावट आई ।
  4. घरेलू उद्योग की कीमत कटौती तथा बाजार हिस्से में परिणामी गिरावट होने के कारण क्षमता उपयोग पिछले स्तर तक नहीं पहुंच सका है । घरेलू उद्योग बिक्रियों में वृद्धि नहीं कर सका जिसके परिणामस्वरूप मांग में वृद्धि के बावजूद उत्पादन तथा क्षमता उपयोग में कमी आई है ।
  5. मांग में वृद्धि तथा घरेलू उद्योग द्वारा बिक्री कीमतों में कटौती किए जाने के बावजूद घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है क्योंकि आयातों की लैंडेड में काफी गिरावट हुई । इससे घरेलू उद्योग की वृद्धि में बाधा आई ।
146. अतः प्राधिकारी निष्कर्ष देता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति होती है और इस क्षति का कारण संबद्ध देशों/क्षेत्रों से पाटित आयात का होना है ।

### झ. क्षति की मात्रा तथा क्षति मार्जिन

147. प्राधिकारी द्वारा निर्धारित अक्षतिकारी कीमत की तुलना क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए निर्यात के लैंडेड मूल्य से की गई है । इस निर्धारण के प्रयोजनार्थ लैंडेड मूल्य की गणना संबद्ध देशों/क्षेत्रों के संबंधित निर्यातकों के लिए निर्यातों की भारित औसत सीआईएफ कीमत में 1% सुपुर्दगी प्रभार तथा आधारिक सीमाशुल्क जोड़ने के बाद की गई है । तदनुसार, क्षति मार्जिन निम्नानुसार अपनाए जाने का प्रस्ताव है:-

उत्पाद	देश/क्षेत्र	निर्यातक	लैंडेड मूल्य अम. डा./किग्रा.	एनआईपी अम. डा./किग्रा.	क्षति मार्जिन अम. डा./ किग्रा.	क्षति मार्जिन %
पीएक्स-13	ईयू	फ्लेक्सीस	***	***	***	15-25%
		एनटी	***	***	***	25-30%
	ईयू	एएमवीएच	***	***	***	25-30%
		अन्य सभी	***	***	***	25-30%
चीनी		सभी निर्यातक	***	***	***	25-30%

	ताइपेई					
एमओआर	ईयू	लांक्सेस, एनवी	***	***	***	5-15%
	ईयू	अन्य सभी	***	***	***	10-20%
	यूएसए	सभी निर्यातक	***	***	***	15-25%
	चीन	सभी निर्यातक	***	***	***	10-20%
टीडीक्यू	ईयू	जनरल क्यूमिका एसए	***	***	***	20-30%
	ईयू	अन्य सभी निर्यातक	***	***	***	20-30%
	चीनी ताइपेई	सभी निर्यातक	***	***	***	15-25%

#### ट. निष्कर्ष:

148. इच्छुक पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों तथा किए गए निवेदनों और प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों जैसाकि इस जांच में रिकार्ड किया गया है, की जांच करने के पश्चात प्राधिकारी यह निष्कर्ष देता है कि:

- भारतीय बाजार में संबद्ध माल का प्रवेश संबद्ध देशों/क्षेत्रों से निर्यातक देशों के घरेलू बाजार में उनके सामान्य मूल्यों से कम कीमत पर हुआ है;
- घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;
- और, घरेलू उद्योग को हुई क्षति, संबद्ध देशों/क्षेत्रों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध माल के पाटित आयातों की मात्रा तथा कीमत दोनों के कारण रही है।

#### ठ. भारतीय उद्योग के हित तथा अन्य मुद्दे:

149. प्राधिकारी नोट करता है कि सामान्य रूप में पाटनरोधी शुल्कों का प्रयोजन घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना होता है जोकि पाटन की अनुचित व्यापार पद्धतियों द्वारा होती है, ताकि भारतीय बाजार में मुक्त तथा उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति पुनः स्थापित की जा सके जोकि देश के सामान्य हित में आवश्यक भी है। पाटनरोधी उपाय किए जाने के परिणामस्वरूप संबद्ध देश से हो रहे आयातों को किसी भी तरह से रोका नहीं जा सकेगा

और इसलिए इनका उपभोक्ताओं को उस उत्पाद की उपलब्धता पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

## ड. सिफारिशें

150. प्राधिकारी ने पाटन, क्षति तथा घरेलू उद्योग को पाटन तथा क्षति के बीच कारणात्मक संबंधों की जांच प्रारंभ एवं संपन्न की, जैसाकि निर्धारित नियमावली में विहित है, और संबद्ध देशों के विरुद्ध सकारात्मक पाटने मार्जिन की पुष्टि होने और यह निष्कर्ष देने के बाद कि घरेलू उद्योग को ऐसे पाटित आयातों की वजह से वास्तविक क्षति होती है, प्राधिकारी की राय है कि पाटन तथा घरेलू उद्योग को हो रही क्षति को समाप्त करने हेतु निश्चयात्मक उपाय किए जाने की आवश्यकता है । तदनुसार, प्राधिकारी नीचे निर्धारित रूप तथा तरीके में निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करता है ।
151. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए अपेक्षतया कम शुल्क संबंधी नियम को देखते हुए, प्राधिकारी पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन से कम की बराबर राशि का निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करता है जिससे घरेलू उद्योग को हो रही क्षति समाप्त की जा सके । तदनुसार, नीचे दी गई शुल्क संबंधी तालिका के कॉलम 9 में इंगित राशि के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करता है जो इस संबंध में संबद्ध देशों/क्षेत्रों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध माल के सभी आयातों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा लगाया जाएगा ।

### शुल्क तालिका

क्र.स.	उप-शीर्ष अथवा टैरिफ मद	माल का विवरण	विशेष विवरण	उद्भव का देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	माप की इकाई	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
<b>पीएक्स-13</b>										
1	381212, 381220, 381230, 293429, 292519, 292520	रबड़ केमिकल पीएक्स-13	एंटी-डिग्रेडेटर- [ एन-1,3-डिमिथाइल बुटाइल-एन फिनाइल पेराफिनाइलिन डाइमाइन (6पीपी डी)]	यूरोपियन यूनियन	यूरोपियन यूनियन	मै. फ्लेक्सीस एनपी, बेल्जियम	कोई	562	मी. टन	अम. डा.
2.	-वही-	-वही-	-वही-	यूरोपियन यूनियन	यूरोपियन यूनियन	मै. लाक्सेस जीएमबीएच जर्मनी.	कोई	816	मी. टन	अम. डा.
3	-वही-	-वही-	-वही-	यूरोपियन यूनियन	यूरोपियन यूनियन	उपरोक्त से इतर कोई	कोई	840	मी. टन	अम. डा.

4.	-वही-	-वही-	-वही-	यूरोपियन यूनियन	चीनी ताइपेई से इतर कोई	कोई	कोई	840	मी. टन	अम. डा.
5.	-वही-	-वही-	-वही-	चीनी ताइपेई से इतर कोई	यूरोपियन यूनियन	कोई	कोई	840	मी. टन	अम. डा.
6.	-वही-	-वही-	-वही-	चीनी ताइपेई	चीनी ताइपेई	कोई	कोई	740	मी. टन	अम. डा.
7.	-वही-	-वही-	-वही-	चीनी ताइपेई	कोई	कोई	कोई	740	मी. टन	अम. डा.
8.	-वही-	-वही-	-वही-	कोई	चीनी ताइपेई	कोई	कोई	740	मी. टन	अम. डा.

## एमओआर

9.	-वही-	रबड़ केमिकल एमओआर	एक्सीलेरेटर्स- एन- ऑक्सीडाई थिलीन-2- बेंजोथियाजोल सल्फेनामाइड [ 2- मोरफुलिनोथि ओ बेनोथियाजोल ] (एमबीएस)	यूरोपियन यूनियन	यूरोपियन यूनियन	मै0 लांक्सेस एनबी, बेल्जियम	कोई	350	मी. टन	अम. डा.
10	-वही-	-वही-	-वही-	यूरोपियन यूनियन	यूरोपियन यूनियन	उपरोक्त से इतर कोई	कोई	490	मी. टन	अम. डा.
11	-वही-	-वही-	-वही-	यूरोपियन यूनियन	सं. रा. अम. से इतर कोई	कोई	कोई	490	मी. टन	अम. डा.
12	-वही-	-वही-	-वही-	सं. रा. अम. से इतर कोई	यूरोपियन यूनियन	कोई	कोई	490	मी. टन	अम. डा.
13	-वही-	-वही-	-वही-	सं. रा. अम.	सं. रा. अम.	कोई	कोई	510	मी. टन	अम. डा.
14	-वही-	-वही-	-वही-	सं. रा. अम. से इतर कोई	सं. रा. अम.	कोई	कोई	510	मी. टन	अम. डा.
15	-वही-	-वही-	-वही-	सं. रा. अम.	कोई	कोई	कोई	510	मी. टन	अम. डा.
16	-वही-	-वही-	-वही-	चीन	चीन	कोई	कोई	450	मी. टन	अम. डा.
17	-वही-	-वही-	-वही-	चीन	ईयू तथा सं. रा. अम. से इतर कोई	कोई	कोई	450	मी. टन	अम. डा.
18	-वही-	-वही-	-वही-	ईयू तथा सं. रा. अम.	चीन	कोई	कोई	450	मी. टन	अम. डा.

				से इतर कोई						
टीडीक्यू										
19	-वही-	रबड़ केमिकल टीडीक्यू	एंटी- ऑक्सीडेंट्स- पोलिमराइज्ड 2, 2,4- ट्राइमिथाइल- 1,2 डाइहाइड्रोकि- लीन	यूरोपियन यूनियन	यूरोपियन यूनियन	मै. जनरल क्यूमिका एसए, स्पेन	कोई	282	मी. टन	अम. डा.
20	-वही-	-वही-	-वही-	यूरोपियन यूनियन	यूरोपियन यूनियन	उपरोक्त के अलावा कोई	कोई	327	मी. टन	अम. डा.
21	-वही-	-वही-	-वही-	यूरोपियन यूनियन	कोई	कोई	कोई	327	मी. टन	अम. डा.
22	-वही-	-वही-	-वही-	कोई	यूरोपियन यूनियन	कोई	कोई	327	मी. टन	अम. डा.
23	-वही-	-वही-	-वही-	चीनी ताइपेई	चीनी ताइपेई	कोई	कोई	270	मी. टन	अम. डा.
24	-वही-	-वही-	-वही-	चीनी ताइपेई	ईयू से इतर कोई	कोई	कोई	270	मी. टन	अम. डा.
25	-वही-	-वही-	-वही-	ईयू से इतर कोई	चीनी ताइपेई	कोई	कोई	270	मी. टन	अम. डा.

### ढ. अगली प्रक्रिया:

152. इस सिफारिश के आधार पर केन्द्रीय सरकार के आदेशों के विरुद्ध कोई भी अपील उक्त अधिनियम के संगत उपबंधों के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क, सेवा शुल्क अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की जाएगी ।
153. प्राधिकारी उक्त अधिनियम के संगत उपबंधों और समय-समय पर इस संबंध में जारी सार्वजनिक सूचनाओं के अनुसार समय-समय पर इनमें यथा अनुशंसित निश्चयात्मक उपायों को जारी रखने, उनमें संशोधन करने या उनकी समाप्ति की आवश्यकता की समीक्षा कर सकेगा । प्राधिकारी द्वारा ऐसी समीक्षा के लिए किसी अनुरोध पर तब तक कोई विचार नहीं किया जाएगा जब तक कि कोई इच्छुक पक्षकार इसे, इस उद्देश्य हेतु निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रस्तुत नहीं करता है ।

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY****(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 16th August, 2005

**Final Finding**

**Sub : Anti-dumping Investigation concerning imports of Certain Rubber Chemicals (MOR, PX-13 and TDQ) originating in or exported from the European Union, USA, China PR and Chinese Taipei.**

**A. Background and Initiation**

No. 14/13/2004-DGAD.—**Whereas**, on the basis of an application filed by M/s National Organic Chemicals Industries Ltd. (herein after referred to as NOCIL or petitioner) alleging dumping of Certain Rubber Chemicals namely MOR, PX13 and TDQ (herein after referred to as subject goods) originating in or exported from the European Union, USA, Chinese Taipei and People Republic of China (hereinafter referred to as subject countries/ territories), the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), initiated an investigation vide notification dated 17<sup>th</sup> August 2004, in accordance with Rules 5(5) of the Antidumping Rules to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.,

**2 And Whereas**, the Authority notified its preliminary findings vide notification dated 8<sup>th</sup> April 2005, published in the Gazette of India Extraordinary, recommending imposition of provisional antidumping duty on the subject goods imported from the subject countries/ territories. The Central Government vide Notification No. 63/2005- Customs Dated 7<sup>th</sup> July 2005 imposed provisional antidumping duty on the subject goods.

**B. Further Procedure**

**3.** Procedure described below has been followed with regard to this investigation after notification of the Preliminary Findings of the Authority in respect of the above investigation.

- (i) The Designated Authority sent copies of preliminary finding dated 8<sup>th</sup> April 2005 to all interested parties to this investigation, including the Embassies/representatives of the subject countries/territories in India, cooperating exporters from the subject countries/territories, domestic industry and the importers participating in the investigation requesting them to make their views known in writing within 40 days of the notification of the preliminary findings..
- ii) The following exporters, from the subject countries/territories have filed their questionnaire response to the initiation of the investigation and made substantive submissions after the preliminary findings:

1. M/s Flexsys NV, Belgium
2. M/s Lanxess NV, Belgium
3. M/s Lanxess GmbH, Germany
4. M/s General Quimica SA, Spain

iii) While M/s J.K Industries Ltd. filed its importers questionnaire response, the following importers and other interested parties have filed their responses/comments at different stages of the investigation:

- a) M/s Lanxess India Pvt. Ltd
- b) M/s Automotivre Tyres Manufactureres Association (ATMA)

The Delegation of the European Union has also made a brief submission after the preliminary findings, which have been taken on record by the Authority.

- iv) The comments of the interested parties in response to the initiation of the investigation and the preliminary findings have been taken on record and the Authority has examined the issues raised therein in this finding.
- v) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;
- vi) For the sake of brevity the comments of various interested parties and issues raised prior to the preliminary findings and addressed therein have not been repeated in this finding.
- vii) The Authority held a public hearing on 27<sup>th</sup> April 2005 to provide an opportunity to all interested parties to present there views. The oral submissions made by the parties during the public hearing reproduced in writing have been taken on record for the purpose of this investigation.
- viii) The Authority issued disclosure statements to all interested parties to this investigation on 22<sup>nd</sup> July 2005 intimating the essential facts under consideration by the Authority and methodology of determination proposed to be adopted by the Authority, and calling for the comments of the interested parties to the said disclosure. Only the domestic industry and the exporters from the European Union have filed their comments to the disclosure statement. Comments of the interested parties, to the extent they are relevant have been considered by the Authority in this finding.
- ix) The Authority has examined the confidentiality claims of various interested parties in respect of the data submitted by them. The information, which is by nature confidential or which has been provided on a confidential basis by the interested parties' alongwith non-confidential summary thereof, has been treated confidential. \*\*\*\*\* in this Notification represents information furnished by the petitioner on confidential basis and so considered by Authority under the Rules;

- ix) Investigation was carried out for the period starting from 1<sup>st</sup> January 2003 to 31<sup>st</sup> December 2003 (POI) for the dumping determination and the trends for injury investigation was examined for a period from 2000-01 to 2002-03 and POI

### **C. Products under Consideration and Like Article**

4. As recorded in the preliminary findings the products under consideration in this investigation are three specific rubber chemicals used in manufacture of rubber products, namely: i) Anti-Degradants : **PX 13** ii) Accelerators: **MOR** ii) Antioxidant : **TDQ**. Since the details of the products have been described in the preliminary findings, for the sake of brevity the same is not repeated in this finding.

#### **C.1 Classification**

5. ATMA has argued that there is no such classification as 'rubber chemicals'. The chemicals are classified as rubber accelerators, compound plasticizers, and anti-oxidizing preparations. The classification of the subject chemicals into rubber chemicals is probably done on the basis of use of those chemicals whereas there is no such classification in customs tariff.

6. The Authority notes that the products under consideration are chemicals used in the rubber industry and therefore, in generic term they are known as rubber chemicals. It is further noted that there is no dedicated ITC HS Classification or tariff head for the subject goods and products under consideration are classified under various sub-headings of customs classification heads 38.12.10, 38.12.20 and 38.12.30 as well as under 29.34.20 and 29.25.20 (at six digit levels) of the Customs Tariff Act and ITC HS classification. Therefore, these products covered under various sub-heads have been covered under this investigation. The Customs and ITC HS classifications are however, indicative only and are in no way binding on the scope of the present investigation.

#### **C.2 Views of the interested parties**

7. The interested parties, in their various submissions, have argued that the Designated Authority should not have initiated a combined investigation covering three distinctive and separate rubber chemicals i.e. PX-13, MOR and TDQ in a single investigation. They have argued that the Authority ought to have treated each of the four Rubber Chemicals separately as the markets, exporters, importers; producers and users may be different for each of these products. Therefore, taking them together would exclude meaningful cooperation from a number of parties in India, which would distort the facts. They have also argued that it is not possible to reach any determination on injury or volume/price effects without disaggregating the import data separately for each of the chemicals covered by the concerned tariff head. They have further argued that domestic industry has itself admitted that rubber chemicals involved are three different products which are not *inter se* substitutable. It was therefore incumbent upon the Authority to initiate separate investigations so that the dumping, injury and causal link analysis can be done in a meaningful way.



8. The domestic industry has argued that the subject goods are broadly used in treating rubber and rubber compounds and there is a great amount of commonality with regard to producers and consumers. Therefore, a common investigation was more appropriate than investigating all the products separately, as long as all analysis are conducted separately for the products under consideration. They have further argued that there are past precedence where the Authority had investigated multiple products in a single investigation.

### C.3 Examination by the Authority

9. The Authority notes that neither the Agreement nor the Antidumping Rules prohibits in any manner investigation of multiple products in one investigation. As long as the individual domestic products and the individual export products are like articles, and injury determination can be conducted against individual products, there is no explicit restriction in the Agreement to limit the investigation to single product as has been argued by the interested parties.

10. The Authority further notes that the products under consideration, in the present investigation, are three distinct yet same general category of rubber chemicals used in the rubber industry. The domestic industry is same for these rubber chemicals, which manufactures all these chemicals in the same manufacturing facilities. Therefore, initiation of a combined investigation was most ideal in this situation to optimize use of resources for such investigations.

The Authority also notes that the initiation notification has amply clarified that both dumping and injury investigations are to be carried out in respect of individual products. The Authority also notes that the standing requirement of the domestic industry has also been examined with respect to individual products. Therefore, the arguments of the interested parties in this respect do not appear to be valid.

### D. LIKE ARTICLES

11. The applicant has claimed that each individual product included in the application is a stand-alone product and does not have inter se substitutability with other rubber chemicals. These are specific chemicals used in specific recipe used for manufacture of different types of rubber products and cannot be substituted for other chemicals though they are generally known as accelerators, anti-oxidants and anti-degradant. Moreover, the rubber chemicals included in the present application are also not *inter se* substitutable or *inter se* like products as these materials are used for specific end applications. Therefore, dumping margins and all other analysis, including injury to the domestic industry has been done on individual products.

12. These individual products are known by their chemical, as well as trade names world-over and there is no difference between the product manufactured by them and the import products. There is no difference in the products produced by the domestic industry and imported from subject country. The products are being directly imported by the tyre industry and also by traders for supply to other industries. The consumers are using the domestic and corresponding import products interchangeably.

13. The individual products produced by the domestic industry and imported from subject countries/territories are identical in all essential characteristics and therefore, like articles within the meaning of the term as per the Rules.

## **E. DOMESTIC INDUSTRY**

### **E.1 Views of the interested parties**

14. The interested parties have reiterated their views on the standing of the domestic industry and have argued that the standing should have been examined vis-a vis the production by other Indian producers. They have argued that the Authority 'may' and not 'shall' exclude the producers having imports in their name or related to importers from the scope of domestic industry. Hence, the Authority must first decide whether it will include or exclude producers, who may also be importers, from the scope of domestic industry. It is only then that the domestic industry standing of NOCIL may be determined and a finding to this effect should be given by the Authority. They have also questioned the statement of the domestic industry that the other producers of the subject goods have either stopped production or turned traders. The domestic industry has argued that these producers have substantially exited from the production of the subject goods and resorted to imports

### **E.2 Examination by the Authority**

15. The application for the investigation has been filed by M/s. NOCIL, Mumbai. M/s Bayer India Ltd., M/s ICI Ltd. and M/s Merchem Ltd. are the other manufacturers of some of these products under consideration. However, it has been argued by the domestic industry that all of them have either ceased to produce the subject goods because of the dumped imports or substantially reduced their production and turned themselves into importer of the subject goods. All the three companies were asked by the Authority to provide necessary information on their capacity, production, sales and imports of the subject goods and also to confirm their support or opposition to the application. However, no response was received from these producers except from M/s ICI Ltd. who opposed the investigation.

16. Transaction-wise import data provided by DGCI&S and other sources show that these companies have substantial imports of these products during the period of investigation. As far as Bayer India is concerned, the Company is related to M/s Bayer GmbH, a major producer and exporter of the subject goods to India from its manufacturing facilities located at different locations. However, these producers did not respond to a specific request from the Authority, prior to initiation of the investigation, seeking information from these domestic manufacturers and their support or opposition to the application. Therefore, the Authority concluded that there is no viable opposition to the investigation from any other domestic producers and in view of their importers status these domestic manufacturers do not qualify to be included in the domestic industry domain in terms of Article 4.1 (i) of the Agreement.

17. The applicant is a multi-product manufacturer of organic chemicals. The Authority notes that the plant capacity of the petitioner, for the individual products under consideration, is dedicated. Taking into consideration the production of the individual chemicals (subject products under consideration) of the petitioner company and after disallowing the production of the producers who have substantial imports of respective products, the applicant company commands a major proportion of the total domestic production of the products under consideration namely, PX-13, MOR and TDQ. In view of the above the Authority holds that the applicant commands the standing and fulfils the requisite criteria to represent the domestic industry, as required under Rule 5(a) and (b) and Rule 2(b) of AD Rules.

#### **F. De Minimis Limits**

18. Automotive Tyre Manufacturers Association has argued that EU cannot be treated as a single territory for the purpose of Antidumping investigation and imports from several EU member countries are either nil or de minimis. In this connection the Authority notes that Section 9A (1), read with Rules 2 (f) and Rule 10 provides that when an article is exported from any 'country' or 'territory' [as defined under Rule 2(f)] to India at less than its normal value, the Authority can investigate and recommend imposition of antidumping duty subject to the provisions of the said Rules. For the purpose of this investigation the European Union has been treated as a single customs territory and the preliminary findings were issued accordingly. Therefore, the arguments of the importer have not been accepted.

19. As per the import data received by the Authority from the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) and other secondary sources the imports of the individual products from the subject countries/territories are above the de minimis level.

#### **G. Other submissions and issues raised**

20. The interested parties have reiterated their views on various aspects of the investigation in their post-preliminary finding and post-disclosure submissions, without repeating their arguments on various issues these arguments to the extent they are relevant have been summarized as follows:

##### **G.1 Exporters and other interested parties**

21. The exporters and other interested parties have inter alia argued

- That the applicant industry i.e. NOCIL has filed incomplete and inaccurate information or used excessive confidentiality in respect of information on estimates of normal value and dumping margin thereby violating the disclosure requirements as per the law;
- That the Authority must disclose detailed import data and methodology adopted for determination of the injury, including the injury margin and the non-injurious price considered for this purpose;

- That for several years up to 2004 there had been a serious slump in prices of rubber chemicals as a result of over capacity in the world market and all manufacturers including the domestic industry in this case suffered loss on a sustained basis. However, shortly prior to the initiation of this investigation a dramatic reversal in this trend has commenced and the prices have risen sharply as a result of rationalization of global capacities and down-sizing of production of major global producers. This has benefited all manufactures of rubber chemicals and therefore, there is no need for any protection to the domestic industry in this scenario.
- That while the POI has been taken as a calendar year the injury investigation period covers three previous financial year and one calendar year (POI) thereby overlapping a quarter. It has been argued that such a comparison does not take into account the cyclic pattern of consumption inherent to any industry.
- That the accuracy and adequacy of the data provided by the applicant about the capacity and production of other domestic producers is doubtful and full disclosure in this respect has not been provided. Therefore, the standing determination could be flawed;

## **G.2 Views of the Domestic Industry**

22. The domestic industry, in its post preliminary finding submissions, has argued

- That other domestic producers have not closed production but have suspended their production and resorted to trading and it has been admitted by the interested parties that this industry is undergoing considerable restructuring;
- That as far as overlapping POI and injury period is concerned it is appropriate to compare the performance of the POI (calendar year) with the previous years (accounting years) and such approach is followed by the Authorities under many jurisdictions;
- That it has been conceded by the exporters that the producers world over are having over capacity, which has resulted in losses forcing these global producers to undertake rationalization of capacities;
- That the responses of the cooperating exporters are deficient in many respect and the exporters have resorted to excessive confidentiality; and submissions made by the exporters on non-confidential basis do not permit reasonable understanding of the substance of information provided to the Authority on confidential basis;
- That China has been treated as a non-market economy by the European Commission and USA as well as Indian Authority in several cases and

therefore, it should be treated so in the instant case in terms of para 8 of Annex-1 (as amended) and normal value should be determined accordingly in terms of para 7 of the said annex-1 to the Rule;

### **G.3 Examination by the Authority**

23. The Authority has taken note of various arguments of the interested parties and the issues have been examined in appropriate manner.

24. As far as information on other producers and standing determination is concerned the Authority notes that other known producers of the subject goods were specifically asked by the Authority before initiation of the investigation to provide information on these issues. However, no response was received from these producers. Therefore, the information supplied by the applicant has been accepted as the best information that was reasonably available with the Authority.

25. Regarding estimates of normal value and confidentiality claims of the same, the Authority notes that the domestic industry has provided an estimate of the normal value based on cost of production in the countries of export based on certain data of certain producers and such information are confidential in nature. Therefore, the details of estimates, and elements of costs, which are based on certain confidential data, could not be disclosed. However, the Authority notes that the normal values in the countries of exporters have been determined based on the cooperating exporters data, to the extent the data was made available by them. Therefore, the interests of the exporters have not been affected by non-disclosure of estimates of the normal value in any manner. The Authority also notes that the confidential information provided by any interested party, including the applicant, without sufficient non-confidential summary are liable to be ignored by the Authority and Authority is at liberty to proceed with facts available with it. The Authority further notes that the confidentiality claims of domestic industry have been carefully considered by the Authority. The applicant being a multi-product company, the information relating to its production and sales have been claimed as confidential and have been treated so by the Authority and indexed data in respect of all the information have been adequately provided in the disclosures for a meaningful understanding of the same. Therefore, the argument of the exporter in this respect has not been found to be valid.

26. As far as issue of POI and injury period is concerned, the Authority notes that the POI cannot and need not always be the same as the financial/ accounting year or calendar year. The POI would vary depending upon the time of initiation of the investigation. Therefore, it would not be practicable to adopt a uniform POI and injury investigation period. Since twelve-month data is being compared the comparison is considered as reasonable as possible.

27. With regards to the comments of the interested parties regarding changes in certain figures in the disclosures compared to the preliminary findings the Authority notes that the preliminary findings were issued based on certain verified data and desk analysis of certain data/information, which were in the process of

being collected/verified or analysed, whereas the final findings are based on verified data after completion of the investigation. Therefore, certain variation in data is normal. Therefore, the arguments of the interested parties have not been found to be acceptable.

## H. Determination of Dumping Margin

### H.1 Product: PX-13

28. The Authority notes that only two exporter from the European Union i.e M/s Flexsys NV, Belgium and M/s Lanxess GmbH, Germany, have filed their questionnaire response in respect of this product. Though the product is allegedly dumped from Chinese Taipei also, no response has been received from any exporter from Chinese Taipei in respect of this product.

#### H.1.1 M/s Flexsys NV, Belgium

29. M/s Flexsys NV Belgium has filed a detailed questionnaire response to the investigation only in respect of 6 PPD or PX 13 and based on their response and deficiencies therein certain additional information were also called for. The Authority also conducted on-the spot investigation and verification of the data submitted by this exporter and on the basis of the verification conducted detailed verification reports was sent to them for their comments.

30. The Authority notes that this exporter produces 6PPD and sells the same in the domestic market as well as in the Indian market. The product is equivalent of the PX13 manufactured and sold by the domestic producer in India. Therefore, 6PPD constitutes the like product for this exporter and domestic sales data of 6PPD has been accepted for the purpose of determination of the normal value for this exporter.

#### a) Normal Value

31. For the purpose of this investigation the sales within the European Union has been treated as home market sales to determine the normal value of the product. During the POI the Company had \*\*\*\*\* transactions of the product under consideration and the total quantity sold in the EU market are as follows:

	Quantity	Net Value (DDP)	Unit Price (DDP)	Currency	Unit Price US\$ (DDP)	Average Exchange Rate
	KG					
EU other than UK	*****	*****	*****	Euro	*****	1.154
UK	*****	*****	*****	GBP	*****	1.63
Total	*****	*****	*****			

32. The domestic sales are in sufficient quantity and representative for the purpose of determination of the normal value. The transactions are also at arms length.

33. The domestic sale transactions within the EU are Delivered Duty paid basis. Therefore, the exporter has claimed adjustment towards inland transport from the above DDP price to arrive at the Ex-works price. The above adjustment has been verified and weighted average adjustment on account of local transport worked out to US\$\*\*\*\*\* per Kg. The transactions were subjected to ordinary course of trade test against the cost of production verified by the Authority. Since more than 80% of the quantity sold is above the cost of production entire domestic sales have been taken into account for determination of normal value. Accordingly the Normal value of the product under consideration, based on its domestic sales worked out as follows:

	Unit Price US\$/KG	Quantity KG	Adjustment US\$/KG	Net Unit Price US\$/KG
EU other than UK	*****	*****	*****	*****
UK	*****	*****	*****	*****
Weighted Average Normal Value				*****

#### b) Export Price

34. During the POI the exporter exported \*\*\*\*\* MT of the subject goods to India. The exports to India being at CIF prices the export prices have been adjusted towards, Inland freight, commission, handling charges, ocean freight as per their records. Accordingly, the net export price has been worked out as follows:

Quantity (KG)	*****
Gross Value US\$	*****
Commission US\$	*****
Net of Commission US\$	*****
Inland Freight US\$	*****
Handling US\$	*****
Ocean Freight US\$	*****
Net of Freights US\$	*****
Unit Price US\$/KG	*****

#### c) Dumping Margin

35. For the purpose of determination of dumping margin the ex-works normal value and export prices so determined have been compared at the same level of

trade. Accordingly, the dumping margin for this exporter has been determined as follows:

Exporter	Normal Value USD/Kg	Export Price USD/Kg	Dumping Margin USD/Kg	Dumping Margin %
M/s Flexsys NV	*****	*****	*****	26.82%

36. The exporter, in its post disclosure submission, has not commented anything on the dumping determination. Therefore, the dumping determination as above is confirmed.

### G.1.2 M/s Lanxess GmbH, Germany

37. M/s Lanxess GmbH has filed its response for only one product i.e PX-13 (Volkanox 4020). However, the exporter did not fully cooperate with the Authority for determination of its normal value as per the Rules. The exporter has further argued that it is not necessary to make sales at profit for the same to constitute sales in the ordinary course of trade and it is necessary for the Authority to consider the market forces and conditions in operation at relevant time for the products under investigation in order to determine whether sales made at loss would automatically mean that the same were not in the ordinary course of trade. In this connection the Authority refers to the Article 2.2.1 of the Agreement which provides that "sales of the like product in the domestic market of the exporting country or sales to a third country at prices below per unit (fixed and variable) costs of production plus administrative, selling and general costs may be treated as not being in the ordinary course of trade by reason of prices and may be disregarded in determining normal value....." Since the provision of the Agreement is clear in this respect, the arguments of the exporter are not tenable. However, the exporter provided the information pertaining to its exports to India. Accordingly, this exporter has been treated as partially cooperative.

#### a) Normal Value: Lanxess GmbH

38. Since the responding exporter did not fully cooperate in determination of normal value in the country/territory of export, the normal value has been determined on facts available basis in terms of Article 6.8 of the Agreement. For the purpose of this determination the highest transaction value of commercial quantities of the cooperating exporter has been accepted as the normal value for this exporter. The exporter has not claimed any adjustment on its transaction prices and therefore, it is presumed that the price is at the ex-factory level. Accordingly the normal value of PX-13 proposed to be determined as US\$ \*\*\*\*\* per KG

#### b) Export Price: Lanxess GmbH

39. Lanxess GmbH exported \*\*\*\*\* MT of PX-13 to India during the POI at an average CIF price of US\$\*\*\*\*\* per KG. Since the exports to India are at CIF prices adjustments towards inland and ocean freight, insurance and handling charges, and commission are to be deducted from this price to arrive at net ex-works export price.



40. Total Freight cost per MT works out to Euro \*\*\*\*\* per MT. At the average exchange rate of 1 Euro = 1.154 US\$ during the POI the freight cost works out to US\$\*\*\*\*\* per MT (US\$ \*\*\*\*\* per KG)

41. The insurance premium paid by the exporter on its export sales to India was \*\*\*\*\* % of the insured value (CFR value + 10%). Therefore, insurance cost per KG works out to US\$ \*\*\*\*\* per KG.

42. As a group policy the exporter pays a commission of \*\*\*\*\* % to Bayer (Lanxess) India on all export sales to India. The company extracted from its system the data pertaining to the actual commission paid to Bayer on individual transactions to India for verification. Therefore, incidence of Commission per KG of subject good exported to India works out to US\$ \*\*\*\*\* per KG.

43. No difference in domestic and export packing was found for admitting any adjustment. On the basis of the above the net export price for the above exporter for MOR works out as follows:

Average CIF Price	Commission	Freight	Insurance	Net Ex works
Per Kg	Per Kg	Per Kg	Per Kg	Per Kg
*****	*****	*****	*****	*****

### c) Dumping Margins (Lanxess GmbH) PX-13

44. For arriving at the dumping margin the export price has been compared with the normal value at the same level of trade, i.e. at ex-works level, during the POI. The exporter has not claimed any adjustments towards the differences that affect price comparability, including differences in conditions and terms of sales, taxation, levels of trade, quantities, physical characteristics, and any other differences, which are demonstrated to affect price comparability. Accordingly, the dumping margins for the producers/exporters of the subject goods in the subject countries have been determined as under:-

(PX-13)	NORMAL VALUE (\$/Kg)	EXPORT PRICE (\$/Kg)	DUMPING MARGIN (\$/Kg)	DUMPING MARGIN (%)
Lanxess GmbH	*****	*****	*****	40.48%

### G.1.3 All other exporters from EU: PX-13

45. For the non-cooperative exporters from the European Union the Authority has determined the dumping margin based on facts available. Normal Value for the non-cooperative exporters has been determined as US\$\*\*\*\*\* Per Kg based on facts available. Similarly, export price has been determined as US\$\*\*\*\*\* per Kg based on the average CIF export price after allowing for adjustments towards Commissions, inland transportation, ocean freight and insurance as applicable. Accordingly, the dumping margin for all other exporters from the EU works out to US\$\*\*\*\*\* Per Kg (44.54%).

#### **G.1.4 All exporters from Chinese Taipei**

46. The Authority notes that none of the exporters/producers from Chinese Taipei has provided any response or information on the normal value as per the prescribed questionnaire. No argument has been extended by any interested party regarding the provisional determination of dumping in respect of Chinese Taipei. Therefore, the Authority proposes to confirm its finding in respect of this country as follows:

47. The constructed normal value based on estimated cost of production with reasonable profit of the subject good in the Chinese Taipei as per the best information available as per the Rules above has been determined as US\$ \*\*\*\*\* per Kg.

48. The Authority has worked out the weighted average export price of all comparable transaction in respect of imports from the Chinese Taipei to arrive at the CIF export price to India which works out to US\$\*\*\*\*\* PMT. The export price so assessed, being the CIF export price, adjustments towards inland transportation, ocean freight, insurance and commission totaling to US\$ \*\*\*\*\* /Kg based on the facts available, have been considered in view of complete non cooperation by the concerned exporters. Accordingly, net-export price at the ex-factory level has been determined as US\$ \*\*\*\*\* Per Kg.

49. The ex-works normal value has been compared with the normal value so determined at the same level of trade to determine the dumping margin which works out to US\$ \*\*\*\*\* Per Kg (36.86%) for all exporters from Chinese Taipei.

#### **G.2 Product: MOR**

50. The Authority notes that though the subject goods are allegedly being dumped from the European Union, USA and China PR, only one exporter from the European Union i.e M/s Lanxess NV, Belgium has filed a questionnaire response in respect of this product. No response has been received from any exporter from the other countries i.e. USA and China PR in respect of this product.

##### **G.2.1 M/s Lanxess NV, Belgium**

51. As noted in the preliminary findings of the Authority, M/s Lanxess NV, Belgium has filed its questionnaire response for only one product i.e. MOR. Lanxess NV produces and sells vulcanizing accelerator MOR in the name of Vulkacit MOZ which is equivalent of the product under consideration and therefore, there is no issue regarding the like article. However, the exporter failed to fully cooperate with the Authority in determination of normal value of the product. They have further argued that it is not necessary to make sales at profit for the same to constitute sales in the ordinary course of trade and it is necessary for the Authority to consider the market forces and conditions in operation at relevant time for the products under investigation in order to determine whether sales made at loss would automatically mean that the same were not in the ordinary course of trade. In this connection the Authority refers to the Article 2.2.1

of the Agreement which provides that "sales of the like product in the domestic market of the exporting country or sales to a third country at prices below per unit (fixed and variable) costs of production plus administrative, selling and general costs may be treated as not being in the ordinary course of trade by reason of prices and may be disregarded in determining normal value.....". Since the provision of the Agreement is clear in this respect, the arguments of the exporter are not tenable.

52. The exporter however, provided necessary information about its exports to India. In view of their non-cooperation in determination of normal value the exporter has been treated as partially cooperative.

**a) Normal Value: Lanxess NV.**

53. Since the exporter did not fully cooperate with of the Authority to determine the normal value of the above product in terms of the Rules the Authority has determined the normal value on facts available based on the highest commercial transaction value of this exporter. Accordingly the ex-works normal value has been determined as Euro \*\*\*\*\* (US\$ \*\*\*\*\*) per Kg.

**b) Export Price: Lanxess NV**

54. M/s Lanxess NV had exported \*\*\*\*\* MT of MOR to India during the POI out of which \*\*\*\*\* MT was exported to its affiliated concern Bayer (Lanxess) India and rest was exported to other unaffiliated customers. However, no major price difference between the unit price between the prices offered to unaffiliated customers and affiliated customer was found. Since there is no major price difference between unaffiliated and affiliated sales the entire export volume to India was examined for the purpose of arriving at weighted average net ex-works export price of MOR for this exporter. The weighted average CIF price of exports to India during the POI was US\$\*\*\*\*\*. Per KG.

55. Since the exports to India are at CIF prices adjustments towards inland and ocean freight, insurance and handling charges, and commission are to be deducted from this price to arrive at net ex-works export price.

56. Total Freight cost per MT works out to Euro \*\*\*\*\* per MT. At the average exchange rate of 1 Euro = 1.154 US\$ during the POI the freight cost works out to US\$\*\*\*\*\* per MT (US\$ \*\*\*\*\* per KG)

57. The insurance premium paid by the exporter on its export sales to India was \*\*\*\*\* % of the insured value (CFR value + 10%). Therefore, insurance cost per KG works out to US\$ \*\*\*\*\* per KG.

58. Incidence of Commission @ of \*\*\*\*\* % of CIF price per KG of subject good exported to India works out to US\$ \*\*\*\*\* per KG.

59. No difference in domestic and export packing was found for admitting any adjustment.

60. On the basis of the above the net export price for the above exporter for MOR works out as follows:

Average CIF Price	Commission	Freight	Insurance	Net Ex works
Per Kg	Per Kg	Per Kg	Per Kg	Per Kg
*****	*****	*****	*****	*****

**c) Dumping Margin: Lanxess NV (Product MOR)**

61. Since no other adjustments have been claimed or substantiated by the exporter ex-works Normal Value so determined on facts available basis has been compared with the ex-works export price to India at the same level of trade and the dumping margin works out to US\$\*\*\*\*\* per Kg i.e. 24.4 % of the export price.

**G.2.2 All other exporters from EU**

62. Normal value for all other exporters from the EU determined provisionally in the preliminary findings is confirmed as no other material facts have been placed before the Authority to revise the same. Accordingly, the normal value for all other exporters from the EU has been determined as US\$ \*\*\*\*\* per Kg on facts available basis.

63. Ex-works Export Price has been determined on the basis of average export price from the European Union after allowing for adjustments towards commissions, inland freight, ocean freight and insurance. Average CIF price of the subject goods from the EU has been determined as US\$\*\*\*\*\* per Kg. After allowing adjustments towards ocean freight, inland freight, insurance commission etc. the net ex-work export price works out to US\$\*\*\*\*\* per Kg

64. Accordingly, dumping margin for all non-cooperative exporters from the EU works out to US\$ \*\*\*\*\* per Kg (29.06%).

**G.2.3. All exporters from the USA**

65. As noted in the preliminary findings none of the exporters/producers from the USA has provided any response or information on the normal value as per the prescribed questionnaire. The interested parties have also not provided any additional material facts before the Authority requiring a review of the estimated normal value, export price and dumping margin for the exports from the USA. Therefore, the Authority confirms its findings in respect of this country as per the best available information in terms of the Rules 6(8) *supra* as follows:

66. Normal Value of MOR for all exporters from the USA is proposed to be confirmed as US\$\*\*\*\*\* per Kg.

67. The Authority has worked out the weighted average export price of all comparable transaction in respect of imports from the USA to arrive at the CIF export price to India which works out to US\$\*\*\*\*\* per Kg. The export price so assessed, being the CIF export price, adjustments towards inland transportation,

ocean freight, insurance and commission totaling to US\$ \*\*\*\*\* /Kg based on the facts available, have been considered in view of complete non cooperation by the concerned exporters. Accordingly, net-export price at the ex-factory level has been determined as US\$\*\*\*\*\* Per Kg.

68. The ex-works normal value has been compared with the normal value so determined at the same level of trade and the dumping margin is proposed to be determined as US\$\*\*\*\*\* Per Kg (40%) for all exporters from the USA.

#### **G.2.4 All exporters from China**

69. The Authority notes that none of the exporters/producers from China PR has provided any response or information on the normal value as per the prescribed questionnaire or rebutted the non-market economy presumption against Chinese exporters. The Authority therefore, holds that none of the exporters from China PR has cooperated with the Authority as envisaged under the Rules. Para 8 of Annex II of the Rules provides that for the exporters from the non-market economy countries the normal value can be determined on the basis of cost of production and a reasonable profit for the product under consideration in an appropriate third country including India. The interested parties have argued that the Authority should have notified the appropriate third country before selecting India as the appropriate third country for determination of normal value in terms of para 7 of Annex II of the Rules. However, the Authority notes that there is no cooperation from any exporter from China and no material facts have been placed by any interested parties for selection of an appropriate third country. Therefore, the Authority has constructed the normal value in China based on estimated cost of production in China with reasonable profit. For estimating the cost of production, international price of raw material and conversion cost based on best available information has been relied upon. Accordingly, the Constructed Normal Value of MOR for all exporters from China has been determined as US\$ \*\*\*\*\* per Kg.

70. The Authority has worked out the weighted average export price of all comparable transactions in respect of imports from the China PR to arrive at the CIF export price to India which works out to US\$\*\*\*\*\* /Kg. The export price so assessed, being the CIF export price, adjustments towards inland transportation, ocean freight, insurance and commission totaling to US\$ \*\*\*\*\* per Kg based on the facts available, have been considered in view of complete non cooperation by the concerned exporters. Accordingly, net-export price at the ex-factory level has been determined as US\$\*\*\*\*\* Per Kg.

71. The ex-works normal value has been compared with the normal value so determined to determine the dumping margin which works out to US\$ \*\*\*\*\* Per Kg (37.45%) for all exporters from China PR.

#### **G.3 Product TDQ**

72. The Authority notes that TDQ is allegedly dumped from the European Union and Chinese Taipei. However, only one exporter from the European Union i.e. M/s General Quimica SA, has filed its questionnaire response in respect of

this product. M/s Lanxess GmbH, Germany has provided only data regarding their domestic selling price of the product in the EU market and has submitted that this product is not exported by them to India but their domestic sales prices have been provided to help the Authority for an objective determination in respect of this product. No other exporter from Chinese Taipei has filed any response to the initiation in respect of this product.

### G.3.1 M/s General Quimica SA

73. M/s General Quimica SA, Spain has filed its questionnaire response in respect of its product Rubatan 184 which is equivalent to the product TDQ. This exporter has significant sale of this product in the domestic EU market and very small volume exported to India. The questionnaire response of this exporter was also verified during on the spot investigation conducted by the Authority and a verification report was also sent to the exporter for their comments. Based on their data the dumping margin for this exporter has been determined as follows:

#### a) Normal Value

74. The normal value for this exporter has been determined as the weighted average of the domestic sale transactions in the ordinary course of trade. The sales are at arms length and in sufficient quantity to be adopted for normal value determination. Accordingly, the normal value works out to Euro \*\*\*\*\* Per MT or US\$\*\*\*\*\* Per MT at the average Exchange Rate of 1 Euro= 1.154 US\$. The domestic sales (within the European Union) are on delivered basis and accordingly the exporter has claimed adjustment towards transportation cost which works out to Euro \*\*\*\*\* per MT on average basis as verified from their records and normal value so determined has been accordingly adjusted to arrive at the ex-factory level. The net-ex-works normal value works out to Euro \*\*\*\*\* PMT (US\$\*\*\*\*\* Per Kg)

#### b) Export Price

75. The exporter had exported only \*\*\*\*\* MT of TDQ to India during the POI at the CIF price of US\$\*\*\*\*\* PMT. The CIF price has been adjusted towards inland freight, insurance, handling charges, ocean freight and insurance for Euro \*\*\*\*\* PMT = US\$ \*\*\*\*\* PMT. No adjustment towards packing is claimed or admissible as all consignments, including domestic and export sales are dispatched in 3 ply paper bags and wooden pallets. Therefore, weighted average net ex-works export price of exports to India has been determined based on the exporter's own data works out to US\$\*\*\*\*\* PMT (US\$\*\*\*\*\* per Kg).

#### c) Dumping Margin

76. Weighted average normal value determined at ex-factory level has been compared with the weighted average net export price determined above and the dumping margin for this exporter is determined as US\$\*\*\*\*\* PMT (US\$ \*\*\*\*\* per Kg) i.e. 29.46%.

### G.3.2 All other exporters from EU

77. The Authority notes that other than Ms General Quimica SA, M/s Iaxness GmbH has provided certain information about its sale of TDQ in its home market as a proof of normal value in the European Union. However, this information has not been substantiated and the levels of trade for these transactions are not known. The exporter has also not provided any information to conduct ordinary course of trade test on these transactions. Therefore, this data could not be relied upon. In view of the above the Authority confirms its determination of dumping margin in respect of all other exporters from the European Union as notified in the provisional findings.

78. The normal value for all non-cooperating exporters in the EU has been determined on the basis of highest domestic transaction value of the cooperating exporter as the best information available. Accordingly, the ex-works Normal value for the non-cooperating exporters from the EU has been determined as US\$\*\*\*\*\* Per MT (US\$\*\*\*\*\* per Kg).

79. The ex-works export price of the subject goods for the non-cooperating exporters have been estimated based on the cooperating exporter's lowest transaction value, after adjusting for ocean freight, inland freight, insurance, handling charges and commission at the rate of \*\*\*\*\* % . Accordingly, the net export price for the non-cooperating exporters is proposed to be determined as US\$\*\*\*\*\* Per MT (US\$\*\*\*\*\* per Kg). Accordingly, the dumping margin for all non-cooperating exporters from the European Union is confirmed as US\$\*\*\*\*\* Per MT (US\$\*\*\*\*\* Per KG) i.e. 34.8%.

### G.3.3 All exporters from Chinese Taipei

80. The Authority notes that none of the exporters/producers from Chinese Taipei has provided any response or information on the normal value as per the prescribed questionnaire. No material facts have also been placed before the Authority after notification of the preliminary findings. Therefore, the Authority proposes to confirm its findings on determination of constructed normal value based on estimated cost of production with reasonable profit of the subject good in the Chinese Taipei as per the best information available. Accordingly, the Normal Value of TDQ for all exporters from the Chinese Taipei is confirmed as US\$ \*\*\*\*\* Per Kg.

81. The Authority has worked out the weighted average export price of all comparable transactions in respect of imports from the Chinese Taipei to arrive at the CIF export price to India which works out to US\$\*\*\*\*\* Per Kg. The export price so assessed, being the CIF export price, adjustments towards inland transportation, ocean freight, insurance and commission based on the facts available, have been considered in view of complete non cooperation by the concerned exporters. Accordingly, net-export price at the ex-factory level has been determined as US\$ \*\*\*\*\* Per Kg.

82. The ex-works normal value has been compared with the normal value so determined at the same level of trade to determine the dumping margin which works out to US\$\*\*\*\*\* Per Kg (32.14%) for all exporters from Chinese Taipei.

**G.4 Dumping Margins: Summary**

Product	Country/ Territory	Exporter	Normal Value	Export Price	Dumping Margin	Dumping Margin %
			US\$/KG	US\$/KG	US\$/KG	
PX-13	EU	Flexsys NV	*****	*****	*****	26.82%
	EU	Lanxess GmbH	*****	*****	*****	40.48%
	EU	All Others	*****	*****	*****	44.54%
	Taiwan	All Exporters	*****	*****	*****	36.86%
MOR	EU	Lanxess NV	*****	*****	*****	24.44%
	EU	All others	*****	*****	*****	29.96%
	USA	All Exporters	*****	*****	*****	40.00%
	China	All Exporters	*****	*****	*****	37.45%
TDQ	EU	General Quimica SA	*****	*****	*****	29.46%
	EU	All other Exporters	*****	*****	*****	34.86%
	Chinese Taipei	All Exporters	*****	*****	*****	32.14%

**H. INJURY AND CAUSAL LINK DETERMINATION****H.1 Views of the Exporters and other interested parties**

83. The views of the interested parties have been noted by the Authority in the preliminary findings. In their respective post-preliminary finding submissions the interested parties, including the exporters from the subject countries and ATMA, have reiterated their arguments in respect of the injury claims of the domestic industry. The basic arguments of these interested parties have been summarized as follows:

- That under the Rules it is the onus of the Designated Authority to come to clear and tacit finding of whether injury caused to the domestic industry is material or non-material and/or injury is negligible;
- That the return on investment claimed by the domestic industry on the basis of which injury has been claimed is unwarranted and untenable;
- That the bench marks of higher profits for the domestic industry is not justified on the basis of profits earned by the foreign producers and profit earned by the domestic industry only is required to be considered for determining NIP for the domestic industry;
- That from the disclosures in the preliminary finding of the Authority it is clear that on critical parameters like capacity, production, sales and cost of production there is an improvement in the performance of the domestic industry and therefore, the injury, if any, in other parameters cannot be treated as 'material injury' to the domestic industry;
- That Article 3.4 of the Agreement casts an obligation on the Authority to examine all the listed factors in respect of all the three distinct products and the Authority must give a complete finding in this respect.
- That the applicant has no *locus standi* to comment about any issues concerning dumping and injury for other domestic producers;
- That the applicant company was declared a sick industrial company under



the Board of Industrial and Financial Reconstruction (BIFR) in the year 2004 and therefore, inability of the applicant to raise fresh investment has nothing to do with the exports of the subject goods from the subject countries/ territories;

- That the supposedly injury to the domestic industry stems from the fact of liability passed on the rubber chemicals division from its petrochemicals division which has been hived off;
- That there is a limited availability of the domestic industry's capacity to attend to the Indian market as their product is also destined for exports. Therefore, it could not be concluded that the increase of the allegedly dumped imports have affected the domestic industry;
- That in view of the volatile prices of the petroleum products worldwide, it is unfair and burdensome to recommend duty on fixed duty basis and Authority ought to consider duty on reference price mechanism if any;
- Lanxess NV and Lanxess GmbH have claimed that they have several cost advantages in respect of availability of basic raw materials and process involved as well as advantage of economies of scale and they are the only competent parties in the investigation to comment on these aspects in view of the fact that they actually manufacture and sale the subject goods in both India and the EU;
- Lanxess India has submitted that in view of the global capacity and demand imbalance Lanxess India has switched production to other niche products as a part of its key business strategy in a difficult market situation (which the petitioner company has failed to do) and not as a result of the alleged dumping.
- That the applicant has selectively used data from two different sources to present a composite data to the Authority ;
- That the applicant's own Annual Reports state that increasingly difficult situation was faced by them due to a combination of low selling prices owing to global over capacity and high raw material prices due to a hardening of crude and petroleum feedstock. This establishes that the applicant did not attribute the difficulties to dumping;
- ATMA has submitted that Increase in imports has not affected the sales volume of the domestic industry and there is no negative relationship between the imports and domestic sales volume. They have argued that the imports have increased only due to the strategic decision of other manufacturers namely M/s Bayer India, M/s Merchem and M/s ICI Ltd. to reduce or stop production with respect to each of the subject rubber chemicals and due to consistent increase in demand;

84. The domestic industry has contested the arguments of the interested parties that the domestic industry does not suffer any material injury on account of the dumped imports from the subject countries/territories and injury if any, is due to factors other than the dumped imports. In its post preliminary finding submissions they have reiterated their claim of injury and causal links and have argued that number of parameters with respect to the performance of the domestic industry has shown declining or deteriorating trends and Improvement or positive trends in some of the parameters are sub-optimal. They have argued that normal impact of increase in capacity, production, sales volume should result in improvement in profit, cash-flow and return in capital employed, whereas in

spite of positive trend in volume terms, the performance of the company has deteriorated in financial terms. Therefore, they have argued that the Authority should confirm its findings of material injury to the domestic industry.

85. The Authority has noted the views expressed by the interested parties in respect of the injury claims of the domestic industry. The mandatory factors of injury have been examined by the Authority in its determination and causal link analysis in these findings to the extent they are relevant and valid.

## **H.2 Cumulative assessment of injury**

86. The Authority notes that the dumped imports are entering the Indian market simultaneously from the subject countries/territories. The issue of cumulative assessment of the injury caused to the domestic industry due to dumped imports from these sources has been examined in terms of Article 3.4 to the Agreement and it is observed that:

- i) The margins of dumping of individual products from each of the subject countries/territories are more than the de minimis limit;
- ii) The volume of imports of individual products from each of the subject countries/territories is more than the limits prescribed;
- iii) The domestic product and product supplied by producers in various countries are like articles;
- iv) Imported products and domestically produced subject goods are interchangeable and are being interchangeably used. Transaction wise information on imports from various countries shows that the imports are being made by actual users in the Rubber industry as well as traders who have purchased the material for reselling. Goods supplied by the countries involved are entering the Indian markets through the same channels of distributions and directly competing in the same market;
- v) Products supplied from the subject countries are being marketed in India during the same period through comparable sales channels and under similar commercial conditions;
- vi) Imports of individual products from each of the subject countries have increased;
- vii) The domestic producer and exporters in the subject countries are selling the product to the same category of consumers;
- viii) Imports from the subject countries are significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market;

Therefore, the Authority has examined the injury to the domestic industry in this case cumulatively covering the imports from all dumped sources.

### H.3 Comparison methodology adopted

87. The products under consideration i.e. MOR, PX-13 and TDQ have been treated as separate and distinct products and are not inter se like products to each other within the meaning of Rule 2(d). Therefore, Authority has assessed injury to the domestic industry individually for each of the subject rubber chemicals. The injury examination has been carried out considering data for the years 2000-2001, 2001-2002, 2002-2003 and Jan.-Dec., 2003 (POI).

88. The Authority notes that the domestic industry is found to be having significant export activities. However, for the purpose of the injury analysis the performance of the domestic industry has been assessed only in respect of domestic market. Therefore, injury if any, caused due to the export performance of the domestic industry has not been attributed to the injury caused on account of its domestic operations.

### H.4 Import data and other issues

89. With regard to the volume of the dumped imports, the Designated Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production and consumption in India.

90. Volume of imports for each of the subject rubber chemical from the subject countries and territories has been analysed based on the data received from DGCI&S and also reported in the secondary source (IBIS). The transaction-wise data reported by IBIS for all Rubber Chemicals have been compared with DGCI&S data for identifying individual products and compilation of data for the individual products. After pruning the data for unrelated products DGCI&S data is proposed to be used for the purpose of the injury determination. The arguments of the interested parties in this respect do not appear to be valid.

### H.5 Examination of Injury Parameters

91. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure –II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, "... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...." In considering the effect the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

92. The Authority notes that the investigation covers three distinct rubber chemicals used in the rubber industry. Therefore, in the preliminary findings the injury determination was conducted treating these products as three different and distinct products and injury caused to the domestic industry on account of individual products was examined separately.

93. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the rules supra.

94. All economic parameters affecting the Domestic Industry as indicated above such as production, capacity utilization, sales volume as well as volume and price effects of dumped imports on the domestic industry have been examined as under:-

#### **H.4.1 Volume Effects of Dumped Imports: Import volumes and market shares**

##### **H.4.1.1 MOR**

##### **a) Import Volumes**

95. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India.

96. On the basis of the examination the import data import volume of MOR works out as follows:

	Qty in MT				
MOR		2000-01	2001-02	2002-03	POI
<b>Import volumes</b>					
EU		922	905	1150	1640
USA		74	34	94	239
China		-	4	40	138
Subject Countries/ Territories (EU+ USA+ China)		996	943	1284	2017
Trend		100	95	129	203
Total Imports MOR		1106	1001	1354	2057
Trend		100	91	122	186
Share of dumped imports		90%	94%	95%	98%

97. The above data indicates that the dumped imports from the subject countries have increased by over 100% over the base year and the dumped imports constitute more than 95% of total imports of this product. The share of dumped imports in the total imports of the subject goods has significantly increased from about 90% in the base year to 98% during the POI. The imports from other sources are negligible

##### **b) Actual and potential effect on Capacity, Production, Capacity Utilization**

98. Performance of the domestic industry in terms of capacity, production, capacity utilization and sales in respect of MOR has been as under:-

MOR	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Capacity(MT)	*****	*****	*****	*****
Indexed	100	100	119	124
Production(MT)	*****	*****	*****	*****
Indexed	100	119	140	137
Capacity utilization (%)	*****	*****	*****	*****
Indexed	100	119	118	110
Domestic Sales(MT)	*****	*****	*****	*****
Indexed	100	116	139	134
Export Sales(MT)	*****	*****	*****	*****
Indexed	100	106	120	139
Demand(MT)	*****	*****	*****	*****
Indexed	100	96	131	149
Market share in Demand (%)	44.7	50.05	47.19	40.26
Inventory(MT)	*****	*****	*****	*****

99. The above data indicates that the dumped imports from the subject countries have increased by over 100% over the base year and the dumped imports constitute more than 95% of total imports of this product. The share of dumped imports in the total imports of the subject goods has significantly increased from about 90% in the base year to 98% during the POI. The imports from other sources are negligible.

**c) Actual and potential effect on sales:**

100. The volume of domestic sales and effects of dumped imports on the domestic sales have been examined in terms of absolute sales of the domestic industry, demands and market shares

MOR	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Domestic sales	*****	*****	*****	*****
Trend	100	116	139	134
Sales of others	570	570	748	640
Trend	100	100	131	112
Total Domestic sales	*****	*****	*****	*****
Trend	100	111	136	128
Imports	1106	1001	1354	2057
Trend	100	91	122	186
Demand	*****	*****	*****	*****
Trend	100	104	131	149
Dumped Imports	996	943	1284	2017
Trend	100	95	129	203
Share of dumped imports in total imports	90.04	94.21	94.83	98.09
<b>Market shares in Demand</b>				
Domestic Industry	45%	50%	47%	40%
Dumped Imports	33%	30%	32%	45%
Others	22%	20%	21%	15%

101 As far as MOR is concerned there is a substantial increase in the demand in the domestic market and the sales of the domestic industry shows substantial increase in absolute volume terms. But the domestic industry has lost substantial

market share to the dumped imports which has more than doubled compared to the base year while the demand has gone up by only 50%. The share of dumped imports in the domestic demand has increased from 33% to 45%.

#### 4.1.2 PX-13

##### a) Import Volumes

	Qty in MT				
PX-13		2000-01	2001-02	2002-03	POI
EU		939	679	2555	2584
Chinese Taipei		131	283	495	568
Subject Countries/Territories		1070	962	3050	3152
(EU + Chinese Taipei)					
Trend		100	90	285	295
Total Import PX-13		1418	1106	3456	3396
Trend		100	78	244	239
Share of dumped imports		75%	87%	88%	93%

102. The above data indicates that the dumped import of the subject good from the subject countries have increased by almost 200% over the base year and dumped imports constitute almost 93% of the total imports. The share of dumped imports in the total imports has significantly increased from 75% in the base year to 93% in the POI. The import from other sources is too small to influence the prices or affect the market share of the domestic industry.

##### b) Actual and potential effect on Capacity, Production, Capacity Utilization

PX-13		2000-01	2001-02	2002-03	POI
Capacity (MT)		*****	*****	*****	*****
Indexed		100	108	177	177
Production (MT)		*****	*****	*****	*****
Indexed		100	112	125	155
Capacity utilization (%)		*****	*****	*****	*****
Indexed		100	103	70	87
Domestic Sales (MT)		*****	*****	*****	*****
Indexed		100	103	110	122
Export Sales (MT)		*****	*****	*****	*****
Indexed		100	123	132	198
Demand (MT)		*****	*****	*****	*****
Indexed		100	91	139	138
Market share in Demand (%)		39.09	44.26	30.87	34.77

103. The data shows that the domestic industry has added substantial capacities during the injury investigation period, in view of a healthy growth in demand during this period. The production of the domestic industry has also grown by about 55%. But the domestic sales do not show a similar growth pattern and has grown by only 22% over the base year. The capacity utilization

shows a significant decline after marginal increase in 2000-01 though there is a healthy demand in the market.

**c) Actual and potential effect on sales:**

104. The volume of domestic sales and effects of dumped imports on the domestic sales have been examined in terms of absolute sales of the domestic industry, demands and market shares

PX-13	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Domestic sales	*****	*****	*****	*****
Trend	100	103	110	122
Sales of others	1608	1402	1330	1061
Trend	100	87	83	66
Total Domestic sales	*****	*****	*****	*****
Trend	100	96	98	97
Imports	1418	1106	3456	3396
Trend	100	78	244	239
Demand	*****	*****	*****	*****
Trend	100	91	139	138
Dumped Imports	1070	962	3050	3152
Trend	100	90	285	295
<b>Market shares in Demand</b>				
Domestic Industry	39%		44%	31%
Dumped Imports	22%		21%	44%
others	39%		34%	25%

105. The above data in respect of PX-13 shows that while the demand for the product has increased by only 38% the dumped imports has increased by almost 200% and the sales of domestic industry has increased by only 22%. The market share of the domestic industry has declined significantly by 8% while the market share of dumped imports has doubled in the injury period from 22% to 44%.

#### 4.1.3 TDQ

**a) Import Volumes**

Qty in MT	2000-01	2001-02	2002-03	POI
<b>TDQ</b>				
EU	246	75	285	538
Chinese Taipei	0	0	0	117
Subject Countries/Territories (EU + Chinese Taipei)	246	75	285	655
Trend	100	30	116	266
Total Imports TDQ	281	274	450	702
Trend	100	98	160	250
Share of dumped imports	88%	27%	63%	93%

106. The above data indicates that total imports and dumped imports of the subject goods from the subject countries have increased substantially during the injury examination period. The growth in import volume from the subject countries is significantly higher than the growth in total imports. It also shows that

there is a quantum jump in dumped imports compared to the previous year. Dumped imports from the subject countries constitute about 93% of the total imports and the imports from other sources are too small to affect the prices or the market share of the domestic industry.

**b) Actual and potential effect on Capacity, Production, Capacity Utilization**

<b>TDQ</b>				
Capacity (MT)	4200	4200	6200	7000
Indexed	100	100	148	167
Production (MT)	*****	*****	*****	*****
Indexed	100	139	172	201
Capacity utilization (%)	*****	*****	*****	*****
Indexed	100	138	115	120
Domestic Sales (MT)	*****	*****	*****	*****
Indexed	100	117	139	146
Export Sales (MT)	*****	*****	*****	*****
Indexed	100	140	195	250
Demand (MT)	*****	*****	*****	*****
Indexed	100	111	137	150
Market share in Demand (%)	43.57	45.98	44.12	42.16
Inventory (MT)	*****	*****	*****	*****
Indexed	100	321	340	279

107. In respect of this product also the domestic industry has added significant capacity (67%) during the injury investigation period in view of healthy growth in demand. The production has also doubled but the growth in domestic sales has been below the growth in domestic demand for this product. The capacity utilization also shows a declining trend after a significant improvement in 2000-01, in spite of healthy demand in the market.

**C) Actual and potential effect on sales:**

<b>TDQ</b>		<b>2000-01</b>	<b>2001-02</b>	<b>2002-03</b>	<b>POI</b>
Domestic sales	*****	*****	*****	*****	*****
Trend		100	117	139	146
Sales others		1650	1780	2180	2276
Trend		100	108	132	138
Total Domestic sales	*****	*****	*****	*****	*****
Trend		100	112	135	142
Imports		281	274	450	702
Trend		100	98	160	250
Demand	*****	*****	*****	*****	*****
Trend		100	111	138	150
Dumped Imports		246	75	285	655
Trend		100	30	116	266
<b>Market shares in Demand</b>					
Domestic Industry		44%	46%	44%	42%
Dumped Imports		7%	2%	6%	13%
Others		49%	52%	50%	45%

108. As far as TDQ is concerned it is seen that the imports increased over the period in absolute terms by 150% whereas the dumped imports increased by



166%, the sales of the domestic industry increased only by 46%. The market share of the domestic industry has dropped by 2% whereas the share of dumped imports increased by 6%.

109. The Authority has examined the arguments of the interested parties that the growth in market demand as reflected in the statistics of the rubber consumption in India as per the India Rubber Board shows a lower growth in demand compared to the demand of individual products reflected in the disclosure statements. The Authority notes that while the Rubber Board statistics shows the growth in demand of rubber on annual basis, the growth in sales volume of the domestic industry, in respect of individual Rubber Chemicals have been shown with reference to the base year of 2000-01.

#### **H.4.2 Price effect of dumped imports**

110. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Designated Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

111. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. In this connection the Authority has determined net sales realization of the domestic industry considering selling price, excluding taxes & duties, rebates, discounts & commissions and freight & transportation. Landed price of imports has been determined considering weighted average CIF import price, with 1% landing charges and applicable basic customs duty. Accordingly, the price effects of the dumped imports on individual products have been analysed as follows:

##### **H.4.2.1 MOR**

112. The Authority finds that the CIF import prices from the subject countries have been as under:-

##### **a) Decline in import Prices**

Landed Price Rs Per KG				
MOR	2000-01	2001-02	2002-03	POI
EU	215.5	193.82	160.89	152.61

US		198.7	193.33	153.19	143.89
China		231.8	172.82	163.47	146.77
Subject Countries		214.25	193.72	160.41	151.18
CIF Price subject countries		157.14	142.07	122.17	119.74
<b>% decline (with reference to base year) Landed Price</b>					
EU		-	10	25	29
US		-	3	23	28
China		-	25	29	37
Subject Countries		-	10	25	29

113. The above data shows a steady decline in the CIF as well as landed value of imports of the subject goods from the dumped sources over the injury investigation period and decline in the POI is significant and material.

**b) Price undercutting and underselling effects**

		Rs Per KG			
MOR		2000-01	2001-02	2002-03	POI
Net Sales Realisation of DI		*****	*****	*****	*****
NIP					*****
Landed Price EU		215.5	193.82	160.89	152.61
Undercutting EU		*****	*****	*****	10 to 20%
Underselling EU					10 TO 20%
Landed Price- US		198.7	193.33	153.19	143.89
Undercutting- US		*****	*****	*****	15 TO 25%
Underselling - US					20 TO 30%
Landed Price- China		231.8	172.82	163.47	146.77
Undercutting-China		*****	*****	*****	15 TO 25%
Underselling-China					15 TO 25%
<b>MOR-Subject Countries</b>					
Landed Price		214.25	193.72	160.41	151.18
Undercutting		*****	*****	*****	10 TO 20%
Underselling					15 to 25%

114. The above data indicates that the landed value of the dumped imports of MOR individually from the subject countries and also cumulatively undercut the domestic prices significantly. The landed values from the subject countries are also significantly below the non-injurious price of the domestic industry. It is also noticed that due to decline in the landed values, the price undercutting, which was negative in the previous years, has become positive in respect of most of the countries.

### c) Price Suppression and Depression effects of dumped imports

115. To examine the price suppression effect of the dumped imports on the domestic prices the trend of net sale realization of the domestic industry has been compared with the cost of production. The data indicates that though there is a marginal decline in the cost of production of the subject goods during the injury investigation period, the fall in sales realization has been significantly higher than the decline in cost of production. It therefore, appears that the price effect of the dumped imports have forced the domestic industry to keep its prices lower in order to retain its market share indicating price depression effect.

MOR	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Decline in net sales realization (%) over base year		5.88	16.64	14.64
Decline in Cost of production %		3.43	6.55	5.46

#### H.4.2.2 PX-13

##### a) Decline in import Prices

Landed Price Rs Per KG				
PX-13	2000-01	2001-02	2002-03	POI
EU	204.8	199.51	152.86	134.72
Chinese Taipei	213.3	190.2	155.5	135.09
Subject Countries	205.84	196.78	153.29	134.79
CIF Price subject Countries	150.96	144.32	116.75	106.76
% decline (with reference to base year) Landed Price				
EU	-	3	25	34
Chinese Taipei	-	11	27	37
Subject Countries	-	4	26	35

116. The above data shows a steady decline in the CIF as well as landed value of imports of the subject goods from the dumped sources over the injury investigation period and decline in the POI is significant and material.

##### b) Price undercutting and underselling effects

Rs Per KG

PX-i3	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Net Sales Realisation of DI	*****	*****	*****	*****
NIP	*****	*****	*****	*****
Landed Price-EU	204.8	199.51	152.86	134.72
Undercutting-EU	*****	*****	*****	0 to 10%
Underselling--EU				30 to 40%

Landed Price- Chinese Taipei	213.3	190.2	155.5	135.09
Undercutting- Chinese Taipei	*****	*****	*****	0 to 10%
Underselling- Chinese Taipei				30 to 40%
Landed Price- Subject Countries	205.84	196.78	153.29	134.79
Undercutting- Subject Countries	*****	*****	*****	0 to 10%
Underselling				30 to 40%

117. The above data indicates that the dumped imports from the subject countries have been undercutting the domestic prices. But the level of undercutting is low. However, the undercutting is also to be examined along with the price suppression and depression effects of the dumped imports. Since the domestic prices are depressed the undercutting analysis does not appear to reflect the correct picture of the domestic industry.

**c) Price Suppression and Depression effects of dumped imports**

	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Net sales realization (Rs./kg.)				
PX-13	*****	*****	*****	*****
Decline over base year (%)		17.72	40.43	56.64
Decline in Cost of production (%)				
		9.40	4.24	8.21

118. The trend analysis of cost of production and sales realization of the domestic industry shows that whereas the cost of production has declined only by 8% the sales realization has fallen by almost 56% indicating price depression effect of the dumped imports.

**H.4.2.3 TDQ**

**a) Decline in import Prices**

Landed Price Rs Per KG				
TDQ Landed value	2000-01	2001-02	2002-03	POI
EU	88.38	83.75	85.79	80
Chinese Taipei	-	-	-	75.52
Subject Countries	88.38	83.75	85.79	79.2
CIF Price Subject Countries	64.82	61.42	65.34	62.73
% decline (with reference to base year) Landed Price				
EU	-	5	3	9
Chinese Taipei	-	-	-	-
Subject Countries	-	5	3	10

119. The Authority notes that the CIF price and Landed price of each of the subject rubber chemical declined over the injury period.

**b) Price undercutting and underselling effects**

120. The data in respect of PX-13 also shows a similar trend as can be seen from the table below. The price undercutting of the landed prices have become positive only during the POI or in the previous year due to significant decline in the CIF prices and landed value of dumped imports.

Rs Per KG

TDQ	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Net Sales Realisation	*****	*****	*****	*****
NIP		*****	*****	*****
Landed Price-EU	88.38	83.75	85.79	80
Undercutting-EU	*****	*****	*****	0 to 10%
Underselling-EU				5 to 15%
Landed Price- Chinese Taipei	-	-	-	75.52
Undercutting- Chinese Taipei	-	-	-	0 to 10%
Underselling- Chinese Taipei				10 to 20%
Landed Price- Subject Countries	88.38	83.75	85.79	79.2
Undercutting-Subject Countries	*****	*****	*****	0 to 10%
Underselling Subject Countries				5 to 15%

121. The above data indicates that the dumped imports from the subject countries have been undercutting the domestic prices. The above data analyzed alongwith the price depression effect indicates significant undercutting and underselling effects of the dumped imports.

**c) Price Suppression and Depression effects of dumped imports**

	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Net sales realization (Rs./kg.)				
TDQ	*****	*****	*****	*****
Decline over base year (%)		3.64	8.7	7.94
Decline in Cost of production (%)				
		11.09	5.28	2.98

122. The above data shows that the decline in sales realization is significantly higher than the decline in cost of production indicating price depression effect of the dumped imports on domestic prices as the domestic industry is trying to retain its market share by lowering its prices to match import prices.

**H.4.3 Examination of other injury factors**

123. After examining some of the injury factors i.e. Capacity, Production, Capacity Utilization; actual and potential decline in sales and market share; actual and potential increase in volume of imports etc. in the previous section, the Authority has examined the other mandatory injury parameters as follows:

**a) Capacity, Production and capacity utilization**

124. As noted in the previous section domestic industry has increased its capacity in respect of the individual products through de-bottlenecking of the existing capacities and by addition of additional equipments. The increase in capacity is line with the increase in demand and also improvement in its production efficiency and cost of production. The production and sales of the domestic industry in each of the rubber chemicals has also increased. But as mentioned earlier the increase in sales is much less compared to the production and the capacity utilization shows significant decline in spite of a healthy growth in demand.

**b) Actual and Potential effects of profits and profitability.**

125. Profits earned by the domestic industry from the sales of the subject goods in the domestic market were as follows:-

	Rs per Kg			
	2000-01	2001-02	2002-03	POI
<b>MOR</b>				
Cost of Sales	100	96.57	99.29	103.87
Net Selling Price(NSR)	100	94.12	83.36	85.36
Profit/Loss	100	72.92	-54.70	-75.08
<b>PX-13</b>				
Cost of Sales	100	90.60	101.29	99.44
Net Selling Price(NSR)	100	90.88	79.20	70.86
Profit/Loss	100	94.44	-119.55	-186.32
<b>TDQ</b>				
Cost of Sales	100	88.91	100.63	106.47
Net Selling Price(NSR)	100	95.96	90.34	91.19
Profit/Loss	100	21266.67	-30800.00	-45800.00

126. The data shows that in respect of all the three products the profitability of the domestic industry has declined significantly and the domestic industry has moved to a situation of financial losses from a situation of profits in spite of higher production and sales volumes achieved by the domestic industry over this period.

**c) Employment**

127. Number of employees in each subject rubber chemical has been examined to analyse the productivity of the domestic industry during the investigation period.

	Indexed			
No. of employee	2000-01	2001-02	2002-03	POI
<b>MOR</b>	100	100	92.86	85.71
<b>PX-13</b>	100	93.33333	80.00	73.33
<b>TDQ</b>	100	100	154.55	163.64
<b>Productivity Per Employee</b>				

MOR	100	118.6698	150.36	159.75
PX-13	100	120.4247	155.79	211.08
TDQ	100	139.3056	111.36	122.54

128. The above data shows that the productivity of the domestic industry has improved in terms of its labour productivity.

#### d) Wages

129. Wages paid by the company and incidence of wage per unit of production has been as under:-

	2000-01	2001-02	2002-03	POI
<b>Wages Per KG (Indexed)</b>				
MOR	100	99.43	80.74	88.10
PX-13	100	95.90	86.15	71.79
TDQ	100	91.61	111.19	112.59

130. It is seen that overall wages per kg have reduced due to higher labour productivity and higher production.

#### e) Return on Investment

131. ROI has been calculated by considering capital employed in each rubber chemical and profit before interest, which shows as under:-

MOR	(Indexed)	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Profit on Domestic Sales	Rs. Lacs	100	84.72	-75.80	-100.78
Cash Profit on domestic sale	Rs. Lacs	100	88.68	-46.70	-66.15
Capital Employed for Domestic Sale	Rs. Lacs	100	106.61	106.42	101.51
Profit on Capital Employed	%	100	79.50	-71.25	-99.31
Return on Capital Employed	%	100	82.00	-21.07	-39.20
<b>PX-13</b>					
Profit on Domestic Sales	Rs. Lacs	100	96.78	-131.50	-227.91
Cash Profit on domestic sale	Rs. Lacs	100	97.26	-77.00	-152.48
Capital Employed for Domestic Sale	Rs. Lacs	100	92.78	103.68	92.76
Profit on Capital Employed	%	100	108.33	-133.33	-258.33
Return on Capital Employed	%	100	100.00	-66.67	-144.44
<b>TDQ</b>					
Profit on Domestic Sales	Rs. Lacs	100	24780.00	42628.89	66226.67
Cash Profit on domestic sale	Rs. Lacs	100	381.62	-382.96	-650.28
Capital Employed for Domestic Sale	Rs. Lacs	100	94.30	110.36	103.83
Profit on Capital Employed	%	100	29300.00	43075.00	71125.00
Return on Capital Employed	%	100	304.48	-189.33	-367.47

132. Examination of the profitability of the products under consideration indicate that the return on investment in the domestic operation in respect of all the three products have become negative from a position of positive returns in the base year.

**f) Inventories**

**Indexed**

Inventory (MT)	2000-01	2001-02	2002-03	POI
MOR	100	166.10	206.78	194.92
PX-13	100	42.25	59.15	84.51
TDQ	100	321.35	340.45	279.78

133. Authority finds that the inventory of the domestic industry has increased substantially for MOR and TDQ whereas there is a drop in inventory in case of PX-13. However, the Authority notes that domestic industry has significant exports of the products under consideration. Inventory levels of the product under consideration are therefore not reflective of any consistent pattern and have been influenced by the pattern of export shipments and volumes.

**g) Cash Flow**

134. Cash profits of the domestic industry over the injury period have been as under:-

Indexed	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Cash profits from domestic sales (Rs. Lacs)				
MOR	100	88.68	-46.70	-66.15
PX-13	100	97.26	-77.00	-152.48
TDQ	100	381.62	-382.96	-650.28

135. It is seen that the cash profits of the domestic industry has deteriorated over the period. This deterioration in cash profits was directly attributable to decline in the selling prices in response to landed price of imports.

**h) Productivity**

136. As noted earlier the productivity of each of the subject rubber chemicals has increased, as may be seen from the table below.

INDEXED	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Production per employee( MT)				
MOR	100	118.67	150.36	159.75
PX-13	100	120.42	155.79	211.08
TDQ	100	139.31	111.36	122.54

137. However, the improvement in productivity has not translated into profitability for the domestic industry. It is found that even when productivity of



the domestic industry significantly improved, which helped in reduction in unit cost of production, profits of the domestic industry significantly declined from a situation of profits to losses due to decline in selling prices.

**i) Growth**

138. Even though growth of the domestic industry in terms of parameters, such as capacity, production, sales, and productivity was positive, the same was negative in terms of market share, profits, cash flow, and return on investments.

**j) Ability to raise fresh Investment**

139. The Authority notes that the domestic industry has made fresh investments in each of the subject goods, in the injury period more as an indicator of past profitability and future expectations of demand and market share. However, it is found that the financial performance of the domestic industry is significantly eroding, which may have adverse impact on its future ability to raise fresh investments.

**Overall assessment**

140. The above analysis of the factors that may indicate existence of material injury to the domestic industry shows that in respect of each of the products involved, in spite of the improvement in capacity, production, and sales in absolute terms and reduction in its cost of production, improvement in productivity, the industry suffers injury on account high unutilized capacity while there is a healthy demand for the products in the domestic markets, low net sales realization, higher inventory built up, negative or low return on investments and profits. The injury suffered in respect of the individual products is material and significant. Therefore, the arguments of the interested parties that the petitioner domestic industry does not suffer any material injury are not valid.

**H.5 Causal link and other factors analysis**

141. The interested parties have argued that the injury caused to the domestic industry is on account of its petrochemical unit and has nothing to do with the dumped imports. In this connection they have argued that petrochemical division being a sick unit the overall financial situation of the company has been affected. However, the Authority notes that the petrochemical unit is already in the process of de-merger and the injury analysis as above has been carried out only for the rubber chemical division and in respect of the specific rubber chemicals named in this investigation.

142. Having examined the existence of material injury and volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic in terms of its price undercutting, price underselling and price suppression, and depression effects

the Authority has also examined whether other indicative parameters listed in Article 3.5 of the Agreement could have contributed to injury to the domestic industry. Therefore, the following parameters have been examined:

#### H.5.1 MOR

- a) **Imports from Third Countries:** - Imports of MOR from countries not under investigation are either insignificant or at prices higher than the import prices from the subject countries and therefore, do not affect the prices in the domestic industry;

It has been argued that the Authority has not adequately examined the imports from other sources. In this connection the Authority notes that the volume effect analysis clearly shows that the share of imports from the subject countries is 98% of total imports in respect of the subject goods. Therefore, the volume and price of imports from other sources do not have any significant effect on the domestic industry.

- b) **Contraction in Demand:** - Demand for the subject goods (MOR) have increased substantially by 49% during the injury examination period. Therefore, possible contraction in demand cannot be attributed to the injury to the domestic industry.
- c) **Pattern of consumption:** - No significant change in the pattern of consumption has been alleged by any interested party.
- d) **Conditions of competition:** - The goods are freely importable. The petitioner is the major producer of the subject goods as the other viable producers have either stopped significant production or turned traders of the subject goods. Therefore, domestic competition could not be attributed to the injury to the domestic industry. No other evidence of conditions of competition or trade restrictive practices has been brought to the knowledge of the Authority.
- e) **Developments in technology:** - There is no allegation of significant changes in technology, which could have caused injury to the domestic industry. The exporter have claimed substantial cost advantage due to in situ availability of certain raw materials or different production process which could have a bearing on their own cost of production and Normal Values. However, no cost disadvantage to the domestic industry due to technological difference has been claimed.

- f) **Export performance of the domestic industry:-**

Exports	2000-01	2001-02	2002-03	Indexed
				POI
MOR	100	105.67	120.57	139.01

The export sale of the domestic industry is substantial and shows significant growth. But the profitability from the export has been negative. However, for the injury analysis the price and profitability in the domestic and export markets have been segregated. And injury if any caused due to the company's export performance has not been attributed to the dumped imports.

- g) **Productivity:** - Productivity of the domestic industry has improved in terms of total output and productivity per employee. Therefore, this cannot be attributed to the injury of the domestic industry.

#### H.5.2 PX-13

- a) **Imports from Third Countries:** - Imports of PX-13 from countries not under investigation are either insignificant or at prices higher than the import prices from the subject countries and therefore, do not affect the prices in the domestic industry. It has been argued that the Authority has not adequately examined the imports from other sources. In this connection the Authority notes that the volume effect analysis clearly shows that the share of imports from the subject countries is 93% of total imports in respect of the subject goods. Therefore, the volume and price of imports from other sources do not have any significant effect on the domestic industry.
- b) **Contraction in Demand:** - Demand for the subject goods (PX-13) have increased substantially by 38% during the injury examination period. Therefore, possible contraction in demand cannot be attributed to the injury to the domestic industry.
- c) **Pattern of consumption:** - No significant change in the pattern of consumption has been alleged by any interested party.
- d) **Conditions of competition:** - The goods are freely importable. The petitioner is the major producer of the subject goods as the other viable producers have either stopped significant production or turned traders of the subject goods. Therefore, domestic competition could not be attributed to the injury to the domestic industry. No other evidence of conditions of competition or trade restrictive practices has been brought to the knowledge of the Authority.
- e) **Developments in technology:** - There is no allegation of significant changes in technology, which could have caused injury to the domestic industry. The exporter have claimed substantial cost advantage due to in situ availability of certain raw materials or different production process which could have a bearing on their own cost of production and Normal

Values. However, no cost disadvantage to the domestic industry due to technological difference has been claimed.

**f) Export performance of the domestic industry:-**

Exports	2000-01	2001-02	2002-03	Indexed
				POI
PX-13	100	123.35	131.89	198.06

The export sale of the domestic industry is substantial and shows significant growth. But the profitability from the export has been negative. However, for the injury analysis the price and profitability in the domestic and export markets have been segregated. And injury if any caused due to the company's export performance has not been attributed to the dumped imports.

- g) **Productivity:** - Productivity of the domestic industry has improved in terms of total output and productivity per employee. Therefore, this cannot be attributed to the injury of the domestic industry.

### H.5.3 TDQ

- a) **Imports from Third Countries:** - Imports of TDQ from countries not under investigation are either insignificant or at prices higher than the import prices from the subject countries and therefore, do not affect the prices in the domestic industry. It has been argued that the Authority has not adequately examined the imports from other sources. In this connection the Authority notes that the volume effect analysis clearly shows that the share of imports from the subject countries is 93% of total imports in respect of the subject goods. Therefore, the volume and price of imports from other sources do not have any significant effect on the domestic industry.
- b) **Contraction in Demand:** - Demand for the subject goods (PX-13) have increased substantially by 50% during the injury examination period. Therefore, possible contraction in demand cannot be attributed to the injury to the domestic industry.
- c) **Pattern of consumption:** - No significant change in the pattern of consumption has been alleged by any interested party.
- d) **Conditions of competition:** - The goods are freely importable. The petitioner is the major producer of the subject goods as the other viable producers have either stopped significant production or turned traders of the subject goods. Therefore, domestic competition could not be attributed to the injury to the domestic industry. No other evidence of conditions of competition or trade restrictive practices has been brought to the knowledge of the Authority.

- e) **Developments in technology:** - There is no allegation of significant changes in technology, which could have caused injury to the domestic industry. The exporter have claimed substantial cost advantage due to in situ availability of certain raw materials or different production process which could have a bearing on their own cost of production and Normal Values. However, no cost disadvantage to the domestic industry due to technological difference has been claimed.
- f) **Export performance of the domestic industry:-**

Exports	2000-01	2001-02	2002-03	Indexed
				POI
TDQ	100	139.59	195.27	250.52

The export sale of the domestic industry is substantial and shows significant growth. But the profitability from the export has been negative. However, for the injury analysis the price and profitability in the domestic and export markets have been segregated. And injury if any caused due to the company's export performance has not been attributed to the dumped imports.

- g) **Productivity:** - Productivity of the domestic industry has improved in terms of total output and productivity per employee. Therefore, this cannot be attributed to the injury of the domestic industry.

143. It has been claimed by the interested parties that the Authority should not base its injury determination solely in terms of loss of market share, low capacity utilization and profitability, regardless of certain positive factors and notwithstanding the fact that the petitioner has been registered as a sick industrial company under BIFR and the injury, if any, is self inflicted. As far as BIFR and self inflicted injury is concerned, the Authority notes that the Company was registered by the BIFR as a sick unit because of consistent erosion of its net worth on account of losses in its petrochemicals business and ultimately, the petrochemicals business was hived off. The Rubber Chemical Unit as a whole is in the recovery path as has been quoted by the interested parties from the Company's Annual Reports. In spite of improved performance of the company, the products under consideration have suffered material injury as indicated in the foregoing examination of mandatory injury parameters, due to dumped imports from the subject countries/territories. The injury analysis has separated the effects of carry over of losses and expenses if any on account of the de-merged unit from the injury caused to the products involved in its Non-injurious price determination.

144. The non-attribution analysis as above shows that no other factor other than the dumped imports has affected the domestic industry

#### **H.5.4 Factors establishing causal link**

145. Analysis of the performance of the domestic industry over the injury period shows that the performance of the domestic industry has materially deteriorated due to dumped imports from subject countries. Therefore, the causal links between dumped imports and the injury to the domestic industry is established on the following grounds:

1. The dumped import prices and consequently the landed price of imports from the subject countries steeply declined, resulting in significant price undercutting. As a direct consequence, the domestic industry was forced to reduce the prices.
2. Reduction in the selling prices by the domestic industry adversely affected the profits, cash flow and return on investments of the company.
3. Even though the domestic industry responded to decline in import prices, significant positive price undercutting resulted in increase in market share of imports from the subject countries. As a direct consequence, market share of the domestic industry declined.
4. Existence of significant price undercutting and consequent decline in market share of the domestic industry resulted in capacity utilization not reaching the earlier levels. Domestic industry could not increase sales and consequently production and capacity utilization in spite of increase in demand.
5. In spite of increase in demand and reduction in selling prices by the domestic industry, market share of the domestic industry declined due to significant reduction in landed price of imports. This retarded the growth of the domestic industry.

146. Therefore, the Authority concludes that the domestic industry suffers material injury and the injury has been caused by the dumped imports from the subject countries/territories.

#### **I Magnitude of Injury and injury margin**

147. The non-injurious price determined by the Authority has been compared with the landed value of the exports for determination of injury margin. For the purpose of this determination the landed values have been worked out after adding 1% landing charges and the basic customs duty to the weighted average CIF price of the exports for the respective exporters from the subject countries/territories. Accordingly, the injury margins proposed to be adopted are as follows.

Product	Country/ Territory	Exporter	Landed Value	NIP	Injury Margin	IM %
			US\$/KG	US\$/KG	US\$/KG	
PX-13	EU	Flexsys NV	*****	*****	*****	15 to 25%
	EU	Lanxess, GmbH	*****	*****	*****	25 to 30%
	EU	All Others	*****	*****	*****	25 to 30%
	Chinese Taipei	All Exporters	*****	*****	*****	25 to 30%
MOR	EU	Lanxess, NV	*****	*****	*****	5 to 15%
	EU	All others	*****	*****	*****	10 to 20%
	USA	All Exporters	*****	*****	*****	15 to 25%
	China	All Exporters	*****	*****	*****	10 to 20%
TDQ	EU	General Quimica SA	*****	*****	*****	20 to 30%
	EU	All other Exporters	*****	*****	*****	20 to 30%
	Chinese Taipei	All Exporters	*****	*****	*****	15 to 25%

## J. Conclusions

148. After examining the issues raised and submissions made by the interested parties and facts made available before the Authority as recorded in this finding the authority concludes that:

- i) The subject goods have entered the Indian market from the subject countries/territories at prices less than their normal values in the domestic markets of the exporting countries/territories;
- ii) The domestic industry has suffered material injury;
- iii) And the injury has been caused to the domestic industry both by volume and price effect of dumped imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries/territories.

## K. Indian industry's interest & other issues

149. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

## L. Recommendations

150. The Authority initiated and conducted the investigation into dumping, injury and causal links between dumping and injury to the domestic industry in terms of the Rules laid down and having established positive dumping margin against the subject countries, and having concluded that the domestic industry suffers material injury due to such dumped imports, the Authority is of the opinion that definitive measure is required to be imposed to offset dumping and injury being caused to the domestic industry. Accordingly, the Authority recommends imposition of definitive antidumping duty in the form and manner prescribed below.

151. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, antidumping duty equal to the amount indicated in Col 9 of the duty table annexed herewith is recommended to be imposed by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from the subject countries/territories.

**Duty Table**

Sl. No	Sub Heading or Tariff Item	Description of Goods	Specification	Country of origin	Country of Export	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit of Measure	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)		
<b>PX-13</b>										
1	381212, 381220, 381230, 293420, 292519, 292520	Rubber Chemical <b>PX-13</b>	Anti-degradants -[N-1, 3-dimethyl butyl-N'Phenyl paraphenylenediamine (6 PPD)]	European Union	European Union	M/s Flexsys NV, Belgium	Any	562	MT	US\$
2	-Do-	-Do-	-Do-	European Union	European Union	M/s Lanxess GmbH, Germany	Any	816	MT	US\$
3	-Do-	-Do-	-Do-	European Union	European Union	Any other than above	Any	840	MT	US\$
4	-Do-	-Do-	-Do-	European Union	Any	Any other than above	Any	840	MT	US\$
5	-Do-	-Do-	-Do-	Any	European Union	Any	Any	840	MT	US\$
6	-Do-	-Do-	-Do-	Chinese Taipei	Chinese Taipei	Any	Any	740	MT	US\$
7	-Do-	-Do-	-Do-	Chinese	Any	Any	Any	740	MT	US\$



				Taipei	Excluding European Union					
8	-Do-	-Do-	-Do-	Any Excluding European Union	Chinese Taipei	Any	Any	740	MT	US\$
<b>MOR</b>										
9	-Do-	Rubber Chemical <b>MOR</b>	Accelerators - N-oxidiethylene-2-benzothiazole sulphenamide [2-Morphoolinothio benothiazole (MBS)]	European Union	European Union	M/s Lanxess NV, Belgium	Any	350	MT	US\$
10	-Do-	-Do-	-Do-	European Union	European Union	Any other than above	Any	490	MT	US\$
11	-Do-	-Do-	-Do-	European Union	Any excluding USA	Any other than above	Any	490	MT	US\$
12	-Do-	-Do-	-Do-	Any excluding USA	European Union	Any	Any	490	MT	US\$
13	-Do-	-Do-	-Do-	USA	USA	Any	Any	510	MT	US\$
14	-Do-	-Do-	-Do-	Any	USA	Any	Any	510	MT	US\$
15	-Do-	-Do-	-Do-	USA	Any	Any	Any	510	MT	US\$
16	-Do-	-Do-	-Do-	China	China	Any	Any	450	MT	US\$
17	-Do-	-Do-	-Do-	China	Any excluding EU & USA)	Any	Any	450	MT	US\$
18	-Do-	-Do-	-Do-	Any excluding EU & USA	China	Any	Any	450	MT	US\$
<b>TDQ</b>										
19	-Do-	Rubber Chemical <b>TDQ</b>	Anti-oxidants- - Polymerised 2,2, 4-Trimethyl-1,2 di-hydroquinoline	European Union	European Union	M/s General Qumica SA, Spain	Any	282	MT	US\$
20	-Do-	-Do-	-Do-	European Union	European Union	Any other than above	Any	327	MT	US\$
21	-Do-	-Do-	-Do-	European Union	Any	Any other than above	Any	327	MT	US\$

22	-Do-	-Do-	-Do-	Any	European Union	Any	Any	327	MT	US\$
23	-Do-	-Do-	-Do-	Chinese Taipei	Chinese Taipei	Any	Any	270	MT	US\$
24	-Do-	-Do-	-Do-	Chinese Taipei	Any Excluding EU	Any	Any	270	MT	US\$
25	-Do-	-Do-	-Do-	Any excluding EU	Chinese Taipei	Any	Any	270	MT	US\$

### M. Further Procedures

152. An appeal against the orders of the Central Government that may arise out of this recommendation shall lie before the Customs, Excise and Service tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

153. The Authority may review the need for continuation, modification or termination of the definitive measure as recommended herein from time to time as per the relevant provisions of the Act and public notices issued in this respect from time to time. No request for such a review shall be entertained by the Authority unless the same is filed by an interested party, as per the time schedule stipulated for this purpose.

CHRISTY L. FERNANDEZ, Designated Authority